A Daily News Magazine

इंदौर

शनिवार, 27 सितंबर, 2025

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 10 अंक 343, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmail.com

facebook.com/subahsaverenews

www.subahsavere.news

twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

'वोट चोरी' रोकने के लिए देश में कांग्रेस का 'वोट रक्षक' अभियान !

प्रशांत श्रीवास्तव

पार्टी ने पांच लोकसभा सीटों को चुना है जहां उसने कम अंतर से हार दर्ज की थी। वहां के वोट रक्षक चुनाव आयोग में गलत जोड़-घटाव जैसी गलतियों को पहचानकर रिपोर्ट करेंगे।

'वोट चोरी' के मुद्दे को लेकर चिंता जताने के बाद कांग्रेस पार्टी ने 'वोट रक्षक' अभियान शुरू किया है। इसका उद्देश्य पार्टी कार्यकर्ताओं को मतदाता सूची में गलतियों की पहचान और रिपोर्ट करने के लिए ट्रेनिंग देना है।

मतदाता सूचियों में कथित हेरफेर को रोकने के लिए कांग्रेस ने पांच लोकसभा सीटों को चुना है, जहां उसने कम अंतर से हार दर्ज की थी: जयपुर ग्रामीण और अलवर (राजस्थान), कांकेर (छत्तीसगढ़), मुरैना (मध्य प्रदेश) और बसगांव (उत्तर प्रदेश)।

इन सीटों पर हर 20 मतदान केंद्रों में एक वोट रक्षक तैनात किया जाएगा, यानी प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में लगभग 15-20 स्वयंसेवक और हर लोकसभा सीट में करीब 100 लोग।

इनका काम चुनावी सूची पर नज़र रखना होगा और यदि कोई गलत जोड़-घटाव हुआ तो तुरंत चुनाव आयोग से संपर्क करना होगा।

टीम ने पहले ही पांच में से तीन चयनित सीटों का कवरेज किया है, जहां कांग्रेस उम्मीदवार भी वोट रक्षक पहचान और प्रशिक्षण सत्र में मौजूद रहे।

वोट रक्षक कार्यक्रम का हिस्सा एक वरिष्ठ पार्टी नेता ने बताया कि इन पांच लोकसभा सीटों पर ध्यान केंद्रित करने का उद्देश्य यह संदेश देना था कि अगर पहले बूथ रक्षक होते तो कांग्रेस इन सीटों को जीत सकती थी, साथ ही स्थानीय कार्यकर्ताओं को जागरूक करना भी।

यह पहल एक पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ली जा रही है क्योंकि इन सीटों पर जीत का अंतर 10 हजार वोट से कम था। इसके बाद पार्टी इस अभियान को पांच और सीटों तक बढ़ाने की योजना बना रही है, जहां अंतर 20 हजार वोट से कम था। नेता ने कहा, 'चूंकि मतदाता सूची लगभग हर एक-दो साल में स्थानीय निकाय, विधानसभा चुनाव या किसी अन्य चुनाव के दौरान अपडेट होती है, हम अब से जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं क्योंकि यह मुद्दा अब ज़रूरी हो गया है।'

वोट रक्षक की पहचान और प्रशिक्षण के लिए कांग्रेस ने करीब एक दर्जन नेताओं की टीम बनाई है। ये प्रमुख नेता नहीं हैं, लेकिन इन्हें पार्टी प्रशिक्षण, सर्वे और चुनावी सूचियों के अनुभव हैं। कांग्रेस के एक नेता के अनुसार, वोट रक्षक वे स्वयंसेवक हैं जिनका काम वोट चोरी को रोकना है। ट्रेनिंग में उन्हें पार्टी कार्यकर्ता बताया गया है जो सिर्फ संगठन का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि मतदाता सूची की जांच करना, चुनावी फॉर्म का सही उपयोग करना और मतदाता सूची में गलतियों पर आपत्ति दर्ज करना सीखते हैं।

ये रक्षक स्थानीय जिला इकाई का हिस्सा हो सकते हैं। इन्हें कोई वेतन नहीं मिलेगा, लेकिन राज्य इकाई के वरिष्ठ नेताओं द्वारा इनकी निगरानी की जाएगी। कई रक्षकों को अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी में शीर्ष नेताओं से मिलने का भी मौका मिलेगा।

बताया जाता है कि ट्रेनिंग के दौरान कार्यकर्ताओं को चार प्रेजेंटेशन दिए जाते हैं—वोट चोरी क्या है, इसे कैसे रोका जाए, आधिकारिक दस्तावेज़ों का उपयोग और वोट रक्षक अभियान। दस्तावेज़ों में इन सत्रों का विवरण दिया गया है। पहला प्रेजेंटेशन बताता है कि देश भर में वोट चोरी कैसे होती है, जैसे डुप्लीकेट एंट्री, एक ही पते पर कई वोटर और फर्जी वोटिंग। दूसरा प्रेजेंटेशन रोकथाम के उपायों पर ध्यान देता है, जैसे सतर्कता बढ़ाना और वार्षिक मतदाता सूची की जांच।

तीसरा प्रेजेंटेशन फॉर्म 6 (नाम जोड़ने के लिए), फॉर्म 7 (हटाने या आपत्ति दर्ज करने के लिए) और फॉर्म 8 (सुधार के लिए) के उपयोग पर केंद्रित है। अंतिम प्रेजेंटेशन वोट रक्षकों की भूमिका को परिभाषित करता है- स्वयंसेवक जो पार्टी का हिस्सा होने के साथ-साथ मतदाता सूची की निगरानी करते हैं, इन फॉर्मों का सही उपयोग करते हैं और मतदाता सूची में गलतियों पर सवाल उठाते हैं।

मध्य प्रदेश के एक स्थानीय नेता, जिन्होंने ट्रेनिंग में हिस्सा लिया, कहा, 'ऐसा लगा कि वे बूथ कार्यकर्ताओं की पहचान कर रहे हैं, लेकिन एक अलग तरीके से। यह कुछ हद तक बीजेपी द्वारा शुरू किए गए पन्ना प्रमुख कॉन्सेप्ट जैसा है, जिसने उनके पार्टी कार्यकर्ताओं में भी हलचल पैदा की थी।'

जहां राहुल गांधी इस अभियान के चेहरे हैं, वहीं पार्टी सूत्रों के अनुसार कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी इस कार्यक्रम की बारीकी से निगरानी कर रही हैं। ऐसा बताया गया है कि उन्होंने ट्रेनरों की सूची को अंतिम रूप दिया और राहुल गांधी को फीडबैक भी दिया।

मुख्य प्रशिक्षण टीम में उत्तर प्रदेश से अनिल यादव, प्रदीप नरवाल और माज़िन हुसैन शामिल हैं, जिनके साथ करीब दर्जनभर कोऑर्डिनेटर जुड़े हैं। अनिल और नरवाल को टीम प्रियंका के समूह के सदस्य माना जाता है। माज़िन, जो अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र हैं, उत्तर प्रदेश में प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी शामिल रहे हैं।

कांग्रेस सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी की टीम के एक वरिष्ठ नेता को ट्रेनरों द्वारा दी गई जानकारी की निगरानी का काम सौंपा गया है। उम्मीद है कि राहुल इस साल वोट रक्षकों को संबोधित करेंगे।

कांग्रेस के एक वरिष्ठ सांसद ने नाम न छापने की शर्त पर कहा, 'कागज़ों पर यह एक अच्छी पहल है, लेकिन इसे सभी 545 लोकसभा सीटों तक फैलाना आसान नहीं होगा। कांग्रेस में उम्मीदवार अक्सर बूथ प्रबंधन के लिए अपनी मुख्य टीम पर भरोसा करते हैं और यह देखना बाकी है कि ये टीमें वोट रक्षकों की बात मानेंगी या नहीं।'

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

बिहार की 75 लाख महिलाओं को मिले 10-10 हजार

● *पीएम ने की मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना की शुरुआत* ● *राज्य की 22 फीसदी महिला वोटर्स को मिला बड़ा फायदा*

पटना (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में वर्चुअली 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' की शुरुआत की। शुक्रवार को 75 लाख महिलाओं के खातों में प्रधानमंत्री ने ऑनलाइन 10-10 हजार की राशि ट्रांसफर की। 2020 के आंकड़ों के मुताबिक, बिहार में महिला वोटर्स की संख्या करीब 3.39 करोड़ है। इसके अनुसार करीब 22 फीसदी महिला वोटर्स को आज शुरू हुई योजना का फायदा मिलेगा। जीविका दीदियों को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा, अगर देश ने जन-धन योजना के तहत 30 करोड़ से ज्यादा माताओं-बहनों के खाते न खुलवाए होते तो क्या आज इतने पैसे हम सीधे आपके खाते में भेज पाते। आज जो पैसे भेजे जा रहे हैं, वो पूरे आपके खाते में जमा होंगे। कोई एक पैसा नहीं मार सकता है। पहले योजना का पैसा आप तक पहुंचने से पहले लूट जाता था। एक भाई तब ही खुश होता है, जब उसकी बहन स्वस्थ हो, परिवार खुश हो। आज आपके दो भाई नरेंद्र और नीतिश मिलकर बहनों के लिए लगातार काम कर रहे हैं। जीविका दीदी की बातें सुनकर पीएम धीरे-धीरे मुस्कुराते रहे।

● **पीएम बोले-बिहार में नीतिश के नेतृत्व में कानून का राज-** पीएम ने कहा, आज हमारी बेटियां बड़ी संख्या में फोर्स-पुलिस में आ रही हैं। आज हमारी बेटियां लड़ाकू विमान उड़ा रही हैं। हमें वो दिन भी नहीं भूलने हैं, जब बिहार में राजद की सरकार थी। अराजक की सबसे ज्यादा मार मेरी बिहार की माताओं ने ही झेली है। उस समय सड़क, पुल-पुलिया का नाम तक नहीं था, इन चीजों से सबसे ज्यादा तकलीफ महिलाओं को ही होती थी। राजद के राज में बिहार में खौफ था। नक्सली आतंक बेहिसाब था। इसका दर्द सबसे ज्यादा महिलाओं को सहना पड़ता था। आज जब नीतिश जी के नेतृत्व में कानून का राज लौटा है तो सबसे ज्यादा राहत महिलाओं ने महसूस की है।

हमारी सरकार में बिहार से आईएएस निकलते थे अब मजदूर

● **मोतिहारी में प्रियंका बोलीं- यहां 20 सालों से वोट चोरों का राज, बदलाव का वक्त है**

मोतिहारी (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव और सांसद प्रियंका गांधी ने मोतिहारी में हर घर अधिकार यात्रा को संबोधित किया। उन्होंने लोगों से पूछा- का हाल बा, हाल बदलने का समय आ गया है। बदलाव का वक्त है। बदलाव लाओ। गांधी जी ने मोदी जी और अमित शाह की गद्दी के लिए नहीं लड़े थे। वो आपके अधिकारों के लिए लड़े थे। बीजेपी के नेता कहते हैं कांग्रेस ने 70 सालों में क्या किया। कांग्रेस ने जनता के अधिकारों को मजबूत किया। आपकी शक्ति को मजबूत किया। बड़े-बड़े उद्योग बनाए। बड़े बांध बने। सड़कें बनीं। बिहार से आईएएस निकलते थे आज यहां के लोग मजदूरी करने जाते हैं। मेरा घर बन रहा था, मजदूर बिहार के थे। केरल में एक मजदूर मिला सड़क बना रहा था।

पंचम मां स्कंदमाता

देवी मां का पांचवां रूप स्कंदमाता के नाम से प्रचलित है। भगवान् कार्तिकेय का एक नाम स्कन्द भी है जो ज्ञानशक्ति और कर्मशक्ति के एक साथ सूचक हैं। स्कन्द इन्हीं दोनों के मिश्रण का परिणाम है।

सुप्रभात

फिर से तपते हुए दिनों की शुरुआत
हवा में अजीब-सी गंध है
और डोमों की चिता
अभी भी दहक रही है
वे कह रहे हैं
एक माह तक मुफ्त राशन
मृतकों के परिवार को
और लकड़बग्घा हंस रहा है...
और मैं...
फिर से खड़ा हूं
इस अंधेरी रात की नब्ज़ को
थामे हुए
कह रहा हूं
ये तीमारदार नहीं
हत्यारे हैं
और वह आवाज़
खाने की मेज़ पर
बच्चों की नहीं
लकड़बग्घे की हंसी है
सुनो...
यह दहशत तो है
चुनौती भी
लकड़बग्घा हंस रहा है।

– चंद्रकांत देवताले

14 हजार किमी दूर से तेल मंगाने की तैयारी में भारत !

● **अमेरिका के सामने रखी शर्त**

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर 25 फीसदी का अतिरिक्त टैरिफ लगा रखा है। भारत और अमेरिका के संबंधों में रूस से तेल की खरीद सबसे बड़ा रोड़ा बना हुआ है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के

मुताबिक भारत रूस से तेल की खरीद कम करने को तैयार है लेकिन इसके लिए उसने अमेरिका के सामने एक शर्त रखी है। उसका कहना है कि अगर भारत रूसी तेल का आयात कम करता है, तो अमेरिका को ईरान और वेनेजुएला से तेल खरीदने की अनुमति देनी होगी। ये दोनों देश तेल के बड़े सप्लायर हैं, लेकिन अमेरिका ने इन पर पाबंदी लगा रखी है। एक सूत्र ने बताया कि इस हफ्ते अमेरिका गए भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी अधिकारियों के साथ मीटिंग में ये बात दोहराई। भारतीय अधिकारियों ने यह भी कहा कि अगर भारत एक ऐसा कर देता है, तो दुनिया में तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत : मुख्यमंत्री

ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में योजनाबद्ध तरीके से बढ़ रहे हैं आगे

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि शहरीकरण आज की सबसे बड़ी जरूरत है। नागरिकों का जीवन और अधिक सरल, सहज और सुविधा सम्पन्न बनाना ही हमारा लक्ष्य है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बेहतर सार्वजनिक सुविधाएं नागरिकों और समाज को न केवल मजबूत करती है बल्कि उन्हें जिम्मेदार भी बनाती हैं। इसी दिशा में प्रदेश सरकार लगातार कदम बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के शहरों का विकास उनकी तासीर और विशिष्ट पहचान के अनुरूप किया जा रहा है। शहरों के विकास में हम वहां की पुरा-धरोहरों और विरासतों का भी ध्यान रख रहे हैं। ग्रीन और क्लीन सिटीज के निर्माण की दिशा में हम योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ रहे हैं। अर्बन डेवलपमेंट के लिए कार्बन उत्सर्जन पर पूर्ण रोक लगाना एक बिग टास्क है। इन सभी चुनौतियों को पार करते हुए नागरिकों को स्वच्छ परिवेश देने के लक्ष्य पर आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को भोपाल में एक मीडिया समूह द्वारा आयोजित अर्बन ट्रांसफार्मेशन समिट-2025 को संबोधित कर रहे थे।

मेट्रो ट्रेन के साथ फ्लाई ओवर ब्रिज- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बड़े शहरों में मेट्रोपोलिटन सिटी रीजन की परिकल्पना के साथ सभी प्रमुख नगरों में मेट्रो ट्रेन सेवा और बड़े फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है, जिससे पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सरल और आधुनिक बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्मार्ट सिटीज का निर्माण कर लोगों की नई पीढ़ी की जरूरतें पूरी की जा रही हैं। इन सभी प्रयासों से प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में विकास की नई धारा बहेगी और नागरिकों का जीवन और अधिक सुखद एवं सुरक्षित बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में शहरी विकास की योजनाओं का बेहतर ढंग से क्रियान्वयन हो रहा है। हमारा इंदौर लगातार 8 वर्षों से देश का सबसे स्वच्छ शहर है, हमारे अन्य प्रमुख शहर जैसे भोपाल, जबलपुर, उज्जैन और ग्वालियर भी डिजिटल सु-शासन, गतिशीलता और ईज ऑफ लिविंग को बढ़ावा देते हुए उत्कृष्ट शहरों के रूप में उभरे हैं। प्रदेश में अफोर्डेबल हॉउसिंग के अंतर्गत 8.56 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जिनमें से लगभग 7.75 लाख (82 प्रतिशत) आवास परिवार की महिलाओं या संयुक्त नाम से हैं। हमने लगभग 10 लाख नये घरों का निर्माण करने का लक्ष्य रखा है, जिस पर 50 हजार करोड़ का निवेश होना संभावित है। अमृत योजना 2.0 में सभी नगरीय निकायों को शामिल किया गया है। योजना के अंतर्गत जल आपूर्ति में 5869 करोड़ रुपये की 297 परियोजनाओं में से 3450 करोड़ रुपए की 224 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो चुके हैं। सीवरेज की 4932 करोड़ रूपये की 36 परियोजनाओं में से 1312 करोड़ रुपये की 04 परियोजनाओं के कार्य प्रारंभ हो गया है, इससे प्रदेश की लगभग 60 प्रतिशत शहरी आबादी लाभान्वित होगी। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों के संभावित विस्तार के दृष्टिगत हमारी सरकार द्वारा मध्यप्रदेश मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र नियोजन और विकास अधिनियम, 2025 को मंत्रि-परिषद से स्वीकृति भी मिल गई है। विकसित मध्यप्रदेश- 2047 के तहत प्रदेश का 2 ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य है, जिसमें शहरी क्षेत्रों की भागीदारी महत्वपूर्ण रहेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भोपाल में मेट्रो ट्रेन का काम तेजी से चल रहा है। इंदौर में मेट्रो का संचालन प्रारंभ हो चुका है। अक्टूबर 2025 में भोपाल के एक कॉरिडोर पर मेट्रो संचालित होने जा रही है। सिंहस्थ-2028 के पहले ऐसी अनेक सुविधाएं विकसित की जाएंगी, जिनसे श्रद्धालु आसानी से और कम समय में, कम ऊर्जा खर्च किए श्रद्धा स्थलों तक पहुँच सकेंगे। प्रदेश में जनसामान्य के जीवन, स्वास्थ्य, संपत्ति एवं पर्यावरण की रक्षा हेतु एक सुदृढ़, उत्तरदायी एवं वैज्ञानिक आधार पर संचालित अग्नि एवं आपातकालीन सेवा तंत्र की स्थापना की जा रही है। जन परिवहन को सुगम और व्यवस्था को सुदृढ़ करके की दिशा में हमारी सरकार ने नई ईवी पॉलिसी लागू की है।

समान नागरिक संहिता वक्त की जरूरत

● **एचसी ने कहा-यूसीसी टकराव रोक सकता है** ● **कहा-पर्सनल लॉ में बाल विवाह की परमीशन, लेकिन पॉक्सो में क्राइम**

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने की वकालत की। कोर्ट ने कहा कि पर्सनल लॉ बाल विवाह की परमीशन देता है, जबकि पॉक्सो एक्ट, बीएनएस में यही अपराध है। इन कानूनों के बीच बार-बार होने वाले टकराव को देखते हुए इसकी कानूनी रूप से स्पष्ट व्याख्या जरूरी है। जस्टिस अरुण मोंगा ने पूछा कि अक्सर हम इस दुविधा में आ जाते हैं कि क्या समाज को लंबे समय से चले आ रहे पर्सनल लॉ का पालन करने के लिए अपराधी बनाया जाना चाहिए। जस्टिस मोंगा ने कहा कि क्या अब यूसीसी की तरफ बढ़ने का समय नहीं आ गया है। जिसमें एक ऐसा ढांचा बनाया जाए, ताकि पर्सनल लॉ जैसे कानून राष्ट्रीय कानूनों पर हावी न हों। दिल्ली हाईकोर्ट की यह टिप्पणी नाबालिग लड़की से शादी करने के आरोपी हामिद रजा की जमानत याचिका से जुड़े केस की सुनवाई के दौरान सामने आई। हामिद पर आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो एक्ट के तहत आरोप है कि उसने नाबालिग लड़की से शादी की। रजा के खिलाफ एफआईआर लड़की के सौतेले पिता ने की थी। नाबालिग रजा की गिरफ्तारी से पहले उसके साथ रह रही थी।

हामिद के केस में फंस रहा है पेंच

इस्लामी पर्सनल लॉ किसी लड़की के यौवन शुरू होने पर शादी की परमीशन देता है। जिसे 15 साल माना जाता है, जबकि आईपीसी-बीएनएस और पॉक्सो एक्ट नाबालिगों की शादी या यौन संबंधों पर प्रतिबंध लगाते हैं। ये कानून धार्मिक रीति-रिवाजों की परवाह किए बिना ऐसी शादियों और रिश्तों को अपराध मानते हैं। कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कहा कि हामिद के केस में उसने जानबूझकर इस शादी की वैधता पर कोई फैसला देने से परहेज किया है। केस में कुछ विचलित करने वाले पॉइंट्स मिले। मसलन एफआईआर नाबालिग लड़की की मां ने दर्ज कराई थी।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 30 °c | न्यूनतम 25°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शनिवार, 27 सितंबर 2025

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

फ्रांस से डील का डर घुटनों पर आई अमेरिकी कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के स्वदेशी लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट तेजस फाइटर जेट प्रोजेक्ट को लंबे समय तक लटकाने के बाद अमेरिकी कंपनी जेनरल इलेक्ट्रिक (जीई) ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) को धड़ाधड़ इसकी इंजन की सप्लाई शुरू कर दी है और भविष्य में इसमें और तेजी लाने का भरोसा भी दिया है। एचएएल की ओर से यह खुलासा तब किया गया, जब एक अमेरिकी मीडिया ने यह रिपोर्ट दी कि जीई

की ढिलाई की वजह से भारत अपने अन्य स्वदेशी फाइटर जेट प्रोजेक्ट के लिए फ्रांस की जेट इंजन बनाने वाली कंपनी सफ्रान एसए से बातचीत कर रहा है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के चेयरमैन और एमडी डॉ. डीके सुनील ने न्यूज एजेंसी एएनआई से कहा है वह (जीई) अब अपनी सप्लाई चेन को ठीक कर रहे हैं। मूल समस्या दूर हो गई है और अब उत्पादन तेजी से होगा। कंपनी ने अगले साल हमें 20 इंजन देने का वादा किया है। उन्होंने साफ किया है कि अब तो जीई इंजन को लेकर लगातार जानकारी दे रही है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि संवाद बेहतर हुआ है और हमें विश्वास है कि वे अब इसे और बेहतर करने में सक्षम होंगे।

ट्रम्प ने अब ब्रांडेड दवाओं पर लगाया 100 फीसदी टैरिफ

1 अक्टूबर से लागू होगा, अमेरिका को 30 फीसदी दवाएं एक्सपोर्ट करता है भारत

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी प्रेसीडेंट डोनाल्ड ट्रम्प ने ब्रांडेड या पेटेंटेड दवाई पर 100 फीसदी टैरिफ लगाने का ऐलान किया है। ये टैरिफ 1 अक्टूबर 2025 से लागू होगा। यह टैक्स उन कंपनियों पर नहीं लगेगा जो अमेरिका में ही दवा बनाने के लिए अपना प्लांट लगा रही हैं। भारत पर अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले ही 50 फीसदी टैरिफ लगाया है। ये टैरिफ 27 अगस्त से लागू हो चुका है। कपड़े, जेम्स-ज्वेलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स का एक्सपोर्ट इससे महंगा हो गया है। हालांकि दवाओं को इस टैरिफ से बाहर रखा गया था। ट्रम्प ने कहा- 1 अक्टूबर से हम ब्रांडेड या

पेटेंटेड दवाई पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे, सिवाय उन कंपनियों के जो अमेरिका में अपना दवा बनाने वाला प्लांट लगा रही हैं। 'लगा रही हैं' का मतलब होगा कंस्ट्रक्शन चल रहा है। इसलिए, अगर कंस्ट्रक्शन शुरू हो गया है, तो उन दवाइयों पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। जियोजित इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के चीफ इनवेस्टमेंट स्ट्रैटजिस्ट वीके विजयकुमार ने कहा- भारत, जो जेनेरिक दवाओं का एक्सपोर्टर है, उसे इससे ज्यादा असर नहीं होगा। लेकिन हो सकता है कि प्रेसीडेंट का अगला निशाना जेनेरिक दवाएं हों। इस फैसले का फार्मास्युटिकल स्टॉक्स पर भावनात्मक असर पड़ सकता है। भारत जेनेरिक दवाइयां अमेरिका को एक्सपोर्ट करने वाला सबसे बड़ा देश है। 2024 में भारत ने अमेरिका को लगभग 8.73 अरब डॉलर की दवाइयां भेजी थीं।

किसान की कर्जमाफी की मांग पर भड़क गए पवार

● महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम बोले-इसे ही सीएम बना दो

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार गुरुवार को मराठवाड़ा के धाराशिव में बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा करने पहुंचे थे। यहां पर उनका किसानों से बातचीत का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे कर्ज माफी की मांग पर गुस्सा करते नजर आ रहे हैं। जब एक किसान ने कर्ज माफी की मांग की तो डिप्टी सीएम ने गुस्से में कहा- इसे

मुख्यमंत्री बना दो! क्या तुम्हें लगता है कि हम कंचे खेलने आए हैं। मैंने सुबह 6 बजे करमाला से अपना दिन शुरू किया। आप सिर्फ काम करने वालों की आलोचना करते हैं। हमने अपनी प्यारी बहनों की बहुत मदद की है। हम सालाना 45,000 करोड़ की मदद दे रहे हैं। किसानों के बिजली के बिल माफ किए हैं और उसके लिए 20,000 करोड़ दिए हैं।

अब यादों में रहेगा

दुश्मनों का दिल दहलाने वाला मिग-21

● चंडीगढ़ में भरी आखिरी उड़ान, एयरफोर्स चीफ ने की सवारी ● 62 साल बाद रिटायर हुआ, 1965, 1971 और कारगिल जंग में शामिल रहा

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना की 'रीढ़' कहा जाने वाला मिग-21 एयरक्राफ्ट शुक्रवार को रिटायर हो गया। चंडीगढ़ एयरबेस में फाइटर जेट को विदाई दी गई। आज से विमान की सेवाएं आधिकारिक तौर पर खत्म हो गई हैं। विदाई समारोह में एयरफोर्स चीफ एपी सिंह ने 23 स्क्वाड्रन के 6 जेट के साथ आखिरी उड़ान भरी। स्क्वाड्रन लीडर प्रिया शर्मा ने भी फ्लाईपास्ट में हिस्सा लिया। 1963 में एयरक्राफ्ट चंडीगढ़ में ही वायुसेना में शामिल हुआ था। 62 साल की सर्विस के दौरान मिग-21 ने 1965 के भारत-पाक युद्ध, 1971 के बांग्लादेश मुक्ति संग्राम, 1999 के कारगिल युद्ध और 2019 के बालाकोट एयर स्ट्राइक में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह भारत का पहला सुपरसोनिक जेट था यानी ये आवाज की गति (332 मीटर प्रति सेकेंड) से तेज उड़ सकता है।

अब इसकी जगह तेजस एलसीए मार्क 1ए को शामिल किया जाएगा। मिग-21 के रिटायरमेंट समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, तीनों सेनाओं के प्रमुख समेत रक्षा मंत्रालय के कई अधिकारी शामिल हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, लंबे समय से मिग-21 अनेक वीरतापूर्ण कार्यों का साक्षी रहा है।

रक्षामंत्री बोले-

मिग-21 से हमारे साथ काफी यादें जुड़ी हैं

आपकी वीरता की जो यह यात्रा रही है इसमें मिग-21 का भी योगदान रहा है। आज हम सब इसको विदाई दे रहे हैं। मेरे मन में गौरव और कृतज्ञता की भावना भी है। हम एक ऐसे अध्याय को विदाई दे रहे हैं, जिससे काफी यादें जुड़ी हैं। यह एक मशीन भर नहीं है बल्कि भारत रूस की मित्रता की मिसाल है। मिग ने कई गौरव के पल जोड़े हैं। भारत में 850 मिग रहे हैं। अभी आप लोगों ने देखा कि फाइनल फ्लाई पास्ट को खुद लीड किया। यह उसके प्रति सम्मान दर्शाता है।

बंगाल में ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण करे

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता दौरे पर पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को यहां उत्तर कोलकाता के प्रसिद्ध संतोष मित्रा स्क्वायर के पूजा पंडाल का उद्घाटन किया, जिन्होंने ऑपरेशन सिंदूर की थीम पर इस बार अपना पंडाल बनाया है। इस अवसर पर अपने संक्षिप्त संबोधन में शाह ने कहा कि मैंने मां दुर्गा से प्रार्थना की है कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद बंगाल में एक ऐसी सरकार बने जो सोनार बांग्ला का निर्माण कर पाए।हमारा बंगाल बंगाल का गौरव वापस लौटे और कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर के कल्पना का बंगाल का हम निर्माण कर पाए। शाह ने दुर्गा पूजा की शुरुआत में कोलकाता व आसपास के जिलों में भारी बारिश से हुई तबाही व बिजली के करंट से मारे गए 10 से अधिक लोगों के प्रति भी अपनी संवेदना व्यक्त की।

महाराष्ट्र-ओडिशा और केरल में लौटते मानसून से भारी बारिश

● तिरुवनंतपुरम में स्कूल-कॉलेज बंद, हैदराबाद में खराब मौसम से 3 फ्लाइट डायवर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के राज्यों से लौट रहा मानसून इन दिनों दक्षिणी राज्यों में ऐक्टिव है। मौसम विभाग ने महाराष्ट्र, ओडिशा, केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पाथनमथिट्टा, अलप्पुझा, कोट्टायम, इडुक्की और एर्नाकुलम के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। तिरुवनंतपुरम में स्कूल-कॉलेज बंद हैं। हैदराबाद में खराब मौसम के कारण 3 फ्लाइट डायवर्ट करनी पड़ीं। तमिलनाडु के

कन्याकुमारी में भी भारी बारिश के कारण स्कूल-कॉलेज बंद रखे गए हैं। बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर सिस्टम से 28 सितंबर तक महाराष्ट्र और ओडिशा के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। ओडिशा में 18 जिले हाई अलर्ट पर हैं। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली में मानसून विदा हो चुका है।

गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों से अभी मानसून बाकी है। मध्यप्रदेश से अगले 48 घंटों में मानसून सीजन खत्म हो सकता है। मानसून के महाराष्ट्र से 5 अक्टूबर से पहले लौटने की उम्मीद नहीं है।

20 खंभों में था करंट, कई जगह कटे थे तार

जबलपुर में अवैध बिजली से रोशन था पंडाल, दिखावे का टीसी कनेक्शन, विद्युत सुरक्षा की 25 टीम तैनात

जबलपुर (नप्र)। जबलपुर में दुर्गोत्सव के दौरान पंडालों में विद्युत साज-सज्जा के चलते पिछले चार दिन में दो बच्चों सहित तीन की मौत हो चुकी है। आयोजकों ने टीसी कनेक्शन तो लिए हैं, पर यह दिखावे के हैं। असल में चोरी की बिजली से पंडाल रोशन किए जा रहे हैं। इतना ही नहीं, लोहे के पाइप पर लगी झालरों को जलाने के लिए कई

चार दिन में दो बच्चों सहित तीन की मौत

जगह से कनेक्शन दिए हैं, जहां तारों पर टेप भी नहीं लपेटा गया। ये नंगे तार ही बरगी हिल्स की पीएचई कॉलोनी में सजी झांकी में बच्चों की मौत का कारण बने।

झांकी के सामने विद्युत साज-सज्जा की गई है। सड़क पर लोहे के पाइप लगाकर झालर लटकाई गई हैं। इनमें से एक खंभे को छूने पर 8 वर्षीय आयुष झारिया और 10 वर्षीय वेद श्रीवास को करंट लगा और उनकी मौत हो गई। यहां सिर्फ एक खंभे में करंट नहीं था, बल्कि 20 खंभों में दौड़ रहा था। दरअसल, कनेक्शन करने वाले ने खुले तार छोड़ दिए थे, जो बारिश और हवा के चलते खंभों से टकरा गए और करंट फैल गया।

20 खंभों में दौड़ रहा था करंट

बरगी हिल्स में सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति 10 साल से दुर्गा प्रतिमा की स्थापना कर रही है। यहां देखा कि झांकी और सड़क पर विद्युत साज-सज्जा करने वाले कर्मचारी और डेकोरेटर ने खुले तारों को टेप से बंद करने की बजाय चुनरी से बांध दिया था। जिस कारण बायर लोहे के पाइप (खंभे) से टच हो रहे थे और सड़क के दोनों ओर 20 खंभों में करंट था। समिति ने टीसी कनेक्शन तो लिया था पर तीन अवैध कनेक्शन से लाइट और हेलोजन जलाई जा रही थीं।

बरेली में 'आई लव मोहम्मद' विवाद पर बवाल

● जुमे की नमाज के बाद सड़क पर उतरी भीड़, की नारेबाजी ● पथराव, पुलिस का लाठीचार्ज और आंसू गैस के गोले दागे

बरेली (एजेंसी)। बरेली में जुमे पर 'आई लव मोहम्मद' विवाद को लेकर बवाल हो गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया। लोगों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। इससे भगदड़ मच गई। दरअसल, मौलाना तौकीर रजा ने मुस्लिमों से इस्लामिया ग्राउंड में प्रदर्शन करने की अपील की थी। जुमे की नमाज के बाद भीड़ सड़क पर उतर आई और जबरन इस्लामिया मैदान में जाने की जिद पर अड़ गई।

पुलिस ने रोक लिया। इस पर भीड़ ने धार्मिक नारे लगाए। थोड़ी देर में पथराव शुरू हो गया। पुलिस ने हालात पर काबू पाने के लिए लाठीचार्ज किया।

आंसू गैस के गोले दागे। शहमत गंज में भीड़ सड़क पर उतर आई थी। इसके चलते पुलिस ने बाजार बंद कराए

फिलहाल, पुलिस ने मौलाना तौकीर रजा को हिरासत में ले लिया है। पूरे बरेली में फोर्स मार्च कर रही है। अधिकारी लोगों को घरों में रहने की हिदायत दे रहे। आसपास के जिलों से फोर्स बढ़ा दी गई है। मौलाना तौकीर रजा इत्तेहाद-ए-मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष है। इन पर 2010 में बरेली में दंगा करवाने का भी आरोप है। मामला अभी कोर्ट में है। शुक्रवार को नमाज खत्म होने के बाद बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और नारेबाजी करते हुए खलील तिराहा पहुंचे। जब इन लोगों ने इस्लामिया की ओर जाने का प्रयास किया, तो मौके पर मौजूद पुलिस बल ने उन्हें बैरिकेडिंग लगाकर रोक दिया। पुलिस के रोकने पर भीड़ हिंसक हो गई और उन्होंने पुलिस पर पथराव शुरू कर दिया।

लद्दाख हिंसा के बाद सोनम वांगचुक गिरफ्तार

डीजीपी जामवाल की अगुवाई वाली पुलिस ने की कार्रवाई

लेह (एजेंसी)। जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को लद्दाख पुलिस ने शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। लेह में राज्य का दर्जा और इस क्षेत्र को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने की मांग को लेकर हुए विरोध प्रदर्शनों के दौरान भड़की हिंसा में चार लोगों की मौत हो गई थी। हालांकि, वांगचुक पर लगाए गए आरोपों का अभी पता नहीं चला है। सरकार ने हिंसक विरोध प्रदर्शनों के लिए

वांगचुक को जिम्मेदार ठहराया है और आरोप लगाया है कि कार्यकर्ता ने नेपाल के जेनरेशन जेड विरोध और अरब स्प्रिंग-शैली के विरोध जैसे संदर्भों का इस्तेमाल करके युवाओं को भड़काया। डीजीपी एसडी सिंह जामवाल के नेतृत्व में जलवायु कार्यकर्ता की गिरफ्तारी केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से उनके स्टूडेंट्स एजुकेशनल एंड कल्चरल मूवमेंट ऑफ लद्दाख का एनजीए लाइसेंस रद्द करने के एक दिन बाद हुई।

लेह के सभी स्कूल-कॉलेज हैं बंद, अभी कर्फ्यू जारी

जिला मजिस्ट्रेट रोमिल सिंह डोंक ने लेह के सभी स्कूलों, कॉलेजों और आंगनवाड़ी केंद्रों को दो दिनों के लिए बंद करने का आदेश दिया है। कारगिल में भी निषेधाज्ञा लागू है। जहां भारी सुरक्षा बल तैनात हैं। हालांकि, कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस (केडीए) की ओर से बुलाए एक दिन के बंद के बाद शुक्रवार को दुकानें और व्यावसायिक प्रतिष्ठान फिर से खुल गए। इससे पहले लद्दाख में हाल में हुई हिंसक घटनाओं के बीच केंद्र सरकार ने जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की संस्था का विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) लाइसेंस तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया था।

प्राइवेट नौकरी में आरक्षण की ओर बढ़ रहे राहुल गांधी!

ईबीसी संकल्प 2029 की तैयारियों की शुरुआत तो नहीं

पटना (एजेंसी)। 11 साल से केंद्र की सत्ता से बाहर कांग्रेस के नेता राहुल गांधी दलित और पिछड़ों की राजनीति के दम पर पार्टी में जान फूंकने की कोशिश लगातार कर रहे हैं। पटना में कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक के

बाद बुधवार को राहुल ने राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी महागठबंधन के नेताओं के साथ अति पिछड़ी जातियों (ईबीसी) के लिए 10 वादों का एक संकल्प जारी किया। अति पिछड़े बिहार में मुख्यमंत्री नीतिश कुमार के कोर वोटर माने जाते हैं। इन संकल्पों से संकेत मिल रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) से लगातार मात खा रहे राहुल गांधी 2029 के लोकसभा चुनाव में प्राइवेट सेक्टर की नौकरियों में आरक्षण का एजेंडा आजमाने की तरफ बढ़ रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष का इसी साल कर्नाटक में दिया एक बयान भी प्राइवेट सेक्टर की ओर इशारा करता है।

गरबा पंडालों में लव जिहाद के प्रति जागरूकता वाले पोस्टर लगाए गए

कई पंडालों में झांकियों से हिंदू युवतियों को सचेत रहने की सलाह

इंदौर। इंदौर सहित प्रदेश भर में लव जिहाद के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस इस नवरात्रि में इंदौर के गरबा पंडालों में युवतियों व महिलाओं को जागरूक करने के लिए विशेष मुहिम चलाई जा रही है। शहर के दो गरबा पंडालों में लव जिहाद के प्रति जागरूकता के लिए पोस्टर लगाए गए तो वही झांकियां भी बनाई गई। गरबा पंडालों मे लव जिहाद का कातिल आशियाना थीम पर पोस्टर, स्लोगन व माध्यम से युवतियों को जागरूक करने का प्रयास किया रहा है। झांकियों में दर्शाया गया है किस तरह साजिश रचकर बालिकाओं व युवतियों को फंसाने की घटनाओं को अंजाम दिया जाता है। लाड़काना नगर में तो गरबा पंडाल सहित कॉलोनी व मार्गो पर इस तरह की जागरूकता के लिए 200 पोस्टर लगाए गए। वही द्वारकापुरी में लव जिहाद के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक अनोखा पंडाल बनाया गया है। इंदौर के लाड़काना कॉलोनी में 31 फीट ऊंची बंगाली प्रतिमा विराजित की गई है और यहां पर लव जिहाद के प्रति जागरूकता के विशेष पोस्टर लगाए हैं। संस्था शिव दृष्टि के आयोजक पृथ्वी चंदन शिव ने बताया कि हिंदुओं को सांख्यिक दृष्टि से कमजोर कर धार्मिक और सांस्कृतिक अस्मिता के विरुद्ध षड्यंत्र लव जिहाद किया जा रहा है। इसके विरुद्ध मातृशक्ति को जागृत करने के लिए इस क्षेत्र में पोस्टर लगाए गए हैं।

बेटी बचाओ जिहादियों से– पोस्टर पर लिखा है कि %बेटी बचाओ जिहादियों से ... पंडाल में गैर हिंदुओं का प्रवेश निषेध के पोस्टर भी लगाए है। इसके अलावा जिहादी मानसिकता से बेटी बचाओ जैसे कई स्लोगन भी लिखे गए हैं। संस्था द्वारा रविवार को 251 कन्या पूजन के दौरान लव जिहाद पर आधारित झांकी सजाई जाएगी। द्वारकापुरी में लव जिहाद के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से एक अनोखा पंडाल बनाया गया। संयोजक आनंद कंधारी ने बताया इसका मुख्य उद्देश्य हिंदू लड़कियों को लव जिहाद के बारे में जागरूक करना और उन्हें इस खतरे से बचाना है। अक्सर गरबा पांडाल व सार्वजनिक स्थानों पर कई मामलों में मुस्लिम लड़के हिंदू नाम रखकर लड़कियों को अपने जाल में फंसाते हैं। मोनू और अनु जैसे नामों को बताकर अक्सर मोहम्मद और अनवर जैसे असली नामों को छिपाने के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं। **लव जिहाद का कातिल आशियाना–** युवतियों को फंसाने के बाद उनका यौन शोषण और मानसिक शोषण किया जाता है और फिर उनकी हत्या कर दी जाती है। इस वजह से हमने पांडाल में 'लव जिहाद का कातिल आशियाना' नाम से एक प्रदर्शनी बनाई है। जैसा कि दिल्ली के श्रद्धा वॉल्कर मामले में हुआ था। पंडाल में एक रेफ्रिजरेटर में श्रद्धा की हत्या का एक मॉडल भी प्रदर्शित किया है। श्रद्धा के 35 टुकड़े करके फ्रिज में रखे गए थे। वहीं, इंदौर में हुई घटनाओं का भी जिक्र करते हुए बताया कि मोहसिन खान नाम का एक व्यक्ति शूटिंग एकेडमी चलाता था। **पोस्टर में कई घटनाओं का उल्लेख –** इसके गिरोह में 40 हिंदू युवतियां शामिल थीं, जिन्हें लव जिहाद के जाल में फंसाया गया था। गौरतलब है कि इंदौर में पार्षद अनवर कादरी और एक छंगूर बा पर भी मुस्लिम लड़कों को हिंदू लड़कियों से शादी करने के लिए पैसे देने का आरोप लगा था। कंधारी के मुताबिक हमने मॉडल व पोस्टर के माध्यम से बताया है कि इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए जिम में ट्रेनिंग के माध्यम से और नौकरी का झांसा देकर लड़कियों को फंसाने जैसे नए तरीकों का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। **मालवा निमाड़ में 283 मामले –** मध्य प्रदेश विधानसभा में हाल ही में पेश की गई रिपोर्ट में यह सामने आया कि मालवा-निमाड़ अंचल में सर्वाधिक हिन्दू लड़कियां लव जिहाद का शिकार हुई हैं। लव जिहाद के 283 मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें से 73 नाबालिग हैं।

बेड टच करने वाले को पुलिस ने सुधारा

इंदौर। सुनसान स्थानों से जा रही छात्रा को बेड टच करने वाले बदमाश को भंवरकुआं पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी इसके पहले भी छात्रा से हरकत कर चुका है। पीड़ित छात्रा ने बताया कि 24 सितम्बर को बताया कि वह अपने कालेज की क्लास समाप्त होने के पश्चात पैदल कालेज की पार्किंग तरफ जा रही थी। तभी अज्ञात मोटरसाइकिल सवार ने पता पूछने के बहाने छात्रा को बेड टच किया और भाग निकला। मामले में पीड़िता की ?शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाश पर धारा 75 का केस दर्ज किया था। भंवरकुआ थाना प्रभारी राजकुमार यादव ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर जांच की तो पता चला कि आरोपी 23 अगस्त को भी छात्रा के साथ ऐसी हरकत कर चुका है। शिकायत के बाद आरोपी को पकड़ने टीम गठित की गई थी। टीम ने घटनास्थल और आसपास के स्थानों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगाले। फुटेज के आधार पर हरिओम बिरला निवासी गणेश नगर खंडवा रोड को पकड़ा। पुलिस आरोपी से अन्य वारदातों को लेकर कड़ाई से पूछताछ की जा रही है।

नाबालिग ने कार से महिला का पर्स चुराया

इंदौर। परिवार के साथ कैफे पर आई महिला का पर्स चुराने वाले नाबालिग बदमाश को भंवरकुआ पुलिस ने पकड़ लिया है। फरियादी ने बताया कि 23 सितम्बर की शाम 4 बजे मैकडोनाल्डो कैफे पर परिवार के साथ आए थे। पत्नी ने कार में अपना पर्स छोड़ दिया था। पर्स में सोने की चेन, सोने की अगूँठी, दो जोड़ नाक की बाली, दो जोड़ बिछिया और कागजात और दो लाख रुपए रखे थे। जब फरियादी कैफे से लौटकर वापस कार तक आए तो उसमें पर्स नहीं मिला। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात बदमाश पर केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने थाना क्षेत्र से नाबालिग को पकड़ा और उससे सामग्री जब्त की।

तीन तस्कर मादक पदार्थ के साथ धराए

इंदौर। नशे से दूरी है जरूरी अभियान को तस्कर धता बता रहे हैं। क्राइम ब्रांच और बाणगंगा पुलिस ने लाखों के मादक पदार्थ के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। क्राइम ब्रांच ने रेलवे कॉलोनी के सामने एमआर 4 रोड से कीर्ति ओसवाल निवासी चंदननगर तथा महेंद्र उर्फ शिवा निवासी चंदननगर को 12.90 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ पकड़ा। जब्त ब्राउन शुगर की कीमत एक लाख 30 हजार रुपए है। इसी प्रकार, बाणगंगा पुलिस ने भागीरथपुरा से वसीम पिता इस्माइल उर्फ पूनाजी खान निवासी ग्राम देवलजी जिला प्रतापगढ़ को एमडी ड्रग्स के साथ पकड़ा। वह प्रतापगढ़ से मादक पदार्थ लेकर इंदौर में युवाओ को सप्लाय करता था।

गुंडे सलमान लाला के दो गुर्गे पकड़ाए

इंदौर। पुलिस से बचने सीहोर स्थित तालाब में डूबने से पिछले दिनों एमआईजी थाना क्षेत्र के कुख्यात गुंडे सलमान लाला की मौत हो गई थी। उसकी मौत के बाद गुर्गों ने जमकर सोशल मीडिया पर कई तरह की रीलें वायरल की थी। इंस्टाग्राम पर भी मैसेज फारवर्ड किए थे। इसके बाद क्राइम ब्रांच ने 30 से अधिक गुर्गों की आईडी चेक कर उनके खिलाफ केस दर्ज किया था। इसी क्रम में पुलिस ने लाला के दो गुर्गों को आकाश वर्डे निवासी नेहरू नगर तथा हनी उर्फ श्रीराग निवासी नेहरू नगर को धारा 223, 43, 66 आईटी एक्ट में गिरफ्तार किया है। पूछताछ में बदमाशों ने बताया कि इंस्टाग्राम आईडी उनकी पूर्व परिचित फरियादी की है, जिसका आईडी और पासवर्ड चुराकर उसके पोस्ट डिलीट करने के उपरांत फॉलोअर बढ़ाने तथा जल्द रुपए कमाने की मंशा से रील बनाई थी।

सायलेंसरों पर कार्रवाई 5 दर्जन पर बुलडोजर

इंदौर। बाइक चालक अपने वाहनों ने पटाखा की आवाज वाले और मोडिफाइड सायलेंसर का उपयोग करते हैं। कई बार इन सायलेंसरों की कर्कश ध्वनि से वाहन चालक को परेशानी आती है। कुछ माह पूर्व 700 से अधिक मॉडिफाइड साइलेंसर को बुलडोजर की मदद से नष्ट किया गया था। लगातार हुई इस कार्रवाई से कई चालकों ने वाहनों में लगे मॉडिफाइड साइलेंसर निकाल दिए थे। इसी क्रम में एक बार फिर पुलिस ने मुहिम शुरू की है। कनाड़िया थाना प्रभारी सहर्ष यादव ने बताया कि थाना क्षेत्र में कई वाहनों में मोडिफाइड सायलेंसर लगे होने की जानकारी मिली थी। इसके बाद टीम गठित कर थाना क्षेत्र के विभिन्न मार्गों पर तैनात किया गया। टीम ने 5 दर्जन से अधिक मोडिफाइड सायलेंसरों को जब्त कर उन्हें नष्ट किया।

छात्रों के पैसे एमपी ऑनलाइन दुकान के संचालक ने ठग लिए

● उसने फीस के पैसे रख लिए और टालमटोल करता रहा

इंदौर। भंवरकुआं पुलिस ने एक छात्र की शिकायत पर 'एमपी ऑनलाइन' दुकान संचालित करने वाले संचालक के खिलाफ ठगी का केस दर्ज किया गया। आरोपी संचालक ने कई छात्रों से ऑनलाइन फीस जमा करने के लिए रुपए लेकर अपने पास रखे। रुपए लेने के बाद भी उसने छात्रों की फीस जमा नहीं की। भंवरकुआं पुलिस ने बताया कि जितेन्द्र पुत्र माधव मोरे निवासी राम नगर की शिकायत पर पुलिस ने शुभम पिता महेश राठौर के खिलाफ ठगी का केस दर्ज किया है। जितेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह एलएलबी सेकंड ईयर का स्टूडेंट है। शुभम एमपी ऑनलाइन की दुकान संचालित करता है। 4 अगस्त को उसे ऑनलाइन फीस जमा करने के लिए कहा गया था। उसे रुपए भी दे दिए थे, लेकिन शुभम ने 27 हजार 5 सौ रुपए फीस जमा नहीं की। जितेन्द्र ने बताया कि रुपए देने के दो दिन बाद वह शुभम के पास गया था। तब उसने पेमेंट ऑनलाइन रिजेक्ट होने की बात कही थी। इसके बाद वह लगातार टालता रहा। जितेन्द्र ने जब जानकारी निकाली तो पता चला कि शुभम ने और भी ऐसे ही कई छात्रों से रुपए लेकर फीस जमा नहीं की है। पुलिस ने जांच की तो यश भावसार निवासी गंगा अपार्टमेंट, ईशू पटेल निवासी गणेश नगर सहित अन्य और भी छात्रों से रुपए लेकर शुभम द्वारा अपने पास रखने की बात सामने आई। इसके बाद पुलिस ने मामले में मामला दर्ज कर कार्रवाई की है।

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ने पुलिस वर्दी में डांस किया, मुश्किल में फंसा

क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू की, नियम उल्लंघन पर कार्रवाई होगी

इंदौर। सोशल मीडिया इन्फ्लूएंसर श्याम पांडे उर्फ 'इंदौरी गोविंदा' अपने ही कारनामे में फंस गए। पुलिस वर्दी में उनका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया। वीडियो में इन्फ्लूएंसर मध्य प्रदेश पुलिस की वर्दी पहने नजर आए। क्राइम ब्रांच ने मामले की जांच शुरू कर दी। यदि नियमों का उल्लंघन पाया गया तो कानूनी कार्रवाई होगी। सोशल मीडिया मॉनिटरिंग सेल और मीडिया के माध्यम से यह वीडियो पुलिस के संज्ञान में आया। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया, वीडियो की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर कोई व्यक्ति पुलिस की वर्दी या मोनो का उपयोग करता है, तो उसके उद्देश्य, अनुमति और अन्य तथ्यों की पुष्टि की जाती है। नियमों

का उल्लंघन होने पर सख्त कार्रवाई होगी। दंडोतिया ने स्पष्ट किया कि पुलिस वर्दी का अनधिकृत उपयोग गंभीर अपराध है, जो जनता में भ्रम पैदा कर सकता है। **सफाई दी कि 'मैं कलाकार हूं' –** वीडियो वायरल होने के बाद इंदौरी गोविंदा ने सफाई दी। उन्होंने एक अन्य वीडियो जारी कर कहा कि मैं एक कलाकार हूं. यह वीडियो एक शूटिंग के दौरान बनाया गया था। मेरा इरादा पुलिस का अपमान करना नहीं था। इन्फ्लूएंसर के इंस्टाग्राम अकाउंट पर यह रील पोस्ट की, जहां उनके 1 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। उन्होंने पुलिस वर्दी में डांस करते हुए वीडियो शेयर किया, जो तेजी से वायरल हो गया। **मामले की पुलिस जांच–** पुलिस के मुताबिक, जांच में वीडियो की लोकेशन, अनुमति और उद्देश्य की पड़ताल की जा रही है। इंदौर पुलिस कमिश्नर ने भी मामले पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं। सोशल मीडिया पर यूजर्स ने मिली-जुली प्रतिक्रियाएं दीं। कुछ ने इन्फ्लूएंसर का समर्थन किया, तो कई ने वर्दी के दुरुपयोग पर सवाल उठाए।

रंगवासा जमीन मामले में प्रशासन की अपील हाईकोर्ट में खारिज हुई

स्वामित्व को लेकर लंबा विवाद, मामले में प्रशासनिक देरी हुई

इंदौर। राऊ तहसील के रंगवासा गांव में लगभग 500 करोड़ रुपए मूल्य की भूमि को लेकर लंबे समय से चल रहे विवाद में हाईकोर्ट ने अहम आदेश दिया। यह मामला भू-स्वामी अधिकार, बिक्री अनुमति और वसीयत से जुड़ा है, जिसमें राज्य सरकार और निजी पक्ष आमने-सामने हैं। हाईकोर्ट ने आदेश में स्पष्ट किया कि जिन भू-स्वामियों के पास पहले से अधिकार मौजूद हैं, उन्हें सेक्शन 165(7-बी) के तहत राज्य सरकार से अनुमति लेने की आवश्यकता नहीं है। न्यायालय ने यह भी कहा कि यह प्रावधान केवल उन भू-स्वामियों पर लागू होता है, जिन्होंने बाद में अधिकार प्राप्त किए। अपीलकर्ताओं ने अपनी भूमि बेचकर अधिक उपजाऊ भूमि खरीदने के लिए सेल डीड का उपयोग किया था। प्रारंभिक स्तर पर कलेक्टर और उप-आयुक्त ने बिक्री की अनुमति अस्वीकार कर दी थी, लेकिन अपील में इसे मंजूरी मिल गई। कानूनी विशेषज्ञों का मानना है कि इस निर्णय से जमीन के वास्तविक मालिकों को लाभ होगा और लंबे समय से अटकी संपत्ति का उचित मूल्यांकन संभव होगा। राज्य सरकार ने इस फैसले के खिलाफ पुनः अपील दाखिल की है, जबकि खरीदार पक्ष ने आदेश का स्वागत किया है। मामले में प्रशासनिक देरी भी सामने आई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार अपर कलेक्टर रोशन राय ने फाइल लगभग 6 माह तक रोक रखी थी। जबकि तहसीलदार ने चार माह पहले ही इसे निरस्त करने के लिए अग्रेषित किया था। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस देरी ने विवाद की जटिलता बढ़ा दी। **प्रशासन ने जमीन मुक्त करवाई–** कलेक्टर आशीष सिंह के निर्देश पर नायब तहसीलदार अशोक परमार ने इस भूमि को भू-माफियाओं के कब्जे से मुक्त कराया। यह भूमि पहले शासन द्वारा निर्धन पट्टाधारियों को आवंटित की गई थी, जिसे भू-माफियाओं ने फर्जी दस्तावेजों के जरिए कब्जा करने का प्रयास किया। नामांतरण आवेदन को निरस्त कर शासन की संपत्ति संरक्षित की गई। निरीक्षण में पाया गया कि भूमि पर दो साल से अवैध कॉलोनी का विकास कार्य चल रहा था। बाउंड्री वॉल, पौधे और तालाब पाटने जैसी अवैध गतिविधियां हुई, लेकिन अब तक कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई।

फर्जी बंटवारा और राजस्व हानि– भूमि का फर्जी बंटवारा वर्ष 2003 में किया गया था, जिसके कारण भू-माफियाओं ने लगभग 300 करोड़ की भूमि बेची। यह भू-राजस्व संहिता की धारा 165(7 ख) और रजिस्ट्रीकरण एक्ट के उल्लंघन में किया गया। संस्था पंजीकृत थी या नहीं, यह भी स्पष्ट नहीं। अधिकारियों को ईओडब्ल्यू और कलेक्टर को शिकायत की गई, जिसमें अवैध कॉलोनी और फर्जी बंटवारे को रोकने तथा दोषियों पर आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की गई है।

नकली सोना रखकर प्राइवेट बैंक से लिया 21 लाख लोन

ऑडिट में खुलासा, केस दर्ज, ज्वेलर्स की धोखाधड़ी

इंदौर। शहर में गोल्ड लोन देने वाली बैंक के साथ बड़ी धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। यहां सोने की गुणवत्ता जांचने नियुक्त किए गए ज्वेलर्स ने ही अन्य साथियों के साथ मिलकर नकली सोना गिरवी रखवाकर लाखों रुपए का लोन ले लिया। संयोगितागंज पुलिस ने उज्जीवन स्माल फाइनेंस बैंक लिमिटेड जावरा कंपाउंड के कर्मचारी प्रतिनिधि दिनेश कुमार सेन की शिकायत पर अमित पिता हरिशंकर शाक्य निवासी शांति नगर छोटा बांगड़दा, पारसनाथ पिता रामनाथ वाजपेयी निवासी विजयनगर, संजय पिता दिलीप सोनी निवासी उमंग पार्क और सुरेंद्र पिता कांतीलाल जैन निवासी स्वामी विवेकानंद नगर पर केस दर्ज किया है। देती है। गोल्ड की शुद्धता की जांच अधिकृत ज्वेलर्स करता है। आरोपी संजय इस काम की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। आरोप है कि जुलाई-अगस्त में आरोपियों ने गोल्ड लोन के 5 आवेदन किए और नकली सोना गिरवी रखकर कुल 21 लाख 62 हजार रुपए का लोन हासिल कर लिया। सितंबर में बैंक का ऑडिट हुआ, तब इस पूरे घोटाले का खुलासा हुआ। मामले में पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। आरोपियों के पकड़ाने के बाद ही पता चल सकेगा कि वह नकली सोना कहां से लाए थे।

चार बदमाश जिला बदर, 6 थाना हाजिर देंगे

इंदौर। आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्वक मनाने पुलिस ने अभी से तैयारियां शुरू कर दी। चार कुख्यात बदमाशों को जिला बदर और 6 बदमाशों को थाना हाजिर का आदेश दिया। पुलिस ने सुनिल उर्फ भूरी पिता गजानंद बडोदे निवासी चोइथराम नेत्रालय के सामने, रितिक उर्फ भाऊ पिता लड्डू वर्मा निवासी गोमा की फेल, बृजमोहन उर्फ टीटी पिता सुमेर सिंह दांगी निवासी फूल सिंह माली का मकान शिवकंठ कॉलोनी तथा गौरव पिता राकेश जोशी निवासी भोलाराम उस्ताद मार्ग को छह-छह माह के लिए जिला बदर किया। जबकि, बदमाश अजय उर्फ अज्जू पिता स्व. कमल राठौर निवासी भवानी नगर थाना बाणगंगा को एक साल, जयेश पिता अशोक भाट निवासी आलापुरा भाट मोहल्ला को एक साल, हर्ष पिता मुकेश मरमट निवासी नेहरू नगर को छह माह, ऋतिक उर्फ अभय पिता गजेंद्र सिंह भदौरिया निवासी मालवीय नगर को छह माह, दारा सिंह पिता बापू सिंह सिसोदिया निवासी भवानी नगर थाना बाणगंगा को छह माह तथा शुभम पिता संजय जाटव निवासी बाल्मिकी नगर थाना बाणगंगा को छह माह तक थाने में हाजिरी देना होगी। हाजिरी नहीं देने पर उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

इंदौर में पहली बार शरद पूर्णिमा की चांदनी में भव्य गरबा होगा

निपानिया के 'द राजबाग' में एक अलग तरह का गरबा

इंदौर। शहर में गरबा उत्सवों का अपना अलग ही माहौल है। हर साल नवरात्रि के दिनों में गरबों के भव्य आयोजन होते हैं। लेकिन, अब शहर में सांस्कृतिक उत्सवों की नई पहचान बनने जा रही है। सिटी फीड पहली बार शरद पूर्णिमा के अवसर पर भव्य गरबा महोत्सव का आयोजन कर रहा है। यह आयोजन रविवार 6 अक्टूबर को निपानिया स्थित द राजबाग में शाम 7 बजे से शुरू होगा। शरद पूर्णिमा पर गरबे का यह पहला भव्य आयोजन है, जो निश्चित रूप से गरबा प्रेमियों के लिए यादगार अनुभव होगा। रात की चंदा की चांदनी में गरबा खेलने का अपना ही अलग आनंद होता है। पारंपरिक डांडिया की धुनों और आधुनिक संगीत के संगम के साथ यह आयोजन इंदौर की संस्कृति को नई ऊंचाई देगा। सिटी फीड की टीम के मुताबिक, इस महोत्सव का उद्देश्य इंदौर के वासियों को एक ऐसा मंच देना, जहां वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ मिलकर अपनी परंपरा और संगीत की समृद्धि का आनंद ले सकें।

इस आयोजन की खासियतों में आकर्षक पारंपरिक डेकोरेशन, लाइव डीजे और बेस्ट ड्रेस और बेस्ट डांसर जैसे रोमांचक पुरस्कार। आयोजन स्थल द राजबाग को पारंपरिक गुजराती रंगों और रोशनी से सजाया जाएगा, ताकि प्रतिभागियों को असली नवरात्रि और डांडिया नाइट का अनुभव मिल सके। आयोजकों के अनुसार, इंदौर के लिए यह एक ऐतिहासिक पल होगा। क्योंकि, शहर पहली बार शरद पूर्णिमा की रात गरबा की ताल पर झूमेगा। हम सभी को आमंत्रित करते हैं कि वे अपने मित्रों और परिवार के साथ इस यादगार रात का हिस्सा बनें। ज्यादा जानकारी के लिए सिटी फीड के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर संपर्क किया जा सकता है।

गरबा पंडाल में गुम दो बालिकाएं खोजी गई

इंदौर। नवरात्रि के दौरान शहर भर में हो रहे गरबा आयोजनों में सुरक्षा को लेकर इंदौर पुलिस पूरी मुस्तैदी से कार्य कर रही है। थाना राजेंद्र नगर क्षेत्र में गरबा पंडाल के दौरान छोटी बच्ची के गुम हो जाने की सूचना मिली। शक्ति मोबाइल पीसीआर 3 की टीम ने बिना समय गंवाए तत्काल इलाके में खोजबीन शुरू की। कुछ ही देर में टीम ने बालिका को ढूंढ निकाला और पहचान सुनिश्चित करने के बाद उसे सुरक्षित उसकी मां को सौंप दिया। थाना परदेशीपुरा और थाना एमआईजी क्षेत्र में कार्यरत शक्ति मोबाइल पीसीआर 4 को भ्रमण के दौरान रोबोट चौराहे पर 4 वर्षीय बालिका रोती हुई मिली। बच्ची को समझाने के बाद उसने बताया कि वह गरबा पंडाल में अपनी मां से बिछड़ गई है। टीम ने उसे ढांढस बंधाया और आसपास पूछताछ कर उसकी मां तक पहुंच बनाई। बालिका को सकुशल मां को सौंपा गया। शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में 13 शक्ति मोबाइल टीमें सक्रिय रूप से पेट्रोलिंग कर रही हैं। ये टीमें गरबा स्थलों और धार्मिक आयोजनों के आस-पास नियमित निगरानी कर रही हैं। पुलिस की त्वरित पहल से परिजन भावुक हो उठे और उन्होंने पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया।

हाई कोर्ट में नवलखा बस स्टैंड के स्थानांतरण मामले की रिट खारिज

याचिकाकताओं की दलीलें अस्वीकार, यह नीतिगत फैसला

इंदौर। हाईकोर्ट खंडपीठ ने नवलखा बस स्टैंड को नायता मुंडला स्थानांतरित किए जाने के खिलाफ दायर रिट अपील को खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति विवेक रूसिया की पीठ द्वारा पारित आदेश में कहा गया कि बस स्टैंड का स्थानांतरण नीतिगत और प्रशासनिक निर्णय है, जिसमें न्यायालय का हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता। रिट याचिकाकर्ता, जो कि बस ऑपरेटर हैं, ने यह दावा किया था कि नवलखा बस स्टैंड वर्षों से संचालन में रहा है और अब इसे नायता मुंडला में स्थानांतरित करना गलत है। उनका कहना था कि यह निर्णय यात्री सुविधाओं के विपरीत है। उन्होंने आपत्ति जताई कि स्थानांतरण आदेश उस अधिकारी द्वारा जारी किया गया, जिसका तब तक स्थानांतरण हो चुका था।

राज्य सरकार की दलील– राज्य की ओर से उप महाधिवक्ता श्रेय राज सक्सेना ने बताया कि नायता मुंडला में 16 फरवरी 2024 से संचालन में आ चुका है और नवलखा बस स्टैंड से बसों का संचालन पूर्णतः बंद कर दिया है। नया बस स्टैंड आधुनिक सुविधाओं से युक्त है और इसका निर्माण वर्ष 2019 में मास्टर प्लान के अनुसार किया गया। न्यायालय ने कहा कि याचिकाकर्ता, जो कि पेशेवर परिवहनकर्ता हैं, 4-5 वर्ष तक स्थानांतरण योजना को लेकर चुप रहे। यह याचिका न केवल विलंबित थी, बल्कि इसमें स्पष्ट नहीं किया कि स्थानांतरण से उन्हें नुकसान क्या हुआ है। **सरकार का विशेषाधिकार –** कोर्ट ने कहा कि एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड का स्थान तय करना सरकार का विशेषाधिकार है। ऐसे मामलों में कोर्ट हस्तक्षेप नहीं करता। कोर्ट ने कहा कि किसी अधिकारी के स्थानांतरण प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है तो उसकी वैधता प्रभावित नहीं होती। साथ ही, याचिकाकर्ताओं ने अधिसूचना रद्द करने की कोई विशेष मांग रिट याचिका में नहीं की थी। कोर्ट ने निर्णय में कहा कि बस स्टैंड का स्थानांतरण यात्रियों की सुविधा, बेहतर यातायात प्रबंधन और आधुनिक ढांचे के तहत किया गया है। इसलिए अपील कथाओं की आपत्तियों में कोई कानूनी आधार नहीं है।

संपादकीय

मणिपुर न बने लद्दाख!

केन्द्र शासित प्रदेश लद्दाख में 23 सितंबर को भड़की हिंसा, आगजनी और पुलिस की गोली लगने से 4 लोगों की मौत न केवल इस हिंसक आंदोलन के पीछे किसी साजिश की ओर इशारा करती है बल्कि यह केन्द्र सरकार की भी नाकामी है कि उसने जन भावनाओं समय पर न समझ कर आंदोलन को इतना उग्र होने दिया। सरकार इसके लिए सोशल एक्टिविस्ट और नवाचारी सोनम वांगचुक को जिम्मेदार मानकर उन पर शिकंजा कस रही है, लेकिन अभी यह साफ नहीं है कि यह हिंसा सोनम के अनशन के कारण हुई या फिर उस अनशन को बदनाम करने के लिए जानबूझकर हिंसा की गई। बुधवार को लद्दाख की राजधानी लेह में लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और छठे शेड्यूल के प्रोटेक्शन की मांग को लेकर यह आंदोलन हुआ। इसका नेतृत्व लेह एपेक्स बॉडी (एलएबी) और कारगिल डेमोक्रेटिक अलायंस कर रहे हैं। जिस संविधान की छठी अनुसूची को लद्दाख में लागू करने की मांग हो रही है, उसमें जनजातियों के अधिकारों के संरक्षण, उनकी पहचान और हितों को सुनिश्चित करने का प्रावधान है। यह आंदोलन एलएबी ने 10 सितंबर से भूख हड़ताल के रूप में शुरू किया था। इसी में सोनम वांगचुक भी शामिल थे। वांगचुक सरकार के खिलाफ पहले भी आंदोलन करते रहे हैं। हालांकि उनका आंदोलन शांतिपूर्ण था और लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने की मांग नई नहीं है। उधर सरकार के प्रतिनिधियों की गुरूवार को एलएबी के नेताओं से चर्चा होने वाली थी, लेकिन उसके पहले ही इस हिंसा को अंजाम दिया गया। लद्दाख की सीमा उत्तर में चीन से और पश्चिम में पाकिस्तान से लगती है। वहां किसी भी तरह की अस्थिरता को विदेशों से हवा मिल सकती है। हाल में हुए आंदोलन के पीछे भी विदेशी ताकतों का हाथ है या नहीं, यह तो जांच के बाद सामने आएगा। इस बारे में सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक का कहना है कि लद्दाख को केन्द्रशासित प्रदेश बनाकर सरकार ने अच्छा किया। लेकिन यहां एक सर्वसत्ताधीश उपराज्यपाल को बिठा दिया गया। जबकि हमे उम्मीद थी कि लद्दाख विधानसभा वाला केन्द्र शासित प्रदेश होगा। वर्तमान शासन व्यवस्था में लद्दाखी जनता की कोई भागीदारी नहीं है। सारी सत्ता एक व्यक्ति के हाथों में केन्द्रित हो चुकी है। लोग इसे ही बदलना चाहते हैं। सरकार इसका दूसरा अर्थ निकाल रही है। वैसे लद्दाखियों की इस मांग में कुछ भी गलत नहीं है, क्योंकि जम्मू कश्मीर राज्य का हिस्सा रहते वो एक पूर्ण राज्य के नागरिक थे, जिनकी शासन व्यवस्था में भी पूरी भागीदारी थी। जब सरकार ने जम्मू कश्मीर को विधानसभा वाला केन्द्रशासित प्रदेश बनाया है तो लद्दाख के साथ यह भेदभाव क्यों? वहां विधानसभा देने से लोगों की बड़ी मांग पूरी होगी और जनता की सरकार में भागीदारी बढ़ेगी। एक और अहम मुद्दा लद्दाख की आग श्रीनगर तक फैलने का है। उधर केन्द्र सरकार का आरोप है कि कुछ स्थानीय लोग ही बातचीत में अड़ंगा डाल रहे हैं। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि जैसा लेह में हुआ, वैसा यहां भी हो सकता है। उनका यह कहना जायज है कि केन्द्र सरकार ने जम्मू कश्मीर को पूर्ण राज्य देने का वादा अपने घोषणा पत्र में किया हुआ है तो फिर दिक्कत क्या है। अगर जन असंतोष लद्दाख के बाद जम्मू कश्मीर में भी भड़क गया तो सरकार को लेने के देने पड़ जाएंगे। मोदी सरकार लेह में हिंसा के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहरा रही है। इस पूरे मामले को समय रहते ठीक से हैंडल न किया गया तो लद्दाख देश का दूसरा मणिपुर बन सकता है और यह देश की सुरक्षा के लिए ज्यादा गंभीर खतरा होगा।

मणिपुर में शांति की ठोस संभावना

नजरिया

अवधेश कुमार
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

तत्काल मणिपुर में शांति और सामान्य होती स्थिति पूरे देश को राहत देने वाली है। मैं मणिपुर की सामान्य होती स्थिति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मणिपुर यात्रा के दौरान आम लोगों की लाइव दिखती प्रतिक्रियाएं बता रहीं थीं कि प्रदेश के हालात कितने बदल चुके हैं। कूकी और मैतेयी दोनों की प्रतिक्रियाएं उम्मीद पैदा करने वाली हैं। कोई कह रहा था कि अब यहां गोलीबारी नहीं है, शांति है, इसीलिए हम प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने आए हैं तो कोई यह कि शांति के बाद ही भविष्य के लिए द्वार खुलेंगे। कूकी समुदाय के एक व्यक्ति ने कहा कि बंकर अभी भी हैं, लेकिन हमारे लड़के और घर के पुरुष अपनी सामान्य ज़िंदगी में लौट चुके हैं। हम शांति चाहते हैं, कोई हमेशा लड़ाई नहीं चाहता संघर्ष खत्म हो गया है। इनके आधार पर निष्कर्ष निकाला जाए तो कहना पड़ेगा कि प्रदेश में शांति स्थापित होने के साथ विकास और स्थिर राजनीतिक प्रक्रिया पुनः आरंभ होने की आधारभूमि बलवती होती दिख रही है। प्रधानमंत्री के अब तक मणिपुर न जाने के पीछे मुख्य उद्देश्य यही था कि स्थिति इतनी संभाल ली जाए ताकि वहां उतरने का स्पष्ट परिणामकारी संदेश जाए। प्रधानमंत्री जब इंफाल हवाई अड्डे पर उतरे, तो भारी बारिश के कारण हेलीकॉप्टर से चुराचांदपुर जाना संभव नहीं था। यह आशंका भी पैदा हुई कि शायद कार्यक्रम रद्द हो जाए। उन्होंने सड़क से चुराचंदपुर का निर्धारित कार्यक्रम पूरा किया तथा विस्थापित लोगों से मुलाकात की। यह इस मायने में अच्छा हुआ कि देश और दुनिया ने मणिपुर के बदलाव को स्पष्ट देखा। कुछ महीने पूर्व की स्थिति से तुलना करें तो चुराचंदपुर सड़क से जाने और सामान्य तरीके से कार्यक्रम करने की कल्पना नहीं की जा सकती थी। मणिपुर की दृष्टि से प्रधानमंत्री की सभा में भारी संख्या में लोगों की उपस्थिति भी बता रही थी कि माहौल बदला है। चुराचंदपुर कूकी बहुल इलाका है जबकि इंफाल और उसके आसपास मैतेयी ज्यादा हैं। प्रधानमंत्री के दोनों क्षेत्रों में जाने तथा विकास परियोजनाएं आरंभ करने का संदेश यही है कि सरकार के लिए दोनों समुदाय समान हैं। दुष्प्रचार यह था कि भाजपा सरकार मैतेयी के साथ है। चुराचंदपुर में ही 3 मई 2023 को सबसे पहले हिंसा भड़की थी। वहीं से महिला को निर्वस्त्र करने का वीभत्स दृश्य सामने आया था।

तो ऐसी आशाजनक तस्वीर तथा लोगों के सामूहिक मनोविज्ञान में आया सकारात्मक बदलाव यूं ही नहीं हुआ। सरकार लगातार एक ओर आंतरिक एवं सीमा पर व्यवहारिक सुरक्षात्मक कदम उठा रही थी तो अंदर दोनों पक्षों के समूहों के साथ संपर्क संवाद भी किसी न किसी तरह चलते रहे। दोनों पक्षों के प्रबुद्ध नागरिक समाज, एनजीओ,एक्टिविस्ट आदि के अनेक प्रतिनिधिमंडल दिल्ली बुलाए गए तथा मणिपुर में भी बातचीत होती रही। इसी का परिणाम पिछले 4 सितंबर को दिल्ली में हुआ त्रिपक्षीय समझौता था। सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन्स या युद्धविराम समझौता पर केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कुकी-जो विद्रोही समूहों के दो संगठनों ने हस्ताक्षर किए हैं। इसका एक मुख्य प्रावधान हिंसा आरंभ होने के बाद से बंद नेशनल हाईवे-2 को खोलने पर बनी सहमति है। इसे मणिपुर की जीवन रेखा माना जाता है जो नागालैंड के व्यापारिक शहर दीमापुर को राजधानी इंफाल से जोड़ता है। राज्य को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति में

इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है। वैसे इसे खोलने पर कुकी समूहों से कई बार बात हुई और सहमति भी बनी, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पिछले मार्च में ही इसे खोलने की घोषणा किया, लेकिन कूकी संगठनों ने इसे स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

वस्तुतः प्रदेश के दो समुदाय एक दूसरे के बीच आपसी संवाद समाप्तप्राय हो तथा देशी - विदेशी शक्तियां भड़काकर हथियार बंद संघर्ष तक ले जाएं तो बातचीत ही दुष्कर होता है। कल्पना की जा सकती है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं उनके मंत्रालय को किन स्थितियों का लगातार सामना करना पड़ा होगा। विरोधी जो भी कहे, हमें नहीं भूलना चाहिए संघर्ष आरंभ होने के शुरुआती दिनों में ही गृह मंत्री ने दौरा किया था। उसके पहले से गृह मंत्रालय के अनेक अधिकारियों ने वहां डेरा डाला था। खैर, आशा करनी चाहिए समझौते में कुकी उग्रवादियों के खिलाफ एक साल तक सैन्य अभियान रोकने पर बनी सहमति कायम रहेगी। यह समझौता पहले भी था लेकिन विरोधी शक्तियों से प्रभावित हथियारबंद समूहों द्वारा हिंसा जारी रखने के कारण इसे निलंबित करना पड़ा। समझौते में कुछ नयी शर्तें जोड़ी गई हैं, जिनमें कड़ी निगरानी के साथ उल्लंघन की स्थिति में समीक्षा शामिल है। इसका अर्थ हुआ कि सरकार न्यायसंगत मांगें और अपेक्षाएं स्वीकार करती हैं लेकिन हिंसा बिल्कुल नहीं। आप हिंसा करेंगे तो कार्रवाई होगी।

हालांकि खासकर पूर्वोत्तर के संघर्षरत पक्षों को शांति समझौते तक लाना हमेशा अत्यंत कठिन रहा है। भाजपा ने आरंभ में वीरेन सिंह के पक्ष में दृढ़ता अपनाया किंतु जब लगा कि इसके बगैर कूकी समूहों को विश्वास में लेना संभव नहीं तो तो उनका त्यागपत्र स्वीकार किया गया। हालांकि विधानसभा में नेशनल पीपल्स पार्टी ने समर्थन भी वापस ले लिया था। वीरेन सिंह मैतेयु समुदाय से आते हैं। सरकार का आरंभिक पक्ष यही था कि हमारे लिए मैतेयी और कुकी दोनों समान है इसलिए इस आधार पर किसी नेता को नहीं हटाया जा सकता। देश की एकता अखंडता, हिंसक संघर्ष रोकने तथा देश विरोधी शक्तियों को स्थिति का लाभ उठाने से रोकने के लिए यह करना अपरिहार्य हो गया था।

बहरहाल, मणिपुर में 20 मई 2023 से शुरू हिंसा थम गयी है, गोलीबारी बंद है, बंकरों में रहने वाले सामान्य दिनचर्या में दिख रहे हैं, युवा कॉलेज और यूनिवर्सिटी का रुख करने लगे हैं। तो दो वर्ष 4 महीने बाद मणिपुर सामान्य और शांत दिख रहा है। हालांकि कूकी और मैतेयी समुदायों के बीच खाई पाटना आसान नहीं है। चुराचंदपुर के लोग भय और आशंकाओं के कारण इम्फाल घाटी नहीं जा रहे हैं तो इम्फाल में रहने वाले मैतैयी भी चुराचंदपुर या कांगपोकपी के पहाड़ी जिलों की यात्रा नहीं कर पा रहे। बिशनुपुर जिला और पास के पहाड़ी क्षेत्र हिंसा के बाद बफर ज़ोन बन गए हैं और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा वहां सुरक्षा दी जा रही है। न कुकी-जोमी या पहाड़ी जनजाति के लोग घाटी में प्रवेश कर रहे हैं, न ही घाटी में रहने वाले मैतेयी समुदाय के लोग पहाड़ी इलाकों में जा रहे हैं। हजारों विस्थापित अभी भी राहत शिविरों में हैं। नेशनल हाईवे खुलने के बावजूद बफर ज़ोन को पार करना बाहरी व्यक्ति के लिए स्वाभाविक ही मुश्किल है। सुरक्षा एजेंसियां पहचान के बगैर सब स्वतंत्र आवागमन की अभी अनुमति नहीं दे सकती है।

किंतु यह सब बिल्कुल अस्वाभाविक नहीं। वर्तमान समझौते में मणिपुर की क्षेत्रीय अखंडता बनाए रखने की प्रतिबद्धता शामिल है। यह कूकी समूहों की अलग प्रशासन की मांग में बदलाव का संकेत है। मैतेयी समूह अलग प्रशासन की मांग का विरोध करते रहे हैं। हालांकि सभी कूकी समूहों को इससे सहमत कराना कठिन है। समझौते पर हस्ताक्षर होने के कुछ ही समय बाद, सिविल सोसायटी समूह कुकी-जो काउंसिल (KZC) ने भारतीय संविधान के तहत एक अलग प्रशासन के लिए राजनीतिक बातचीत की आशा का वक्तव्य दिया। ऐसा कहने वाले मिल जाएंगे कि जब तक वित्त और प्रशासन का नियंत्रण घाटी के लोगों के पास रहेगा, पहाड़ी ज़िलों के विकास की अनदेखी होगी। सामूहिक आकांक्षाओं के अनुभव विकास योजनाएं वहां क्रियान्वित हुई तो धीरे-धीरे यह मानस भी बदलेगा।

प्रधानमंत्री ने अपने स्वभाव के अनुरूप मणिपुर के वीर बलिदानियों के स्वतंत्रता आंदोलन से लेकर अभी तक के योगदान की याद दिलाई। ऑपरेशन सिंदूर में वीरगति प्राप्त दीपक चिंगाखाम को श्रद्धांजलि देना एक राष्ट के रूप में भारत के प्रति संवेदनशील होने की ही अपील थी। उन्होंने जब जानकारी दी कि अंडमान-निकोबार के माउंट हैरियट का नाम बदलकर 'माउंट मणिपुर' रखा गया है और यह निर्णय 140 करोड़ भारतीयों की ओर से मणिपुरी स्वतंत्रता सेनानियों को एक सच्ची श्रद्धांजलि है तो लोगों ने करतल ध्वनि से इसका स्वागत किया। आजाद हिंद फौज ने मणिपुर में ही स्वतंत्रता का पहला झंडा गाड़ा था और नेताजी सुभाष बोस ने मणिपुर को भारत की स्वतंत्रता का द्वार कहा था। जैसा प्रधानमंत्री ने कहा दोनों समुदाय आपस में मेल-जोल बढ़ाएं तभी मणिपुर की शांति और विकास का सपना पूरा होगा। प्रधानमंत्री की इन पंक्तियों को देखिए.. 'किसी भी स्थान पर शांति की स्थापना बेहद जरूरी है। बीते 11 वर्षों में अनेक संघर्ष खत्म हुये हैं। उम्मीद और विश्वास की सुबह दस्तक दे रही है। बीते कुछ सालों में यहां के लोगों ने विकास को प्राथमिकता दी है। मुझे विश्वास है कि आगे भी विकास को और बल मिलेगा। मैं सभी संगठनों से अपील करूंगा कि शांति के रास्ते पर आगे बढ़कर अपने सपनों को पूरा करें, अपने बच्चों के भविष्य को सुनिश्चित करें। मैं आपके साथ हूं।'

सर्च से स्मार्टनेस तक : 27 वर्ष का हुआ गूगल

वर्षगांठ

अतुल गोयल
लेखक न्यूयॉर्क की कंपनी में सॉफ्टवेयर डवलपमेंट इंजीनियर हैं।

गूगल 27 सितम्बर को अपना 27वां जन्मदिन मना रहा है। यह महज एक कम्पनी का जन्मदिन नहीं बल्कि इंटरनेट युग के सबसे बड़े चमत्कार का जश्न है। आज गूगल न सिर्फ हमारे जीवन का हिस्सा है बल्कि हमारी सोच, हमारी आदतों और हमारे निर्णयों तक को प्रभावित करने वाली सबसे शक्तिशाली तकनीकी ताकत बन चुका है। इसकी विशेषता यही है कि यह मात्र एक सर्च इंजन बनकर नहीं रुका बल्कि एक ऐसा डिजिटल साथी बन गया है, जिसने हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। गूगल के जन्मदिन की तारीख को लेकर हमेशा एक तरह का कंफ्यूजन बना रहा। कभी इसे 7 सितम्बर, कभी 26 सितम्बर और कभी 27 सितम्बर को मनाया गया। 2002 में पहली बार गूगल ने अपना बर्थ-डे डूडल जारी किया और 2006 से उसने 27 सितम्बर को आधिकारिक तौर पर अपना जन्मदिन मनाना तय कर दिया। आज यही दिन दुनियाभर में गूगल के जन्मदिन के रूप में पहचाना जाता है लेकिन इससे कहीं ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि केवल 27 वर्षों में गूगल ने जो उपलब्धियां हासिल की हैं, वह किसी भी आधुनिक तकनीकी क्रांति से कम नहीं।

1998 में स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के दो शोध छात्र लैरी पेज और सर्गेई ब्रिन ने मिलकर गूगल की नींव रखी थी। उस समय 'वर्ल्ड वाइड वेब' पर महज ढाई करोड़ वेबपेज मौजूद थे। उनका विजन था कि इंटरनेट पर उपलब्ध जानकारियों को व्यवस्थित करके आम लोगों तक पहुंचाना और उन्हें प्रासंगिकता के आधार पर सर्च रिजल्ट प्रदान करना। इसके लिए उन्होंने ऐसा एल्गोरिदम तैयार किया, जो उस समय के तमाम सर्च इंजनों से कहीं बेहतर था। धीरे-धीरे गूगल का यह प्रयोग पूरी दुनिया में क्रांति बन गया। आज स्थिति यह है कि इंटरनेट उपयोग करने वाले लगभग हर व्यक्ति के लिए गूगल पहला और अंतिम ठिकाना है।

गूगल की सबसे बड़ी ताकत इसका लगातार खुद को अपडेट और विकसित करते रहना है। यह कम्पनी केवल सर्च इंजन तक सीमित नहीं रही बल्कि इसने ईमेल, ऑपरेटिंग सिस्टम, मोबाइल डिवाइस, स्मार्ट असिस्टेंट, क्लाउड सेवाएं, डिजिटल विज्ञापन, यूट्यूब, गूगल मैप्स, ट्रांसलेट, ड्राइव, फोटो स्टोरेज, पेमेंट प्लेटफॉर्म और अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भी अपना वर्चस्व कायम किया है। गूगल का एंड्रॉइड ऑपरेटिंग सिस्टम दुनिया के सबसे ज्यादा स्मार्टफोन्स को संचालित कर रहा है। गूगल मैप्स ने हमारी यात्रा की आदतें पूरी तरह बदल दी हैं। गूगल ट्रांसलेट ने भाषा की बाधाओं को मिटाने का प्रयास किया है। वहीं यूट्यूब ने शिक्षा, मनोरंजन और सूचना के नए युग की शुरुआत की है।

आज जब हम किसी सवाल के जवाब की तलाश करते हैं, हमें किसी उत्पाद की जानकारी चाहिए होती है, किसी नए स्थान का पता लगाना होता है, किसी बीमारी के लक्षण जानने होते हैं, किसी गणितीय सवाल का हल चाहिए होता है या फिर किसी विशेष दिन की जानकारी खोजनी होती है तो हमारे मन में पहला नाम गूगल का ही आता है। यही कारण है कि इसे 'इंटरनेट की दुनिया का सबसे बड़ा हथियार' कहा जाता है। चाहे आकाश की बातें हों या समुद्र की गहराइयां, चाहे अंतरिक्ष की खोज हो या हमारे आसपास की छोटी-सी जानकारी, गूगल हर विषय पर पलक झपकते ही अथाह जानकारी उपलब्ध करवा देता है। गूगल की तकनीकें केवल सूचना प्रदान करने तक सीमित नहीं हैं। अब यह कम्पनी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के जरिये हमारी पसंद-नापसंद तक जान रही है। गूगल सर्च और यूट्यूब पर हमारी गतिविधियों से लेकर जीमेल और गूगल ड्राइव तक की सूचनाएं एक डिजिटल इकोसिस्टम का हिस्सा बन चुकी हैं। यही कारण है कि कई बार गूगल को हमारा 'हमराज' भी कहा जाता है क्योंकि अब यह न केवल यह जानता है कि हम कहां हैं बल्कि यह भी अनुमान लगाने में सक्षम है कि हम आगे क्या करना चाहते हैं। यह स्थिति गूगल को एक ओर जहां बेहद उपयोगी बनाती है, वहीं निजता और डेटा सुरक्षा जैसे गंभीर प्रश्न भी उठाती है। गूगल की सबसे बड़ी विशेषता उसका 'एल्गोरिदम' है। जब हम किसी शब्द या विषय को सर्च करते हैं तो गूगल का वेब क्रॉलर अरबों वेबपेजों से जानकारी इकट्ठा करके सर्वर पर इंडेक्स करता है और फिर अपने एल्गोरिदम की मदद से प्रासंगिकता के हिसाब से हमारे सामने प्रस्तुत कर देता है। यही कारण है कि चाहे जानकारी कितनी भी विशाल क्यों न हो, गूगल हमें वही उत्तर पहले दिखाने की कोशिश करता है, जिसकी हमें सबसे ज्यादा आवश्यकता है। गूगल का यह एल्गोरिदम लगातार सुधरता और विकसित होता जा रहा है और इसी ने इसे अपराजेय बना दिया है। हालांकि 1999 में एक समय ऐसा भी आया था, जब गूगल के संस्थापकों ने इसे मात्र एक मिलियन डॉलर में बेचने की पेशकश की थी, लेकिन एक्साइट कम्पनी के सीईओ जॉर्ज बेल ने वह प्रस्ताव ठुकरा दिया था, जो इतिहास का सबसे बड़ा व्यावसायिक निर्णय साबित हुआ। आज गूगल की मार्केट वैल्यू ट्रिलियन डॉलर में है और इसे दुनिया की सबसे प्रभावशाली कंपनियों में गिना जाता है। यह बात अपने आप में साबित करती है कि दूरदृष्टि और नवाचार मिलकर किस तरह से इतिहास बदल सकते हैं।

गूगल ने केवल तकनीकी उत्पाद ही नहीं दिए बल्कि समाज और संस्कृति को भी प्रभावित किया है। इसका डूडल इसकी सबसे खूबसूरत परंपरा है। पिछले ढाई दशकों से गूगल हर विशेष अवसर, त्यौहार, वैज्ञानिक खोज या महान व्यक्तित्व के जन्मदिन पर डूडल जारी करता रहा है। इन डूडल्स ने न केवल लोगों का मनोरंजन किया बल्कि कई बार इतिहास, संस्कृति और विज्ञान की अनजान जानकारियां भी जन-जन तक पहुंचाई। गूगल का भविष्य और भी रोमांचक है। आज यह कम्पनी क्वांटम कंप्यूटिंग, एआई आधारित हैल्थकेयर, स्वचालित वाहनों, स्मार्ट डिवाइस और वर्चुअल रियलिटी जैसे क्षेत्रों में शोध कर रही है। गूगल की 'डीपमाइंड' यूनिट एआई को नई ऊंचाईयों तक ले जा रही है। हाल ही में गूगल ने अपने जनरेटिव एआई टूल्स लॉन्च किए हैं, जो शिक्षा, शोध, लेखन, कला और व्यवसाय के स्वरूप को बदलने की क्षमता रखते हैं। आने वाले समय में गूगल केवल जानकारी का माध्यम नहीं रहेगा बल्कि यह हमारे सोचने और काम करने के तरीके को पूरी तरह बदल देगा। यह भी सच है कि गूगल की ताकत जितनी बढ़ी है, उतनी ही जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। गलत सूचना, फेक न्यूज, निजता का हनन, डेटा सुरक्षा और एल्गोरिदमिक बायस जैसी चुनौतियां इसके सामने खड़ी हैं। हालांकि गूगल लगातार इन समस्याओं से निपटने के उपाय करता रहा है लेकिन यह बहस लगातार जारी है कि क्या किसी एक कम्पनी के पास इतनी अधिक जानकारी और शक्ति होना मानव सभ्यता के लिए खतरा नहीं? बावजूद इसके, गूगल का योगदान नकारा नहीं जा सकता। आज जब गूगल 27 वर्ष का हो चुका है तो यह उस तकनीकी क्रांति का उत्सव है, जिसने इंसान की जिज्ञासाओं, उसकी खोजने और समझने की प्रवृत्ति को नई दिशा दी है। यह हमारे जीवन का वह हिस्सा बन चुका है, जिसके बिना आधुनिक समाज की कल्पना भी मुश्किल है। गूगल ने ज्ञान को लोकतांत्रिक बनाया, सूचनाओं को सबके लिए सुलभ किया और दुनिया को एक साझा डिजिटल मंच पर खड़ा कर दिया। निसंदेह गूगल ने इन 27 वर्षों में तकनीकी दुनिया को ही नहीं बल्कि मानवीय सभ्यता के सोचने और जीने के ढंग को बदल डाला है। आने वाले वर्षों में गूगल और भी नई ऊंचाईयों को छुएगा लेकिन इतना तय है कि आने वाले कल का इतिहास जब भी लिखा जाएगा, उसमें गूगल को 21वीं सदी की सबसे बड़ी तकनीकी उपलब्धि के रूप में दर्ज किया जाएगा।

जुबीन गर्ग और प्रेम का ढाई अक्षर

स्मरण

समराज चौहान

कबीरदास की वाणी कालातीत है। उन्होंने पाँच सौ साल पहले यह कहा था–

पोथी पढ़ि पढ़ि जग मुआ, पंडित भया न कोय।
ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय।।

इस दोहे का आशय यह है कि चाहे कोई कितना भी ग्रंथ पढ़ ले या विद्वान बनने का दिखावा करे, यदि उसके जीवन में प्रेम और करुणा नहीं है, तो उसका ज्ञान अधूरा है। सच्चा विद्वान वही है जिसने प्रेम को अपने जीवन में उतार लिया है। आधुनिक समय में इस शिक्षा का उदाहरण हमें असम के महान गायक जुबीन गर्ग में मिलता है। उन्होंने अपने जीवन, संगीत और व्यवहार से यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची विद्वता और महानता केवल प्रेम में है।जुबीन गर्ग केवल एक गायक नहीं थे, बल्कि वे लोगों के दिलों की धड़कन थे। उनकी लोकप्रियता सिर्फ़ उनके गानों की वजह से नहीं थी, बल्कि उनकी आवाज़ में अपनापन, उनके गीतों में गहराई और उनके व्यवहार में सहजता थी। वे लोगों से जिस आत्मीयता के साथ मिलते थे, वही उन्हें हर वर्ग और हर उम्र के लोगों का प्रिय बनाती थी। उनका व्यक्तित्व कबीर की उस परिभाषा के करीब था, जिसमें असली ज्ञानी वही है जिसने प्रेम का ढाई अक्षर पढ़ लिया हो।

संगीत केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का माध्यम भी है। जुबीन गर्ग ने अपने गीतों के माध्यम से यही किया। उनके गीतों में मानवीय संवेदना, रिश्तों की मिठास और जीवन की सच्चाई झलकती थी। जब वे गाते थे तो श्रोता महसूस करते थे कि मानो कोई अपना ही दिल की बात कह रहा हो। यही कारण था कि उनका संगीत जाति, धर्म और भाषा की दीवारों को तोड़कर सबको जोड़ देता था। यही तो प्रेम की सबसे बड़ी ताक़त है–विभिन्न दिलों को एक सूत्र में बाँध देना। यही संदेश कबीरदास भी अपनी वाणी से देते थे।आज के समय में जहाँ कलाकार और बड़े चेहरे अक्सर दिखावे और भौतिक सफलता के पीछे भागते हैं, वहाँ जुबीन गर्ग का जीवन एक अलग उदाहरण था। वे सादगी से जीते थे, आम लोगों से सहजता से मिलते थे और उनकी समस्याओं को समझने की कोशिश करते थे। उन्होंने कभी भी यह दिखावा नहीं किया कि वे मशहूर गायक हैं। उनके लिए असली शोहरत थी–लोगों का प्यार और सम्मान। यही गुण उन्हें उस मार्ग पर ले जाता है जिसे कबीर ने प्रेम का ढाई अक्षर कहा था।

आज का समाज कई तरह की समस्याओं से जूझ रहा है। जातिवाद, नफ़रत, स्वार्थ और हिंसा हमारे चारों ओर फैल रही है। लोग किताबों और डिग्रियों का ज्ञान तो अर्जित कर रहे हैं, लेकिन जीवन में प्रेम और भाईचारे की कमी होती जा रही है। यही वह समय है जब कबीरदास की शिक्षा और जुबीन गर्ग का जीवन हमें आईना दिखाते हैं।कबीरदास कहते थे कि धर्म और आडंबर के नाम पर दिखावे की कोई ज़रूरत नहीं है। यदि आपके दिल में प्रेम है तो वही सबसे बड़ा धर्म है। जुबीन गर्ग ने अपने जीवन से यही साबित किया कि कला और संगीत का अंतिम उद्देश्य प्रेम और इंसानियत है, न कि शोहरत या पैसा।यदि हम आज की राजनीति, शिक्षा व्यवस्था और सामाजिक जीवन को देखें तो पाएँगे कि प्रेम और संवेदना की कमी हर जगह दिखाई देती है। लोग एक-दूसरे को नीचा दिखाने की होड़ में लगे रहते हैं। रिश्ते भी स्वार्थ के आधार पर बनने लगे हैं। ऐसे माहौल में कबीरदास की वाणी और जुबीन गर्ग का जीवन हमें यह सिखाता है कि असली पंडित वही है जिसके पास प्रेम है।डिग्रियों, उपाधियों और बाहरी दिखावे से कोई बड़ा नहीं होता। बड़ा वही है जो इंसानों को जोड़ता है, जो दिलों में जगह बनाता है। जुबीन गर्ग ने अपने गीतों और जीवन से यही किया। उन्होंने लाखों दिलों को जोड़ा और संगीत को केवल मनोरंजन का साधन न बनाकर प्रेम और भाईचारे का संदेशवाहक बना दिया। कबीरदास ने पाँच सौ साल पहले यह बताया था कि प्रेम ही सच्चा ज्ञान है और सच्चा पंडित वही है जिसने इसे समझ लिया है। जुबीन गर्ग ने अपने जीवन और संगीत से इस शिक्षा को चरितार्थ किया। दोनों ने यह दिखा दिया कि इंसान की असली पहचान उसकी विद्वता या उसकी शोहरत नहीं, बल्कि उसका प्रेम और अपनापन है।आज जब हम जुबीन गर्ग को याद करते हैं तो उनके गीतों से अधिक उनके भीतर का प्रेम और मानवीयता हमें छू जाती है। उन्होंने सचमुच कबीर की वाणी को अपने जीवन में उतार लिया था। इसीलिए कहा जा सकता है कि कबीर और जुबीन गर्ग दोनों ही अपने-अपने समय के ऐसे महान व्यक्तित्व थे जिन्होंने प्रेम का ढाई अक्षर पढ़ा और हमें भी वही राह दिखाई- - ढाई आखर प्रेम का पढ़ लो, यही असली पंडिताई है।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

आज मौसम बड़ा बेईमान है

व्यंग्य

सुरेश रायकवार
लेखक व्यंग्यकार हैं।

खेल में बेईमानी हो सकती है, व्यापारी अपने सौदों में बेईमानी कर सकता है, नौकर अपने मालिक के साथ बेईमानी कर सकता है और हमारे देश में सामान्यतः नेता तो होते ही बेईमानी के लिए है, किन्तु मुझे आज तक समझ नहीं आया कि गीतकार स्व. आनंद बक्शी ने फिल्म लोफ़र के गीत में मौसम को क्यों बेईमान लिख डाला?

हमारे यहाँ एक कहावत है, दूसरे के सिर ठीकरा फोड़ना। इस गीत पर यह कहावत बिल्कुल ठीक बैठती है क्योंकि जिस फिल्म का यह गीत है, उस फिल्म का नायक तो एक लोफ़र था, याने कि चोर, बेईमान लुच्चा लफंगा। नायिका पर नीयत नायक की खराब होती है लेकिन गीत में बेईमान मौसम को बताया जाता है। फिर यह भी विचार आता है कि जैसे हमारे देश में बाहुबलियों के विरुद्ध कुछ कहने की या उन्हे सजा देने की किसी की हिम्मत नहीं होती है वैसे ही उस समय शायद नायक को बेईमान कहने की हिम्मत नहीं जुटा पाए होंगे गीतकार। और इसीलिए उन्होने बेचारे मौसम को ही बेईमान लिख डाला हो।

देश के एक नेता तो आजतक सब को बेईमानी का और स्वयं को कट्टर ईमानदारी का प्रमाणपत्र देते रहें, यहाँ तक कि चुनाव से पहले उन्होने नोटराइजड एफ़िडेविट पर हस्ताक्षर करके कहा कि वे कोई सरकारी सुविधा अपने लिए नहीं लेंगे और फिर सरकारी आवास की मरम्मत के नाम पर ही 45 करोड़ खर्च कर दिये, खर्च तो किए ही किन्तु उसमे भी घोटाला करके अपनी जेब गरम की, सो अलग। उनकी कट्टर ईमानदार पार्टी के नेता, कोई शराब घोटाले में तो कोई मनी लाँड्रिंग के केस में जेल यात्रा कर चुके है। मगर वे भी अपने आप को, कब बे...मान मानने वाले है, बेईमान तो मौसम ही हुआ ना!

एक जमाना था जब गर्मी के निर्धारित महीनों में गर्मी, सर्दी के महीनों में सर्दी और बारिश के महीनों में बारिश ही हुआ करती थी। किन्तु आजकल ठंड के दिनों में कूलर पंखे चल रहे हैं और ग्रीष्म काल में झमाझम बारिश देखने को मिल रही है। क्या मौसम वाकई बेईमान हो गया है? हम कहेंगे - बिल्कुल नहीं! क्योंकि मौसम, हमारी विज्ञापन दाता कंपनियों की तरह बेईमान नहीं है जहां एक गेस से भरी बॉटल को विज्ञापन में तूफान बता दिया जाता है या साँवले रंग की लड़की को क्रीम लगाते ही गोरा बता दिया जाता है। मौसम तो अपने आने की सूचना पहले ही दे देता है जैसे बारिश होना है तो आसमान में काले-काले बादल पहले से ही छा जाएंगे, ठंड होना है तो पहले पहाड़ों पर बर्फ की बारिश होगी तथा यदि गर्मी पड़ना है तो सूर्य की तपन बड़ जाती है। फिर उसे बेईमान कैसे कह सकते है?

हाँ, हमारे देश के नेता चाहे गिरगिट की तरह रंग बदलते हों, सफ़ेद-झक कपड़े पहन कर काले कारनामे करते हों, चुनाव जीतने के बाद जनता से किए वादे भूल जाते हों, बेईमानी के सौपान के सौपान लिख डालते हों किन्तु वे फिर भी ईमानदार ही कहलाते हैं और चलन के अनुसार बेईमान तो बस मौसम को ही बताया जाता है।

गीतकार आनंद बक्षी ने फिल्म लोफ़र के लिए गीत लिखते समय सोचा ना होगा कि मौसम को बेईमान लिखने का क्या परिणाम हो सकता है। वे तो लिखकर चले गए किन्तु आजकल गर्मी के मौसम में बारिश हो रही है और ठंड के दिनों में कूलर पंखे चल रहे है। लगता है उनका लिखे का मौसम को अब बुरा लग रहा है।

आदमी बेईमान हो सकता है व्यापारी नौकर नेता खिलाड़ी खेल में बेईमानी हो सकती है व्यापारी सौदे में बेईमानी कर सकता है नौकर अपने मालिक के साथ बेईमानी कर सकता है नेता तो बने ही बेईमानी के लिए है। मगर उन्हे भी पता नहीं क्या सुझा जो बेचारे मौसम को बेईमान लिख दिया।

विडम्बना देखो कि उस फिल्म का हीरो एक लोफ़र है याने कि बेईमान लुचचा लफंगा, हीरोइन पर नीयत उसकी खराब हो रही है और बेईमान मौसम को बता रहा है। किन्तु उसे बेईमान कहने की हिम्मत नहीं हुए उस गीतकार की तो उसने बेचारे मौसम को ही बेईमान लिख डाला। मुझे आज तक समझ नहीं आया कि मौसम कैसे बेईमान हो गया जबकि देश के बड़े बड़े बाहुबली जनता पर अत्याचार कर करके अपनी अलग दुनिया का निर्माण करते है किन्तु मजाल है कि कोई न्यायालय संज्ञान लेकर उनके विरुद्ध कोई एक्शन ले ले, उल्टा यह हो सकता है कि उनके विरुद्ध कोई बहादुरी से प्रकरण अदालत तक ले जाए तो अदालत से न्यायाधीश न्याय देने से इंकार कर दे। अब न्यायालय को तो दोषी बता नहीं सकते तो मौसम को ही बेईमान कह दो।

विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष

ब्रजेश कानूनगो

लेखक स्तंभकार हैं।

कनाडा और यूएस की सीमा पर स्थित खूबसूरत नियाग्रा प्रपात की सैर

कनाडा प्रवास और सैर सपाटे में हमारे आनन्द का सर्वोच्च निश्चित ही विश्व प्रसिद्ध 'नियाग्रा प्रपात' के रूप में प्रकृति का यह अद्भुत उपहार रहा है। विश्व प्रसिद्ध नियाग्रा प्रपात यात्रा की इस रोमांचक और आनंद भरी इस सैर की शुरुआत अगस्त माह की 17 तारीख को सुबह 7 बजे बारिश के रिमझिम संगीत से ही हो गई। कनाडा के न्यूमार्केट शहर के गो-बस स्टॉप के लिए घर से निकलते ही आकाश से बूंदें बरसने लगीं। दोपहर 12 बजे तक नियाग्रा फाल क्षेत्र में भी बरसात और बादल छाए रहने की संभावना थी। मुहूर्त बढ़िया था।

एक घण्टे की यात्रा के बाद टोरंटो के यूनियन रेलवे स्टेशन से विशेष पैकेज टूर की बुकिंग थी हमारी। 'गो ट्रेन' से 9 बजे रवाना होकर 11 बजे नियाग्रा फाल स्टेशन पर उतरने के बाद फाल तथा अन्य पॉइंट्स तक जाने के लिए हमारे लिए 'विगो बसेस' सेवाएं उपलब्ध थीं।

पन्द्रह मिनट की बस यात्रा के बाद हम लोग इस विशाल और खूबसूरत प्रपात के शुरुआती छोर के सामने प्रफुल्लित खड़े थे। मौसम भीगा भीगा था। हल्की बारिश थी या प्रपात की हवा में घुलकर उछलती बूंदें कुछ कहा नहीं जा सकता। बादल भी थे और धुंध भी। लेकिन धीरे-धीरे रोशनी भी बढ़ रही थी और धूप भी अठखेलियाँ खेलने लगी थी। इधर मालवा के अपने जाने पहचाने 'चिड़ा चिड़ी' के विवाह जैसा ही मौसम था। आसमान में इंद्रधनुष खिलने का मैं इंतजार करता रहा मगर यह आस पूरी नहीं हो सकी। शायद प्रपात की उछलती बूंदों और सूर्यकिरण का कांटा नहीं भिड़ा। 12 बजते बजते मौसम बहुत साफ हो गया।

नदी किनारे कोई 100 फिट ऊपर लगी रेलिंग के साथ साथ आगे बढ़ते हुए देखने पर हर बार प्रपात की भव्यता और खूबसूरती प्रत्येक कोण से निखरती

जाती है। गहराई में पर्यटकों से भरे बोट कोई 400 से अधिक यात्रियों को बिल्कुल निकट तक ले जाकर तेज बौछारों में नहलाकर इसकी भव्यता और रोमांच का अहसास करा देते हैं।

दरअसल 'नियाग्रा जलप्रपात' अमेरिका के न्यूयॉर्क और कनाडा के ओंटारियो प्रांतों के मध्य अंतरराष्ट्रीय सीमा पर बहने वाली नियाग्रा नदी पर स्थित है। यह दुनिया के सबसे बड़े और ऊँचे प्रपातों में से एक दर्शनीय जलप्रपात है। यह जलप्रपात न्यूयॉर्क के बफेलो से 27 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम और कनाडा के टोरंटो (ओन्टारियो) से 120 किलोमीटर दक्षिण पूर्व में स्थित है।

घोड़े की नाल के आकार की तरह होने के कारण कनाडा की साइड के प्रपात को 'हॉर्स शू प्रपात' कहा जाता है वहीं अमेरिका वाली साडड पर दिखाई देने वाले को 'अमेरिकन प्रपात' कहते हैं। 'हॉर्स शू प्रपात' यहाँ आने वाले पर्यटकों को ऐसे निरीक्षण कक्ष में ले जाते हैं, जहां गिरते पानी के बीच खड़े होने का अहसास होता है। अमरीका साइड और कनाडा साइड से चलने वाले विशाल बोट पर्यटकों को प्रपातों के मध्य तक दिन भर सैर करवाते रहते हैं। हम लोगों ने भी इस रोमांच का भरपूर मजा लिया।

जीवन में बहुत ज्यादा पर्यटन तो अभी तक ख़ास किया नहीं, पर जितना कुछ भी देखा उसका आनन्द बहुत दिल से लिया है। मध्यप्रदेश का भेड़ाघाट हो या गांधीसागर बांध, नेमावर हो या महेश्वर, बागली, उदयनगर या नीमच, भानपुरा क्षेत्र के जंगल, प्राकृतिक छटा हमारे यहां भी समृद्ध और अद्भुत है। लेकिन प्राकृतिक संसाधनों से राजस्व जुटाने के साथ पर्यटकों को लुभाने में हमारे नीति नियंताओं का दृष्टिकोण अभी उतना कारगर साबित नहीं हुआ है जितना इधर मुझे देखने को मिला। खासकर नियाग्रा प्रपात के आसपास।

राजस्थान, महाराष्ट्र और अन्य दक्षिण राज्यों की तुलना में मेरा अपना मध्यप्रदेश मुझे इस मामले में थोड़ा उदासीन दिखाई दिया है। अन्य राज्य भी ज्यादातर धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य की वजह से पर्यटको को थोड़ा आकर्षित करते हैं। जबकि मात्र नियाग्रा प्रपात की वजह से विभिन्न रुचि के पर्यटकों के लिए इधर थोड़ी थोड़ी दूरी पर कुछ ऐसे विशेष स्थल विकसित किये गए हैं जहां जाकर और समय व्यतीत कर अपनी तरह से छुट्टियां व्यतीत कर सकता है। मसलन बड़े, लम्बे पार्कों में कैम्पिंग, फिशिंग, नौकायन, साइकिल ट्रेक्स के अलावा 'फ्लॉवर क्लॉक', 'नियाग्रा लेक विलेज','एडवेंचर स्पोर्ट्स डेस्टिनेशन', 'बर्ड किंगडम',शौकीनों के लिए 'केसीनोस' 'जिपलाइन राइड थ्रिल', 'व्यू फ्रॉम हेलिकॉप्टर', 'फन एंड फ़ूड' 'स्काई लॉन टावर' आदि जैसी कई चीजों और पॉइंट्स ने नियाग्रा फाल्स का आकर्षण और बढ़ा दिया है।

इस क्षेत्र में अंगूर की खेती बहुत होती है। महाराष्ट्र के पंचगनी (महाबलेश्वर) में जिस प्रकार कई तरह के शर्बत निःशुल्क चखने के लिए उपलब्ध करवाए जाते हैं। उसी तरह यहाँ वाइनरिस में यह सुविधा वाइन प्रेमियों को उपलब्ध हो जाती है। केवल एक ख़ास आकर्षण के केंद्र को बहुविध गतिविधियों से जोडकर उसे व्यापकता देने के लिए मुझे 'नियाग्रा प्रपात' पर्यटन स्थल थोड़ा विशिष्ठ लगा।

हम लोगों ने भी अपने सीमित समय में अधिक से अधिक मजा लेने की कोशिश की। नियाग्रा लेक विलेज भी गए। फ्लॉवर क्लॉक के सामने तस्वीरें भी खिंचवाईं। विशाल बोट से प्रपात की धारा के करीब पहुंचने का रोमांच भी खूब अनुभव किया। बच्चों ने 'जीपलाइन राइड' जैसे एडवेंचर के रोमांच का मजा लिया।

रात को रोशनी में नहाए प्रपात और आसपास का खूबसूरत नजारा देखने के बाद गो-बस से 18 अगस्त को तड़के 3 बजे के आसपास हम लोग घर लौट आए।

अक्टूबर के बाद सर्दियों में यह खूबसूरत और विशाल प्रपात अपना नया रूप धारण करने लगता है। बर्फ जमे प्रपात को निहारना हमें किसी और ही दुनिया में ले जाता है। भविष्य में इस नज़ारे को भी देखने की आकांक्षा के साथ 'नियाग्रा नदी' और विश्व के इस सुन्दरतम 'प्रपात' को 'गुड बाय' कहकर विदा ली।

विश्व पर्यटन दिवस

लोकेन्द्र सिंह

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय में सहायक प्राध्यापक हैं और पर्यटन में विशेष रुचि रखते हैं।

किसी पर्यटक को निराश नहीं करता है मध्यप्रदेश

भारत का हृदय 'मध्यप्रदेश' अपनी नैसर्गिक सुन्दरता, आध्यात्मिक ऊर्जा और समृद्ध विरासत के चलते सदियों से यात्रियों को आकर्षित करता रहा है। आत्मा को सुख देने वाली प्रकृति, गौरव की अनुभूति कराने वाली धरोहर, रोमांच बढ़ाने वाला वन्य जीवन और विश्वास जगाने वाला अध्यात्म, इन सबका मेल मध्यप्रदेश को भारत के अन्य राज्यों से अलग पहचान देता है। इस प्रदेश में प्रत्येक श्रेणी के पर्यटकों के लिए कई चुम्बकीय स्थल हैं, जो उन्हें बरबस ही अपनी ओर खींच लेते हैं। यह प्रदेश उस बड़े हृदय के मेजबान की तरह है, जो किसी भी अतिथि को निराश नहीं करता है।

वैभव की इस भूमि पर पराक्रम की गाथाएं सुनाते और आसमान का मुख चूमते दुर्ग हैं। भारत का जिब्राल्टर 'ग्वालियर का किला', महेश्वर में लोकमाता देवी अहिल्याबाई होल्कर का राजमहल, मांडू का जहाज महल, दतिया में सतखंडा महल, रायसेन का दुर्ग, दुर्गावती का मदन महल, जलमग्न रहने वाला रानी कमलापति का महल और गिन्नौरगढ़ सहित अनेक किले हैं, जो मध्यप्रदेश के स्थापत्य की विविधता का बखान करते हैं। देवों के चरण भी इस धरा पर पड़े हैं। उज्जैन, जहाँ योगेश्वर भगवान श्रीकृष्ण पढ़े। चित्रकूट, जहाँ प्रभु श्रीराम माता सीता और भ्राता लखन सहित वनवास में रहे। ओंकारेश्वर, जहाँ आदि जगद्गुरु शंकराचार्य ने आचार्य गोविन्द भगवत्पाद से दीक्षा ली। मध्यप्रदेश में दो ज्योतिर्लिंग- महाकाल और ओंकारेश्वर हैं। इसके साथ ही भगवान शिव ने कैलाश और काशी के बाद अमरकंटक को परिवार सहित रहने के लिए चुना है। एक ओर जहाँ द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण प्रतिवर्ष मुरैना में आकर ढ़ाई दिन रहते हैं तो वहीं ओरछा में राजा राम का शासन है। महारानी कुंवर गणेश के पीछे-पीछे श्रीराम अयोध्या से ओरछा तक चले आये थे। ओरछा राजाराम के मंदिर के लिए ही नहीं, अपितु अपने प्राकृतिक सौंदर्य के लिए भी प्रसिद्ध है।

मध्यप्रदेश अपने वनों के लिए भी प्रसिद्ध है। सतपुड़ा के घने जंगल का तो अद्भुत वर्णन कवि भवानी प्रसाद मिश्र की कविता में आता ही है। चम्बल के भरकों से लेकर कटनी, उमरिया और जबलपुर से लगा शाहडार का जंगल भी रोमांचक यात्राओं का ठिकाना है। मेकल पर्वत पर सदानीरा माँ नर्मदा का उद्गम स्थल ही नहीं, अपितु वहां का सघन वन भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र है। मध्यप्रदेश भारत का इकलौता राज्य है जहाँ सर्वाधिक 12 राष्ट्रीय उद्यान हैं। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, शिवपुरी, पन्ना और कई अन्य राष्ट्रीय उद्यान लोगों को वन्य जीवन को देखने का दुर्लभ, रोमांचपूर्ण अवसर प्रदान करते हैं। मध्यप्रदेश सफ़ेद बाघ 'मोहन' का ही घर नहीं है, अपितु यह रहस्य और कौतूहल बढ़ाने वाले बालक 'मोगली' का भी जन्मस्थान है। सर विलियम हेनरी स्लीमन ने 'एन एकाउंट ऑफ वाल्वस नरचरिंग चिल्ड्रन इन देयर डेन्स' शीर्षक से लिखे अपने एक दस्तावेज में उल्लेख किया है कि मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के जंगल (पेंच टाइगर रिजर्व) में मोगली का घर था। वाइल्ड लाइफ पर्यटन मध्यप्रदेश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहचान दिलाता है। वन्य जीवों के संरक्षण के कारण मध्यप्रदेश के पास 'टाइगर स्टेट' के साथ ही 'द लेपर्ड स्टेट' और 'घड़ियाल स्टेट' का दर्जा भी है। बाघ देखने के लिए न केवल देशभर से बल्कि दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से भी लोग मध्यप्रदेश में आते हैं। भिंड और मुरैना के समीप स्थित चम्बल सफारी तो घडियाल संरक्षण का बड़ा केंद्र बन गई है। कभी डाकुओं के लिए कुख्यात रहे चम्बल के बीहड़ अब डोल्फिन के लिए प्रसिद्ध हैं। भारत में गंगा के बाद सबसे अधिक डोल्फिन चम्बल सफारी में पाए जाते हैं।

जनजातीय संस्कृति से साक्षात्कार करने का अवसर भी मध्यप्रदेश देता है। मंडला, उमरिया, छिंदवाड़ा, बालाघाट, झाबुआ और अनूपपुर में कई स्थान हैं, जो पर्यटन के तौर पर विकसित किये गए हैं। कुछ समय के लिए दुनिया की भागम-भाग से दूर प्रकृति की गोद में सुख की अनुभूति करने के लिए तामिया और पातालकोट जैसे स्थान भी हैं, जो आम पर्यटकों से छिपे हुए हैं। वहीं, मढ़ई, तवा, परसिली, हनुमंतिया जैसे अनेक स्थल भी हैं, जिन्हें पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनाया जा रहा है। पर्यटकों द्वारा खोजे जा रहे नये पर्यटन स्थलों को भी व्यवस्थित करने में मध्यप्रदेश की सरकार अग्रणी है। इंदौर के समीप महू से पातालपानी-कालाकुंड तक चलने वाली हेरिटेज ट्रेन भी सीटी बजाकर उन पर्यटकों को बुलाती है, जो प्रकृति के नजारों में खोना चाहते हैं।

सब प्रकार के पर्यटन की दृष्टि से समृद्ध मध्यप्रदेश के ऐसे अनेक स्थान हैं, जो अभी भी पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर आने की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

मध्यप्रदेश का कोई कोना ऐसा नहीं है, जो पर्यटन की वर्तमान में यूनेस्को की 'विश्व विरासत' की सूची में मध्यप्रदेश के चार स्थल है- बुद्ध का संदेश देते साँची के स्तूप, प्रागैतिहासिक सभ्यता के चिन्ह भीमबेटिका, सौंदर्य के साक्षी खजुराहो के साथ त्यागमय संस्कृति का प्रतीक ओरछा। ये चारों ही स्थान विदेशी पर्यटकों को लुभाते हैं।

दृष्टि से मरुस्थल हो। ग्वालियर के आसपास ककनमठ, मितावली, पड़ावली, दतिया, सोनागिर, ओरछा, चंदेरी और शिवपुरी का एक ट्रेवल रूट बनता है। भोपाल के आसपास साँची, विदिशा, ग्यारसपुर, उदयगिरी की गुफाएं, भोजपुर, भीमबेटका, देलावाड़ी और रायसेन एक पर्यटन स्थल समूह बनता है। इंदौर को केंद्र मानकर उज्जैन, हनुमंतिया, ओंकारेश्वर, ब्रह्मपुर (बुरहानपुर), महेश्वर और मांडू का एक पर्यटन स्थल का समूह बनता है। वहीं, जबलपुर से भेड़ाघाट, बरगी, बांधवगढ़, अमरकंटक, कान्हा और पेंच जा सकते हैं। खजुराहो के साथ ओरछा, अजयगढ़, चित्रकूट, मुकुंदपुर वाइल्डलाइफ सेंक्चुरी, संजय राष्ट्रीय उद्यान, मैहर और हीरों के साथ अपने जंगलों के लिए प्रसिद्ध पन्ना के पर्यटन स्थल घुमे जा सकते हैं। उधर, सतपुड़ा की रानी 'पचमढ़ी' के साथ मढ़ई, तवा, तामिया और पातालकोट का एक पर्यटन समूह बनता है। मध्यप्रदेश के पर्यटन, उसकी समृद्ध विरासत और गौरव का दर्शन करना है तो एक बार मध्यप्रदेश गान पढ़/सुन लेना चाहिए। वरिष्ठ साहित्यकार और पत्रकार महेश श्रीवास्तव ने इस गीत में मध्यप्रदेश की एक खूबसूरत और गौरवपूर्ण तस्वीर उतार दी है।

मध्यप्रदेश घूमने का सबसे अच्छा समय – वैसे तो मध्यप्रदेश राज्य का वर्ष के किसी भी समय दौरा किया जा सकता है। मध्य भारत में स्थित होने के कारण, मध्य प्रदेश की जलवायु आमतौर पर गर्म और शुष्क होती है। परन्तु अच्छा होगा कि अक्टूबर से मार्च के बीच मध्यप्रदेश घूमने की योजना बनायी जाए। इस दौरान यहाँ का तापमान अनुकूल होता है और बारिश के बाद कई पर्यटन स्थल अपने पूर्ण सौंदर्य के साथ उपस्थित होते हैं। प्रदेश में सर्दियों का मौसम वन्यजीव अभयारण्यों, ऐतिहासिक स्थलों, नदी घाटियों और प्राचीन मंदिरों में जाने के लिए एकदम सही है।

विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष

आरबी त्रिपाठी

लेखक स्तंभकार हैं।

जान जोखिम में डालकर कौन चाहेगा सैर सपाटा?

अपवाद स्वरूप कुछ दुस्साहसी या अति उत्साही पर्यटक हो सकते हैं जो विपरीत हालातों का सामना कर जान की परवाह किये बगैर पर्यटन के लिये निकल पड़ते हैं। फिर भले ही वे भारी बारिश या बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं का शिकार होकर फंस जायें या उन्हें रेसक्यू ही क्यों ना करना पड़े। जैसा बीते 6 माह के दौरान होता रहा है और अभी तक सिलसिला जारी है। कहीं-कहीं पर्यटकों की आवाजाही, भीड़भाड़ से वहां के रहवासी नागरिकों ने अपना विरोध भी दर्ज किया है। वेनिस से आई रिपोर्ट बताती है कि वहाँ बेतहासा बढ़ते पर्यटन का लोगों ने विरोध किया है। उनका मानना है कि इससे उनकी शांति दूभर हो चली है। ऐसी स्थिति कहीं और भी निर्मित हो सकती है इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता।

साल 2025 का अभी तक का बीता वक्त पर्यटन, सैर-सपाटा, घूमने- फिरने, पहाड़ों वादियों पर जाने के लिहाज से बिल्कुल मुफीद नहीं रहा यह कहा जाना चाहिये। दरअसल पर्यटन, सैर-सपाटा नितांत शांतिकाल अमन-चैन, सुकून के माहौल का विषय है। जहां भी इन बातों तथा मौसम की अनुकूलता जरा भी विपरीत होगी वहां सैलानी फटकेंगे भी नहीं। यह कड़वी सच्चाई और वास्तविक तथ्य है।

अपवाद स्वरूप कुछ दुस्साहसी या अति उत्साही पर्यटक हो सकते हैं जो विपरीत हालातों का सामना कर जान की परवाह किये बगैर पर्यटन के लिये निकल पड़ते हैं। फिर भले ही वे भारी बारिश या बाढ़ आदि प्राकृतिक आपदाओं का शिकार होकर फंस जायें या उन्हें रेसक्यू ही क्यों ना करना पड़े। जैसा बीते 6 माह के दौरान होता रहा है और अभी तक सिलसिला जारी है। कहीं-कहीं पर्यटकों की आवाजाही, भीड़भाड़ से वहां के रहवासी नागरिकों ने अपना विरोध भी दर्ज किया है।वेनिस से आई रिपोर्ट बताती है कि वहाँ बेतहासा बढ़ते पर्यटन का लोगों ने विरोध किया है। उनका मानना है कि इससे उनकी शांति दूभर हो चली है। ऐसी स्थिति कहीं और भी निर्मित हो सकती है इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता।

इन हालात के बावजूद बड़ी संख्या में ऐसे लोग भी हैं जो घूमने-फिरने के प्रति अपना मोह नहीं छोड़ पाते और अपने साथ परिजनों के लिये मुसीबत का सबब बनते हैं। जैसे उनके लिये एडवेंचर और खतरे उठाना कोई मोल नहीं रखता। इस बीच ऐतिहासिक महत्व के स्थलों, पर्यटन केन्द्रों, डेस्टिनेशन के साथ लोगों का धार्मिक, आध्यात्मिक स्थलों का पर्यटन बढ़ता नजर आ रहा है। उत्तराखंड की चार धाम यात्रा, जम्मू-कश्मीर की वैष्णो देवी, उज्जैन के महाकालेश्वर, अयोध्या में राम लला मंदिर, सहित देश भर में विराजित द्वादश ज्योतिर्लिंग, दक्षिण भारत के रामेश्वरम, तिरूपति बालाजी समेत अन्य तीर्थ स्थलों की यात्रा का चलन बहुत तेजी से बढ़ रहा है। हालांकि यह शुभ संकेत है लेकिन सच यह भी है कि बीते समय में ये स्थान भी प्राकृतिक आपदाओं से विलग नही रहे।

देवभूमि कहे जाने वाले उत्तराखंड के धराली से जो भयावह सिलसिला शुरू हुआ वह कुछ दिन पूर्व देहरादून के पर्यटन स्थल सहस्त्रधारा में बादल फटने, टपकेश्वर मंदिर डूबने, मलबे में दबने, सड़कों हाईवे पुलों के ढहने बहने, रिसॉर्ट, होटल्स आदि की भारी क्षति के साथ जान माल को भारी नुकसान पहुंचने के रूप में सामने आया है।

पर्यटन दिवस के ठीक पहले जब सितंबर माह में मानसून की विदाई का समय होता है तब जम्मू-कश्मीर के राजोरी तथा हिमाचल प्रदेश के मंडी इलाके में बादल फटने की प्राकृतिक आपदा घटित हुई। उत्तराखंड में धराली के बाद सात बड़ी घटनाएं हुई। अनेक लोगों की मौत की खबरों के बीच मसूरी में सैकड़ों पर्यटकों के फंसे होने तथा ऐसी खबरें हिमाचल प्रदेश, सिक्किम समेत अन्य पर्यटन स्थलों से सामने आती रही जहां पर्यटकों को रेस्क्यू किया गया और यहां तक कि कुछ जगहों पर आर्मी के जवान भी वर्षाजनित हादसों का शिकार बने। यह सब दुर्भाग्यपूर्ण कहा जायेगा।

उधर जम्मू-कश्मीर में पवित्र वैष्णो देवी यात्रा मार्ग पर अति भारी बारिश के चलते पहाड़ धसकने की घटना में 34 श्रद्धालुओं को जान से हाथ धोना पड़ा। इस घटना के बाद मंदिर यात्रा मार्ग 22 दिनों बाद खोला गया।

मशहूर पर्यटन स्थल पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद जम्मू-कश्मीर के पहलगाम समेत 5 टॉप टूरिस्ट स्पॉट बीते 17 जून को खोले गये थे। इस बीच ऑपरेशन सिंदूर की सैन्य कार्रवाई तथा प्रतिक्रिया स्वरूप पाक सेना की गोलीबारी आदि घटनाक्रम में सरहदी इलाके में नुकसान के साथ आतंकी घटनाएं थमी नहीं और जब तब मुठभेड़ होती रहती है। सरहद के उस पार नेस्तनाबूद किये गये आतंकी ठिकानों को फिर से खड़ा करने की रिपोर्ट भी हाल ही सामने आई। यह सब पर्यटन की दृष्टि से प्रतिकूल प्रभाव वाली है।

ऐसे समय जब जम्मू-कश्मीर सहित अन्य डेस्टिनेशन पर पर्यटन तेजी से रफ्तार पकड़ रहा था और खासकर घाटी में बड़ी तादाद में सैलानियों की आवाजाही हो रही थी तब पहलगाम में पर्यटकों की दिल दहलाने वाली घटना ने इस पर ब्रेक लगाया। इस बीच अहमदाबाद में विमान हादसे में एक को छोड़कर सभी यात्रियों के मारे जाने की दुर्घटना से यात्रियों पर्यटकों की सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह लगे। कई दफे विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग भारत समेत अन्य देशों में हुई।

सो, वैश्विक परिदृश्य देखा जाये तो रूस-युक्रेन युद्ध, ईरान इजराइल जंग, पर्यटन प्रधान नेपाल,थाईलैंड, कंबोडिया के संघर्ष, राजनीतिक उथल-पुथल, ऑपरेशन सिंदूर, जैसे घटनाक्रम का असर पर्यटन सेक्टर पर पड़ना कोई कोरी कल्पना नहीं है।

खैर, यह आने वाले समय के हाथों है। हम यहाँ देश के डेस्टिनेशन पर कितने देसी विदेशी पर्यटकों की आवाजाही रही इसका जिक्र नहीं कर रहे हैं। यह विषय अन्य लेखकों, विशेषज्ञों पर छोड़ते हैं। उम्मीद है आने वाले समय में हालात में सुधार और परिवर्तन से स्थितियां बदलेगी और पर्यटन फिर से अपनी रफ्तार पकड़ेगा।

पर्यटन दिवस पर विशेष

धर्मेंद्र सिंह लोधी
लेखक मध्यप्रदेश के संस्कृति, पर्यटन, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हैं।

भारत के हृदय प्रदेश में आपका अभिनंदन है

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण पर्यटन को केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानता है। 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान ने स्थानीय शिल्प, कला, व्यंजन और परंपराओं को वैश्विक पहचान दिलाने की राह खोली है। उनका 'ट्रिपल टी-टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी' मॉडल परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ बहुआयामी विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। 'देखो अपना देश' अभियान ने देशवासियों में अपने ही देश की विविधता को देखने-समझने की अभिरुचि जगाकर अंतर-देशीय पर्यटन को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह दृष्टि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन की धुरी बनाती है-ताकि पर्यटन केवल राजस्व का स्रोत न रहकर सतत विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय एकता का मजबूत स्तंभ बने।

विश्व पर्यटन दिवस केवल कैलेंडर की एक तिथि नहीं, बल्कि एक ऐसा दर्शन है जो हमें याद दिलाता है कि पर्यटन समाज, संस्कृति और अर्थव्यवस्था–तीनों को जोड़ने वाला जीवंत सेतु है। प्रतिवर्ष 27 सितंबर को मनाया जाने वाला यह वैश्विक उत्सव संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन की उस प्रेरणा का हिस्सा है, जो 1980 से जिम्मेदार, सुलभ और सतत पर्यटन को आगे बढ़ाने का साझा मंच देता आया है। इस वर्ष का केंद्रीय विषय 'पर्यटन और सतत परिवर्तन' हमें यह सुनिश्चित करने का आह्वान करता है कि विकास की रफ्तार प्रकृति, संस्कृति और समुदायों की कीमत पर नहीं, बल्कि सामंजस्य और सह-अस्तित्व पर केंद्रित रहे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दृष्टिकोण पर्यटन को केवल एक उद्योग नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक परिवर्तन का सशक्त माध्यम मानता है। 'वोकल फॉर लोकल' के आह्वान ने स्थानीय शिल्प, कला, व्यंजन और परंपराओं को वैश्विक पहचान दिलाने की राह खोली है। उनका 'ट्रिपल टी–टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी' मॉडल परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ बहुआयामी विकास का मार्ग प्रशस्त करता है। 'देखो अपना देश' अभियान ने देशवासियों में अपने ही देश की विविधता को देखने-समझने की अभिरुचि जगाकर अंतर-देशीय पर्यटन को नई ऊर्जा प्रदान की है। यह दृष्टि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण को पर्यटन की धुरी बनाती है–ताकि पर्यटन केवल राजस्व का स्रोत न रहकर सतत विकास, सांस्कृतिक संरक्षण और राष्ट्रीय एकता का मजबूत स्तंभ बने।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल मार्गदर्शन में मध्यप्रदेश पर्यटन को केवल पर्यटकों की संख्या बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि जन-आंदोलन के रूप में आकार दे रहा है। हमारी नवीन पर्यटन नीति 2025 के अनुरूप किए गए रणनीतिक निवेशों ने बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी में सुधार किया, जिसके परिणामस्वरूप पर्यटकों के आगमन में रिकॉर्ड वृद्धि हुई। यही पहल आगे निवेश, उद्यमिता और रोजगार को प्रेरित कर रही है। नीति स्तर पर पर्यटन नीति 2025 के माध्यम से राज्य ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव रीवा और ग्वालियर में 10 हजार 968 करोड़ रुपये से अधिक का निजी निवेश आकर्षित किया और असंख्य नए रोजगार अवसरों का मार्ग खोला। पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा ने क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई उड़ान दी–यह केवल यात्राओं का विस्तार नहीं, बल्कि अवसरों का विस्तार है। हम ऐसा मॉडल गढ़ रहे हैं जिसमें विकास, सामुदायिक सहभागिता और जिम्मेदारी एक-दूसरे के पूरक हों।

अतुल्य भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश, प्रकृति की गोद और संस्कृति की आत्मा से परिपूर्ण है। राज्य के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 30 प्रतिशत भाग वनाच्छादित है जो देश में सर्वाधिक है। यहाँ 12 राष्ट्रीय उद्यान, 24 वन्यजीव अभयारण्य और 9 टाइगर रिजर्व हैं; 785 बाघ हमारी वन संपदा की समृद्धि का परिचायक हैं। कान्हा और पेंच की हरित वादियों ने रुडयार्ड किपलिंग की 'द जंगल बुक' के कल्पलोक को जीवन दिया। हमारी जीवनदायिनी नदियाँ–माँ नर्मदा और क्षिप्रा–प्रदेश की प्रकृति और संस्कृति दोनों का स्पंदन हैं- भेड़ाघाट की संगमरमरी घाटियों के बीच धुआँधार का गूँजता जलप्रपात और उज्जैन का सिंहस्थ कुंभ–दोनों ही हमारे आध्यात्मिक-प्राकृतिक वैभव के प्रतीक हैं।

अद्भुत विरासत से समृद्ध मध्यप्रदेश गर्व से कह सकता है कि वह भारत के बहुमूल्य यूनेस्को विश्व धरोहर परिदृश्य का धनी संरक्षक है–खजुराहो के मंदिर समूह, साँची के बौद्ध स्मारक और भीमबेटका के शैलाश्रय

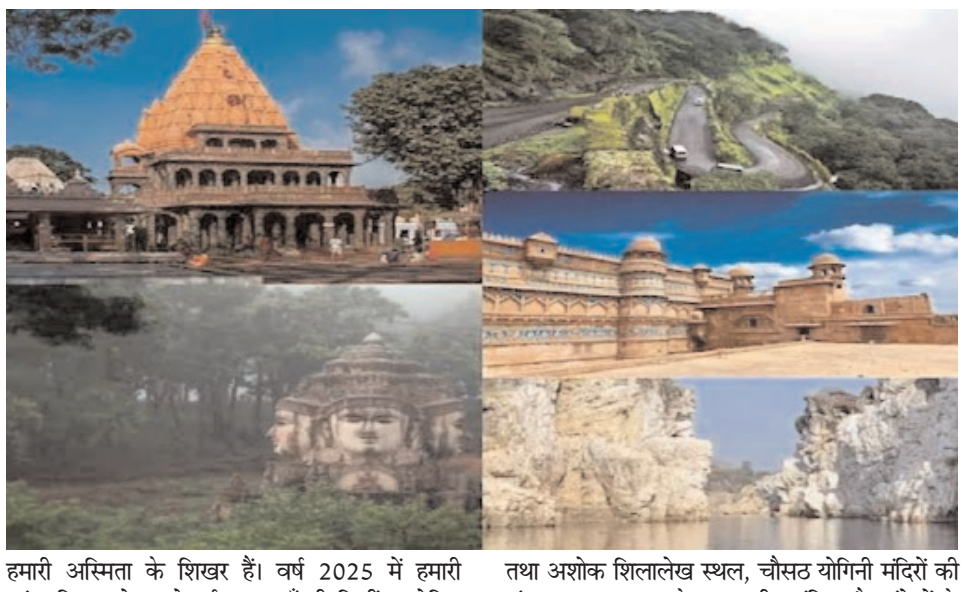

हमारी अस्मिता के शिखर हैं। वर्ष 2025 में हमारी सांस्कृतिक धरोहर को नई मान्यताएँ भी मिलीं–भगोरिया आदिवासी नृत्य, गोंड चित्रकला (पाटनगढ़) और नर्मदा परिक्रमा को राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया। साथ ही, ग्वालियर किला, खून भंडारा (बुरहानपुर), चंबल घाटी रॉक आर्ट, भोजेश्वर महादेव, रामनगर के गोंड स्मारक, धामनार, मांडू, ओरछा, भेड़ाघाट-लमेटाघाट, सतपुड़ा टाइगर रिजर्व और चंदेरी सहित 15 स्थलों का यूनेस्को टेंटेटिव लिस्ट में समावेश तथा अशोक शिलालेख स्थल, चौसठ योगिनी मंदिरों की श्रृंखला, उत्तर भारत के गुप्तकालीन मंदिर और बुंदेलों के महल-दुर्ग जैसे सीरियल नामांकन हमारी समृद्धि की वैश्विक मान्यता का विस्तृत प्रमाण हैं।

मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 : वैश्विक मंच पर हृदय प्रदेश

11 से 13 अक्टूबर 2025 को भोपाल में आयोजित होने वाला मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट राज्य के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक अवसर सिद्ध होगा। यह आयोजन प्रदेश की पर्यटन पहलों को न केवल राष्ट्रीय स्तर पर, बल्कि अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार में भी वैश्विक पहचान दिलाने का माध्यम बनेगा। इस मार्ट का उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटरों तथा विदेशी खरीदारों को मध्यप्रदेश की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों से सीधे जोड़ना है। साथ ही यह मंच पर्यटन क्षेत्र में निवेश और साझेदारी को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ फिल्म पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन और साहसिक पर्यटन जैसे उभरते क्षेत्रों में नए अवसरों का विस्तार करेगा। इस आयोजन से न केवल रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी, बल्कि प्रदेश की छवि भारत के हृदय प्रदेश के रूप में और अधिक सुदृढ़ होगी। मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट 2025 का आयोजन प्रदेश को वैश्विक पर्यटन बाजार में अग्रणी गंतव्य के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक निर्णायक कदम होगा, जो आने वाले वर्षों के लिए पर्यटन विकास की नींव को और भी मजबूत करेगा।

मैं समस्त देश-दुनिया के मित्रों को हृदय प्रदेश–मध्यप्रदेश में आमंत्रित करता हूँ। आइए, हम सब मिलकर वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को साकार करें–जहाँ हर यात्रा प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व, संस्कृति के प्रति आदर और समुदाय के प्रति संवेदना की कथा कहे। यही हमारा संकल्प है, यही हमारा पथ–पर्यटन और सतत परिवर्तन की साझा यात्रा में मध्यप्रदेश आपका आत्मीय सहयात्री बनेगा। हर अतिथि का भारत के हृदय प्रदेश में अभिनंदन है।

स्वदेशी अपनाओ देश बचाओ को लेकर व्याख्यान माला 28 सितंबर को

धार। व्यापारी महासंघ व दिगंबर जैन समाज के संयुक्त तत्वाधान में शहर में विराजित दिगंबर जैन तपस्वी संत श्रमणोपाध्याय श्री विभंजन सागर जी मुनिराज के मुखारविंद से स्वदेशी वस्तुओं का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान विषय पर व्याख्यान माला का आयोजन मानतुंगाचार्य जैन संत सदन, रघुनाथपुरा धार में रविवार को शाम 6 से 8 तक आयोजित की गई है। मुनिराज द्वारा स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग एवं व्यापारियों का भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान पर प्रकाश डाला जाएगा एवं व्यापारियों को आशीर्वचन दिए जाएंगे ।

व्यापारी महासंघ अध्यक्ष प्रवीण टांक, पारस जैन गंगवाल ने बताया कि व्याख्यानमाला में नगर के समस्त व्यापारीगण व गणमान्य नागरिकों व जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है । समाज अध्यक्ष श्रेणिक जैन संजय जैन छाबडा ने बताया कि शहर में पहली बार व्यापारियों के हित व देश की रक्षा के लिए जैन मुनि व्याख्यान देंगे। शांतिलाल शर्मा गौरव जैन रुपेश राजेश प्रीतम पुनीत जैन दिनेश अहीरवार आदि व्यापारीगण को आमंत्रण देकर आने का अनुरोध कर रहे हैं । जानकारी मीडिया प्रभारी गौरव जैन ने दी ।

भोपाल में खड़े वाहन को बैतूल से मिला पीयूसी

इण्डियन पीयूसी केंद्र का संचालन प्राधिकार तत्काल प्रभाव से निलंबित

बैतूल। भोपाल में खड़े एक वाहन को बैतूल स्थित पीयूसी केंद्र से सर्टिफिकेट जारी करने के फर्जीवाड़े का खुलासा हुआ है, जिसके बाद परिवहन विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बैतूल जिले के इण्डियन पीयूसी केंद्र का संचालन प्राधिकार तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्यवाही परिवहन आयुक्त कार्यालय में प्राप्त एक गंभीर शिकायत के आधार पर की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, भोपाल स्थित परिवहन आयुक्त कैंप कार्यालय में खड़े एक वाहन की फोटो लेकर बैतूल के इण्डियन पीयूसी सेंटर को भेजी गई। आश्चर्यजनक रूप से चंद मिनटों में ही उस वाहन का पीयूसी सर्टिफिकेट तैयार कर उसे वाहन पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया। इस पूरे घटनाक्रम से स्पष्ट हुआ कि बिना वाहन

की वास्तविक उपस्थिति के, बिना प्रदूषण जांच किए ही पीयूसी प्रमाणपत्र जारी कर दिया गया, जो कि अत्यंत गंभीर अनियमितता है। इस फर्जीवाड़े की पुष्टि के बाद उप परिवहन आयुक्त (शिकायत) द्वारा सेंटर का पीयूसी प्रमाणपत्र जारी करने का रजिस्ट्रीकरण निलंबित कर दिया गया है। साथ ही समस्त पीयूसी सेंटर संचालकों को कड़ी चेतावनी दी गई है कि भविष्य में कोई भी पीयूसी सर्टिफिकेट तभी जारी किया जाए जब वाहन वास्तविक रूप से उपस्थित हो, उसकी विधिवत जांच की जाए और जांच का फोटो एवं वीडियो पोर्टल पर अपलोड किया जाए। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में इस तरह की अनियमितताओं पर सतत निगरानी रखी जाएगी और किसी भी सेंटर द्वारा नियमों का उल्लंघन करने पर कठोर कार्यवाही की जाएगी। पर्यावरण की रक्षा की दृष्टि से इलेक्ट्रिक वाहनों को छोड़कर अन्य सभी वाहनों के लिए पीयूसी प्रमाणपत्र लेना अनिवार्य किया गया है। बीएस-4 (बीएस-आईवी) सीरिज और उसके बाद के सभी वाहनों को वर्ष में एक बार और पूर्ववर्ती वाहनों को हर 6 माह में अधिकृत पीयूसी सेंटर से जांच कराकर वैध प्रमाणपत्र प्राप्त करना होता है। यदि वाहन बिना पीयूसी के पाए जाते हैं तो परिवहन वाहनों पर पहली बार उल्लंघन पर 5000 रूपए और निजी वाहनों पर 1000 रूपए जुर्माने का प्रावधान है। यदि यह उल्लंघन दोहराया जाता है तो जुर्माना 10 हजार रूपए तक बढ़ सकता है। परिवहन विभाग ने आम जनता से भी अपील की है कि वे वाहन की समय-समय पर प्रदूषण जांच कराएं और वैध पीयूसी प्रमाणपत्र साथ रखें।

त्योहारी सीजन में लोगों को करना पड़ेगा परेशानियों का सामना

बारिश से सड़कों की हालत खराब, जगह-जगह गड्ढे

बैतूल। बारिश से शहर की सडक़ों की हालत खराब हो गई है। सडक़ पर जगह-जगह गड्ढे हो गये है। जिन पर वाहन चलाना चालकों के लिए किसी परेशानी से कम नहीं है। खासबात यह है कि इनमें से कुछ सडक़े चंद साल पहले ही बनी है। लेकिन अभी इन सडक़ों की हालत देखकर ऐसा नहीं लगता कि यह सडक़ कुछ ही समय पहले बनी होगी। पिछले वर्ष ही गंज मस्जिद से कॉलेज की तरफ जाने वाली सडक को टू-लेन करने के साथ ही बीच में डिवाइडर और खूबसूरत स्ट्रीट लाइट लगाई गई थी, तब ऐसा महसूस हो रहा था कि यह सडक नगर की सबसे साफ और खूबसूरत सडक़ है, पर अभी एक वर्ष भी पूर्ण नहीं हुआ है और इस सडक का क्या हाल है, वह लोगों से छुपा नहीं है। नियमानुसार जो सडकें नगरपालिका के अधीन आती हैं और जो सडकें लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत आती हैं, इनके रखरखाव की जिम्मेदारी भी विभाग की होती है। यदि सडक नई बनी हो तब भी निविदा की शर्तों के अंतर्गत ठेकेदार को बाध्य कर सडकों का रखरखाव करवाना इन दोनों विभागों का है, लेकिन नपा और पीडब्ल्यूडी द्वारा ध्यान नहीं दिये जाने से सडक़ों के गड्ढे भर नहीं पा रहे है।

शहर में इन सडक़ों की हालत बेहद खराब- शहर की प्रायः ही कोई ऐसी डामर सडक़ होगी, जो बारिश के बाद ठीक-ठाक नजर आ रही हो। कॉलेज चौक, पुलिस ग्राउंड, गाडाघाट, अंडरब्रिज, लक्ष्मी चौक, बस स्टैंड कोठीबाजार सहित अन्य सडक़ों की हालत बारिश से इतनी खराब हो गई है कि इन सडक़ों पर जहां देखों वहां गड्ढे ही गड्ढे नजर आते है। इन सडक़ों की मरम्मत भी होती है तो सिर्फ खानापूर्ति तक सीमित रहती है। मरम्मत के नाम पर सडक़ों पर टाट में पैबंद लगाने जैसा काम कर दिया जाता है। जानकार कहते है कि विभाग अधिकतर रखरखाव बारिश के मौसम में करते हैं जबकि नियमानुसार यह रखरखाव गर्मी और बारिश शुरू होने के बीच किया जाना चाहिए। इस वर्ष भी बारिश शुरू होने पर रखरखाव और नई सडकों का निर्माण शुरू किया गया जिसका असर आज शहर की हर सडक पर दिख रहा है।

गड्ढे भरने के बाद उबड-खाबड़ नजर आती है सडक़े- नगरपालिका ने सौंदर्याकरण

के तहत तीन सडक़ें बनाई हैं, इन टू लेन सडक़ों के बीच डिवाइडर लगाकर इन्हें सुंदर बनाने का काम किया गया है, लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि इन सडक़ों के निर्माण में गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखने के कारण जगह-जगह हो रहे गड्ढों को अलग से भरा जा रहा है। इससे समतल और प्लेन दिखाई देने वाली सडक़ उबड़ खाबड़ दिखाई देने लगी है, इन सडक़ों नेहरू पार्क के पीछे, गुरुद्वारा रोड कोठीबाजार अस्पताल के सामने की सडक़ें शामिल हैं, अलग से पेंचवर्क करने से समतल सडक़ों पर थेगड़े लगाने की मजबूरी है, जिससे सडक़ें खराब हो रही हैं। नगरपालिका या नपा के ठेकेदार बारिश का बहाना करके काम टालने का काम कर रहे हैं।

त्यौहारों में बढ़ेगी लोगों की परेशानी- कोतवाली से लक्ष्मी चौक और चौपाटी के पास वाइट टॉपिंग सडक़ बन रही है। इसके अलावा बाबू चौक पर एचडीएफसी बैंक के सामने सडक़ निर्माण किया जा रहा है। ऐसे में सडक़ो के निर्माण से लोगों को त्यौहारों के सीजन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आगामी दिनों दशहरा और दीपावली जैसे बड़े त्यौहार है। इस दौरान बाजारों में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ रहती है। कोठीबाजार में बन रही सडक़ ने भी लोगों की परेशानियां बढ़ाई है। सडक़ बनने के बाद सडक़ के दोनों तरफ पिचिंग भरकर लेवल नहीं मिलाया है। सडक़ ऊंची होने से वाहनों की क्रॉसिंग में दिक्कते आती है। बता दे कि त्यौहारी सीजन में कोठीबाजार व्यावसायिक रूप से खरीदारी का केंद्र है। नेहरू पार्क चौपाटी की व्हाईट टॉपिंग सडक़ के भी यही हाल हैं, यहां पर तराई के लिए बिछाए बोरी ज्यादा बारिश के कारण कीचड़ के लोथड़े बन गए हैं, जिससे छोटे वाहन चालक दुर्घटना ग्रस्त हो रहे हैं।

इनका कहना है -

जिन सडक़ों पर गड्ढे हो गये है, उन्हें भरवाया जायेगा। जो सडक़े ग्यारंटी में है, उसे संबंधित ठेकेदार को ठीक करने के लिए कहा जायेगा।

- सतीश मटसेनिया, सीएमओ, नगरपालिका बैतूल

बरेठा में प्रतिदिन लगता है जाम, राहगीर हो रहे परेशान

शाहपुर से लगभग 8 किमी दूर बरेठा मंदिर के पास रोड खराब होने के कारण और घाट का क्षेत्र जिसमें चढ़ाई और मोड अधिक है। आए दिन किसी ट्रक का एक्सल टूट जाता है, तो कोई ट्रक पलट जाता है। प्रतिदिन वाहनों की खराबी से इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को बहुत परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शाहपुर स्वास्थ्य केंद्र में आए कई मरीजों को बैतूल रेफर किया जाता है। मार्ग में जाम लग जाने के कारण उन्हें घोड़ाडोंगरी मार्ग से रानीपुर होते हुए बैतूल ले जाया जाता है। जिससे मरीज काफी समय बाद इलाज की सुविधा प्राप्त कर पाते हैं। इलाज में देरी होने से कोई भीअप्रिय घटना हो सकती है। शाहपुर पुलिस थाना क्षेत्र के अधिकारी कर्मचारी प्रतिदिन सारे काम छोडक़र जाम की स्थिति से निपटने के लिए यातायात को बाधित न होने देने के लिए प्रयासरत रहते हैं। रोड खराब होने के बावजूद वाहन मालिक को टोल भी देना पड़ता है एवं वाहन की टूट-फूट का भी सामना करना पड़ता है।

सेवा पर्व पखवाड़ा अंतर्गत चित्रकला प्रदर्शनी एवं पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

धार। सेवा पर्व पखवाडा अंतर्गत म.प्र. शासन संस्कृति विभाग भोपाल के लिये शासकीय ललित कला महाविद्यालय धार द्वारा विकसित भारत संकल्पना पर केन्द्रित सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया । इसी के अंतर्गत शा. ललित कला महाविद्यालय धार के सभागार में 23 एवं 24 सितंबर तक दो दिवसीय चित्रकला कार्यशाला का आयोजन किया गया । जिसमें महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने विकसित भारत संकल्पना पर आधारित चित्रों को उकेरा। 25 सितंबर को महाविद्यालय में चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें महाविद्यालय स्तर एवं विद्यालय स्तर के विद्यार्थियो ने प्रतिभागिता की जिसमें महाविद्यालय स्तर पर प्रथम कुमार मारू ने प्रथम स्थान,हर्षिता परसाई ने द्वितीय स्थान तथा प्रिया सोलंकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा राज तेजावत एवं हिरा

सोलंकी को सात्वना पुरूस्कार प्राप्त हुआ। विद्यालय स्तर पर शासकीय उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय की छात्रा कु. हनी समारे ने प्रथम स्थान, शा.सांदिपनी स्कुल तिरला की छात्रा कु. सारिका बघेल ने द्वितीय स्थान तथा शा. उत्कृष्ट उ.मा. विद्यालय धार के छात्र तनिष्क गिरि गोस्वामी ने तृतिय स्थान प्राप्त किया। शा. सादिपनी विद्यालय धार की छात्रा कु. गुंजन तथा सेंट जॉर्ज स्कुल के छात्र पूरब सिंह चौहान को सांत्वना पुरूस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में 70 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की।दिनांक 26 सितंबर को शासकीय ललित कला महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला तथा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों द्वारा बनाई कलाकृतियों की प्रदर्शनी तथा पुरूस्कार वितरण का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि शासकीय संगीत महाविद्यालय धार के जनभागिदारी अध्यक्ष श्री दीपक खलतकर तथा शासकीय ललित कला महाविद्यालय धार के जनभागिदारी अध्यक्ष श्री अतुल कालभवर थे। जिनके द्वारा पुरूस्कृत विद्यार्थियों को पुरूस्कार तथा प्रमाण पत्र वितरित किये गये। कार्यक्रम में शाससकीय ललित कला महाविद्यालय एवं शासकीय संगीत महाविद्यालय धार के प्राचार्य एवं समस्त स्टॉफ तथा सादीपनी स्कूल धार ,शा उत्कृष्ट उ.मा.विद्यालय धार, शा.कन्या उ.मा.विघालय धार,शा.सादीपनि स्कूल तिरला के शिक्षक एवं विद्यार्थिगण उपस्थित रहें। संचालन महाविद्यालय के शिक्षक प्रेम कुमार सिंह सिकरवार ने किया।

सुख, शांति, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना लिए सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा 28 सितंबर को धार में निकलेगी

धार। अमन चैन की प्रतीक आमजन की सुख शांति समृद्धि एवं खुशहाली की प्रार्थना लिए जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के भूतपूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व प्रशासक कुलदीप सिंह बुंदेला के नेतृत्व में सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा 28 सितंबर को सुबह 9 बजे न्यू लकी चौराहा बस स्टैंड के गरबा पंडाल से माता की की पूजा अर्चना एवंआरती कर यात्रा प्रारंभ होगी।

सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा के संस्थापक मध्य प्रदेश शासन के भूतपूर्व संसदीय सचिव एवं भूतपूर्व विधायक स्वर्गीय मोहन सिंह बुंदेला ने 20 वर्ष पूर्व जनमानस के कल्याण, अमन चैन, सुख शांति एवं भाईचारा की मिसाल को कायम रखने हेतु सभी जाति धर्म एवं समाज के लोगों के साथ इस यात्रा को शुरू किया था उसी परंपरा को आयोजक कुलदीप सिंह बुंदेला निरंतर आगे बढ़ाते आ रहे है। यात्रा अपने 21वें वर्ष को पूर्ण करने वाली है।

यात्रा न्यू लक्की चौराहा से प्रारंभ होते हुए लाल बाग पहुंचेगी वहां से माता बहने कलश लिए यात्रा में शामिल होगी। यात्रा भव्य रूप लेते हुए शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए मां गढ़ कालिका मंदिर धार पर सम्पन्न होगी।

यात्रा अपने भव्य रूप को दोहराते हुए हजारों माता भक्तों के साथ निकाली जावेगी। यात्रा में माता बहने गरबा नृत्य करते हुए एवं हजारों की संख्या में कलश धारण किए शहर के प्रमुख मार्गो से होते हुए गढ़कालिका मंदिर पहुंचेगी एवं माता को जल अर्पित कर माता बहने एवं माता भक्त नवरात्रि के पावन पर्व पर दर्शन लाभ ले आशीर्वाद प्राप्त करेंगी।

शहर के प्रमुख मार्गों पर हर जाति धर्म एवं समुदाय के लोगों द्वारा स्वागत मंच लगाकर यात्रा का स्वागत पुष्प वर्षा एवं पुष्पहारों से करते है। समिति द्वारा 7000 कलश एवं श्रीफल तथा फलहार की व्यवस्था माता भक्त भाई एवं बहनों के लिए की गई है। पाटीदार समाज के प्रदेश अध्यक्ष कृष्णकांत पटेल (तिरला) यात्रा की अध्यक्षता करेंगे । यात्रा आयोजक,अध्यक्ष सहित समिति के सदस्य गण माता को चुनरी अर्पित कर जन कल्याण की सुख शांति एवं अमन चैन की प्रार्थना करेंगे। समिति द्वारा यात्रा के समापन उपरांत माता भक्तों के लिए फलाहार व्यवस्था पाटीदार समाज के स्कूल में रखी गई है।

सर्वधर्म चुनरी कलश यात्रा के आयोजक कुलदीप सिंह बुंदेला एवं यात्रा अध्यक्ष कृष्णकांत पटेल द्वारा धार एवं आसपास के ग्रामीण क्षेत्र के माता भक्तों से आव्हान किया है कि वह अधिक से अधिक संख्या में पधार कर यात्रा में भाग लेवे एवं जगत जननी माता गढ कालिका का आशीर्वाद प्राप्त करे।

नवरात्रि के पावन पर्व पर बहन-भाई के पवित्र रिश्ते पर अमर्यादित टिप्पणी करने वाले विजयवर्गीय पर महिला कांग्रेस का कठोर प्रहार

भोपाल। नवरात्रि के पावन अवसर पर, जब पूरा देश माँ दुर्गा की आराधना में लीन है–वही माँ जो नारी शक्ति की प्रतीक हैं, शक्ति और सम्मान की देवी हैं–ऐसे में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का विपक्ष के शीर्ष नेतृत्व पर दिया गया शर्मनाक बयान न केवल महिलाओं का अपमान है, बल्कि बहन-भाई के पवित्र रिश्ते को कलंकित करने वाला घोर पाप है।

नवरात्रि में हम माँ दुर्गा से प्रार्थना करते हैं कि वे हमें शक्ति दें, लेकिन बीजेपी के मंत्री जैसे लोग इस पवित्र समय में भी बहनों की मर्यादा को तार-तार कर रहे हैं। बहन-भाई का रिश्ता भारतीय संस्कृति की नींव है–रक्षा बंधन से लेकर नवरात्रि तक, यह बंधन पवित्रता और सुरक्षा का प्रतीक है। लेकिन विजयवर्गीय का बयान इस रिश्ते पर सीधा हमला है, जो माँ दुर्गा की देवी शक्ति को चुनौती देने जैसा है। यह न केवल असंवेदनशील है, बल्कि पूरे प्रदेश की सांस्कृतिक अस्मिता पर प्रहार है। महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती विभा पटेल और प्रदेश प्रवक्ता सुश्री अपराजिता पांडेय ने संयुक्त प्रेस वार्ता में किया। नवरात्रि में माँ दुर्गा हमें नारी शक्ति की याद दिलाती हैं, लेकिन कैलाश विजयवर्गीय जैसे मंत्री बहन-भाई के पवित्र रिश्ते को अपमानित कर रहे हैं। उनका बयान मध्यप्रदेश की गरिमा के खिलाफ है। एक मंत्री, जो जनता की सेवा की शपथ लेता है, वह सार्वजनिक मंच से बहन-बेटियों पर अभद्र टिप्पणी करता है। यह महिलाओं का अपमान ही नहीं, बल्कि माँ दुर्गा के पवित्र उत्सव को ठेस पहुँचाने वाला कृत्य है। बहन-भाई का रिश्ता पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन बीजेपी के नेता इसे राजनीतिक हथियार बना रहे हैं।भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ मंत्री कैलाश विजयवर्गीय द्वारा महिलाओं पर की गई विवादित और अवाध्य टिप्पणियाँ न केवल अपमानजनक हैं, बल्कि समाज की गरिमा को भी ठेस पहुँचाती हैं।

महिला कांग्रेस की माँग

कैलाश विजयवर्गीय तत्काल माँ दुर्गा के सामने झुककर सार्वजनिक माफी माँगें और बहन-भाई के पवित्र रिश्ते का सम्मान करें।

यदि माफी नहीं माँगी जाती, तो मुख्यमंत्री उन्हें मंत्री पद से बर्खास्त करें।

बीजेपी नेताओं द्वारा महिलाओं का अपमान बंद हो, अन्यथा महिला कांग्रेस नवरात्रि की शक्ति से प्रेरित होकर सड़क से सदन तक आंदोलन करेगी।

महिला कांग्रेस का संकल्प

महिला कांग्रेस प्रदेश की हर बहन-बेटी के सम्मान और सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है। हम माँ दुर्गा की शक्ति से बीजेपी सरकार की महिला विरोधी मानसिकता के खिलाफ निरंतर संघर्ष करेंगे और तब तक चुप नहीं बैठेंगे, जब तक महिलाओं को न्याय और सुरक्षा नहीं मिलती। बहन-भाई का पवित्र रिश्ता हमारी संस्कृति की रक्षा करेगा, और हम इसे कलंकित करने वालों को बख्शेंगे नहीं।

'साड़ीज ऑफ़ इंडिया' प्रदर्शनी, नई दिल्ली में बाग प्रिंट बना आकर्षण का केन्द्र

भोपाल । दिल्ली क्राफ्ट्स काउंसिल द्वारा नई दिल्ली में प्रतिष्ठित 'साड़ीज़ ऑफ़ इंडिया' प्रदर्शनी में कला और परंपरा का अनोखा संगम देखने को मिला। इस भव्य प्रदर्शनी में देशभर के चुनिंदा और श्रेष्ठ शिल्पकारों को आमंत्रित किया गया है, जहाँ भारत की विविधता और समृद्ध हस्तकला परंपरा को एक ही छत के नीचे देखने का अवसर मिल रहा है। मध्यप्रदेश का बाग प्रिंट आयोजन का विशेष आकर्षण बना हुआ है। प्रदर्शनी 27 सितम्बर तक चलेगी।

प्रदर्शनी के दूसरे दिन बॉलीवुड की प्रसिद्ध अभिनेत्री और सांसद सुश्री कंगना रनौत ने मध्यप्रदेश के बाग प्रिंट शिल्पकार श्री मोहम्मद आरिफ खत्री की कलाकृतियों की जमकर तारीफ़ की और विस्तार से बाग प्रिंट की तकनीक और प्राकृतिक रंगों के महत्व पर बातचीत की। श्री खत्री ने सुश्री रनौत को मध्यप्रदेश बाग प्रिंट कला के उद्गम स्थल बाग गांव आने का आमंत्रिण दिया। उन्होंने कहा कि हमारी पीढ़ियाँ इस धरोहर को संभालती आई हैं और आज भी यह गाँव कला की जीवंत पाठशाला है। प्रदर्शनी में उपस्थित जानी-मानी क्राफ्ट रिवाइवलिस्ट मंजीरी नेरोला, कामियानी जलन और दिल्ली क्राफ्ट्स काउंसिल की अध्यक्ष श्रीमती पूर्णिमा राय ने भी बाग प्रिंट साड़ियों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि परंपरा और आधुनिकता का बाग प्रिंट सुंदर संगम हैं, जिनमें प्राकृतिक रंगों की चमक और हस्तकला की शान झलकती है। गौरतलब है कि श्री खत्री को उनके नवाचार और बाग प्रिंट को अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए कई सम्मान प्राप्त हुए हैं। कला-प्रेमियों और दर्शकों के लिए यह प्रदर्शनी केवल साड़ियों का नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के विविध रंगों का उत्सव है।

कैशलेस उपचार के लिए निजी व शासकीय अस्पतालों की बनी आईडी

बैतूल। प्रदेश में बढ़ रही सडक़ दुर्घटनाओं को देखते हुए शासन ने पीड़ित व्यक्तियों के लिए नकद रहित उपचार योजना शुरू की है। इस योजना के तहत सड़क दुर्घटना में घायल मरीज को दुर्घटना की तिथि से 7 दिनों की अवधि तक अधिकतम 1.50 लाख रुपये तक का कैशलेस उपचार उपलब्ध होगा, ताकि गोल्डन ऑवर में समय पर इलाज कर उनकी जान बचाई जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज हुरमाड़े ने बताया कि जिले के सभी पंजीकृत निजी अस्पतालों को स्टेबलाइजेशन पैकेज के अंतर्गत सेवाएं देना अनिवार्य है। इसके लिए अस्पतालों के पास एचएफआर आईडी होना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से सीएमएचओ कार्यालय के मीटिंग हॉल में प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण एनआईसी के डीआरएम अभिषेक वागद्रे द्वारा दिया गया। उन्होंने बताया कि दुर्घटना होने पर पीड़ित को अस्पताल में भर्ती करने पर उसकी एंट्री आईडी के माध्यम से पोर्टल पर करना होगी, जिससे पुलिस को स्वतः सूचना मिलेगी और इंटीग्रेशन से तुरंत नगदी रहित उपचार उपलब्ध होगा। प्रशिक्षण डीआईओ श्रीमती रचना श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ।

डॉ. अनु सपन बनीं जन परिषद की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

भोपाल । अखिल भारतीय स्तर की सामाजिक संस्था जन परिषद के अध्यक्ष एवं पूर्व डीजीपी श्री एन के त्रिपाठी ने, जन परिषद की राष्ट्रीय अध्यक्ष पद्मश्री श्रीमती सुनील डबास एवं महासचिव सुश्री कमला रावत की अनुशंसा पर राष्ट्रीय स्तर की सुप्रसिद्ध कवियत्री डॉ अनु सपन को जन परिषद की वूमेन विंग का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोनीत किया है।

संस्था के संयोजक एवं वरिष्ठ पत्रकार रामजी श्रीवास्तव के अनुसार जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक एवं गैरराजनीतिक संस्था है । जो कि गत 36 वर्षों से सामाजिक एवम् रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ साथ, कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रन्थों का प्रकाशन कर चुकी है। संस्था पर्यावरण पर केंद्रित बारह अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस आयोजित कर चुकी है । संस्था के इस समय पूरे देश में 275 से अधिक एवं विदेशों में 7 चैप्टर्स बन चुके हैं। संस्था की अगली कॉन्फ्रेंस एवं सम्मान समारोह जनवरी फरवरी में क्रमशः थाईलैंड , सिंगापुर और मलेशिया में आयोजित किए जाएंगे । संस्था प्रतिवर्ष उन व्यक्तियों को भी अलंकृत करती है जो कि रचनात्मक एवं सामाजिक सुधार के कार्यों को मूर्तरूप दे रहे हैं। संस्था लगभग दस से अधिक बहुप्रचारित संदर्भ ग्रंथों का प्रकाशन कर चुकी है । संस्था का मुख्य आधार मानवीय , सामाजिक एवं राष्ट्रीय दृष्टिकोण है।

संक्षिप्त समाचार

कलेक्टर के निर्देशानुसार सलकनपुर जाने वाले पैदल श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य शिविर किए गए स्थापित

नर्मदापुरम(निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना के निर्देशानुसार नवरात्रि पर्व पर सलकनपुर धाम की ओर जाने वाले पैदल श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए जिला प्रशासन, जनसहयोग एवं रेडक्रॉस के संयुक्त प्रयासों से नगरीय क्षेत्र में 3 शिविर स्थापित किए गए हैं। इन शिविरो में श्रद्धालुओं के लिए पेयजल, फलाहार, भोजन के साथ साथ प्राथमिक उपचार हेतु दवाइयों की व्यवस्था की गई है। उल्लेखनीय है कि सलकनपुर धाम के लिए पैदल यात्रा करने वाले श्रद्धालुओं को मार्ग के बीच में चोट लगे, स्वास्थ्य बिगड़ने आदि अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा सुविधा को उपलब्ध कराने के लिए इन शिविरों को स्थापित किया गया है। उक्त शिविर वरदान गार्डन (जनसहयोग से), एनएमवी कॉलेज (रेडक्रॉस से) एवं परमश्री मैरिज गार्डन के सामने लगाए गए हैं। इन शिविरों में 03 फर्स्ट एड बॉक्स की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। श्रद्धालुओं को स्वास्थ्य संबंधी प्राथमिक उपचार एवं मूलभूत दवाइयाँ रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा उपलब्ध कराई जा रही हैं। शिविरों में जनसहयोग हेतु कई जनप्रतिनिधिगणो एवं अन्य समजसेवियो द्वारा भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा रहा है। शिवरों की स्थापना सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत एवं तहसीलदार सरिता मालवीय के मार्गदर्शन में की गई है। शिविरों में चिकित्सकीय सलाह के लिए चिकित्सक भी समय समय पर उपलब्ध रहेंगे। तहसीलदार सरिता मालवीय द्वारा जानकारी दी गई कि सलकनपुर धाम की यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को संभावित स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए इन शिविरों में आवश्यक दवाइयाँ एवं उपचार की व्यवस्था की गई है। इन सुविधा कैम्पों से श्रद्धालुओं को राहत मिलेगी और उनकी यात्रा को और अधिक सुगम बनाया जा सकेगा। उक्त शिविरों के माध्यम से कई यात्रियों को दवा वितरण भी प्रारंभ किया जा चुका है।

ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी द्वारा सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत क्षयरोग पर जागरूकता एवम पोषण आहार वितरण कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम (निप्र)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर 17 सितम्बर 2025 से सेवा पखवाड़ा मनाया जा रहा है। इसी क्रम में क्षयरोग (टीबी) पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का चेयरमैन अरुण शर्मा तथा कार्यक्रम संयोजक उदित द्विवेदी ने शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय क्षयरोग उन्मूलन अभियान के अंतर्गत निक्षय पोषण योजना पर विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर निक्षय मित्रों द्वारा टीबी मरीजों एवं हितग्राहियों को फूड बास्केट वितरित किए गए, जिससे उन्हें पोषण एवं उपचार में सहयोग मिल सके। अरुण शर्मा चेयरमैन ज़िला रेडक्रॉस सोसायटी ने कहा कि प्रधानमंत्री का लक्ष्य वर्ष 2025 तक देश को टीबी मुक्त बनाना है, और यह तभी संभव है जब इसमें समाज के हर वर्ग का सक्रिय सहयोग मिले। कार्यक्रम संयोजक उदित द्विवेदी ने युवाओं से अपील की कि वे इस अभियान को व्यापक जनजागरूकता का रूप दें। कार्यक्रम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं सीएमएचओ डॉ नरसिंह गहलोत के मार्गदर्शन में हुआ।

आयुष विभाग अंतर्गत जिले की सभी संस्थाओं में दसवां आयुर्वेद दिवस हुआ संपन्न

नर्मदापुरम (निप्र)। आयुष विभाग, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में दसवां आयुर्वेद दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर शासकीय आयुर्वेद चिकित्सालय एवं आयुष विंग नर्मदापुरम द्वारा संयुक्त रूप से जिला स्तरीय निःशुल्क आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। आयुर्वेद चिकित्सा शिविर का शुभारंभ राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया एवं नगर पालिका परिषद अध्यक्ष श्रीमती नीतू यादव ने भगवान धनवंतरी के समक्ष दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण कर किया।

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत जिले के 200 यात्री तिरूपति तीर्थ दर्शन यात्रा के लिए रवाना

रायसेन (निप्र)। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के तहत रायसेन जिले के 200 यात्रियों और 04 अनुरक्षकों को बुधवार को जिला मुख्यालय से बस के माध्यम से कमलापति रेल्वे स्टेशन के लिए रवाना किया गया। रायसेन वन परिसर में सांची विधायक डॉ प्रभुराम चौधरी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री यशवंत मीणा तथा कलेक्टर श्री अरूण कुमार विश्वकर्मा द्वारा तीर्थ यात्रियों का पुष्प माला पहनाकर स्वागत किया गया। विधायक डॉ चौधरी तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्री मीणा ने तीर्थ यात्रियों को संबोधित किया और यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इसके उपरांत तीर्थ यात्रियों को बस के माध्यम से भोपाल के लिए रवाना किया गया। तिरूपति तीर्थ यात्रा हेतु ट्रेन रानी कमलापति रेल्वे स्टेशन भोपाल से प्रस्थान करेगी। इस अवसर पर सहायक कलेक्टर श्री कुलदीप पटेल, रायसेन एसडीएम श्री मनीष शर्मा सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। तिरूपति तीर्थ दर्शन यात्रा हेतु चयनित जिले के 200 यात्रियों में सांची विकासखण्ड से 56 यात्री, गैरतगंज विकासखण्ड से 21 यात्री, बेगमगंज विकासखण्ड से 26 यात्री, सिलवानी विकासखण्ड से 25 यात्री, उदयपुरा विकासखण्ड से 15 यात्री, बाड़ी विकासखण्ड से 10 यात्री और औबेदुल्लागंज विकासखण्ड से 47 यात्री रवाना हुए।

आगामी त्योहारों की दृष्टिगत जिले में कानून व्यवस्था चाक चौबंद रहे : कलेक्टर सोनिया मीना

सभी एसडीएम सुव्यवस्थित कार्य योजना के तहत किसानों को खाद वितरण व्यवस्था सुनिश्चित करें कलेक्टर ने जिले में कानून व्यवस्था के संबंध में ली समीक्षा बैठक

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना की अध्यक्षता में जिले में कानून व्यवस्था एवं खाद वितरण व्यवस्था संबंधी समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पुलिस अधीक्षक श्री साई कृष्णा थोटा, एडीएम श्री राजीव रंजन पांडे, एडिशनल एसपी अभिषेक राजन, सिटी मजिस्ट्रेट श्री बृजेंद्र रावत सहित जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारी(राजस्व) एवं एसडीओपी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि सभी अनुविभागीय अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में प्राप्त होने वाले खाद्य आवंटन के अनुरूप किसानों को खाद वितरण की व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाए। उन्होंने सख्त रूप से निर्देशित किया कि खाद वितरण में किसी भी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न होने पर अधिकारी स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। उन्होंने कहा कि सभी एसडीएम सुव्यवस्थित कार्य योजना के तहत किसानों को खाद वितरण की व्यवस्था करें। कलेक्टर ने खाद की कालाबाजारी एवं अमानक खाद बीज के विक्रय पर रोक लगाने के लिए की जा रही कार्यवाहियों को बढ़ाए जाने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी और अधिक सघन जांच अभियान चलाएं एवं खाद की कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही करें। त्योहारों के दृष्टिगत कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि जिले में किसी भी आयोजन बिना सक्षम स्वीकृति के न किया जाए। सलकनपुर धाम के लिए पैदल जाने वाले यात्रियों की सुविधा हेतु अस्थाई पुलिस चौकी एवं मेडिकल कैम्प स्थापित किए जाएं। साथ ही, यात्रियों के लिए लगाए जाने वाले फलाहार एवं पेयजल शिविर मुख्य मार्गों पर निर्धारित सीमा के अनुरूप ही लगाए जाएं ताकि यातायात प्रभावित न हो। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि त्योहारों के दौरान निकलने वाले चल समारोह एवं जुलूस में ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग अनुमत सीमा के भीतर और अधिकतम चार स्पीकर तक ही सीमित हो। साथ ही, ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर बजने वाले गीत-संगीत का भी विशेष ध्यान रखा जाए और इसके लिए आयोजन समितियों को पूर्व से ही दिशा-निर्देश जारी किए जाएं। कलेक्टर ने आगामी गरबा आयोजनों में सुरक्षा की दृष्टि से प्रवेश केवल परिचय पत्र की जांच कर ही दिए जाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु भी समितियों को निर्देशित किया।

कलेक्टर ने आष्टा जनपद में संचालित अनेक गतिविधियों का किया निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आष्टा जनपद के अनेक ग्रामों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित की जा रही अनेक गतिविधियों का निरीक्षण किया। उन्होंने मनरेगा फलोद्यान, नवीन कृषि उपज मंडी, फसल कटाई प्रयोग और आंगनबाड़ी सहित अनेक गतिविधियों का निरीक्षण किया। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने आष्टा जनपद के ग्राम लसूड़िया ख़ास एवं किलेरामा में मनरेगा के अंतर्गत लगाए गए फलोद्यान का निरीक्षण किया। इस फलोद्यान में सीताफल के पेड़ लगाए गए हैं और किसान द्वारा सीताफल का उत्पादन किया जा रहा है। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि फलोद्यानों को बढ़ावा देने के लिए अधिक से अधिक किसानों को मनरेगा की योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। ताकि इस प्रकार के फलोद्यान विकसित किए जा सकें और ग्रामीणों को अतिरिक्त आय का स्रोत प्राप्त हो और क्षेत्रीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ सके। उन्होंने कहा कि किसानों को तकनीकी मार्गदर्शन और समय-समय पर प्रशिक्षण दिया जाए ताकि उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा को बढ़ाया जा सकें। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि फलोद्यान से होने वाली आय का अधिकतम लाभ किसानों तक पहुँचे, इसके लिए विपणन की बेहतर व्यवस्था की जाए। कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने ग्राम डाबरी तथा शंभूखेड़ी में फसल कटाई प्रयोग की कार्यवाही का निरीक्षण किया और प्रक्रिया के पालन के संबंध में संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि फसल कटाई प्रयोग पूरी पारदर्शिता और वैज्ञानिक पद्धति से किया जाए ताकि प्राप्त आंकड़े विश्वसनीय हों और किसानों को उनकी उपज का सही मूल्य मिल सके।

बहनों के लिए मददगार साबित हो रही लाड़ली बहना योजना

सीहोर (निप्र)। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं की सहायता के लिए मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना चलाई जा रही है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इस योजना के तहत महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार दो सौ पचास रूपये की राशि सीधे उनके बैंक खाते में हस्तांतरित की जा रही है। जिसे महिलाएं अपनी आवश्यकतानुसार खर्च कर रही है। सीहोर निवासी श्रीमती उमा शर्मा भी लाड़ली बहना योजना से लाभान्वित महिलाओं में से एक है। श्रीमती उमा बतातीं हैं कि लाड़ली बहना योजना से मुझे जो राशि मिली है, उसे मैं अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने में उपयोग कर रही हूं।

श्रीमती उमा कहतीं हैं कि अब मुझे अपने छोटे-मोटे खर्चों के लिए किसी से पैसे नही मांगने पड़ते। उन्होंनें बताया कि लाड़ली बहना योजना के तहत मिलने वाली राशि मेरे लिए बहुत ही मददगार साबित हो रही है। लाड़ली बहना योजना के लिए श्रीमती उमा शर्मा ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं प्रदेश सरकार को धन्यवाद दिया है।

अतिथियों ने राष्ट्रीय पोषण माह के तहत व्यंजन प्रदर्शनी और स्वास्थ्य शिविर का किया अवलोकन

बैतूल (निप्र)। जिले में स्वस्थ्य नारी सशक्त परिवार अभियान 17 सितंबर से प्रारंभ किया गया है, जो आगामी 2 अक्टूबर गांधी जयंती तक चलेगा। बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेहरा में अभियान के अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर में शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय जनजातीय राज्यमंत्री श्री दुर्गादास उइके, विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती इमलाबाई जावलकर उपस्थित रहे। सर्वप्रथम अतिथियों ने मां सरस्वती के छायाचित्र समक्ष द्वीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान अतिथियों ने राष्ट्रीय पोषण माह के तहत व्यंजन प्रदर्शनी और स्वास्थ्य शिविर का अवलोकन भी किया। इस अवसर पर श्री नीतू पटेल, सरपंच श्री रामचन्द्र मोगरकरी, श्री नितिन बारस्कर, सरपंच सूरगांव श्रीमती मीनाक्षी ठाकरे, जनपद पंचायत सदस्य श्री कैलाश सोनी एवं श्री पर्वतराव धोटे उपस्थित रहे। केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि में नारी शक्ति की भूमिका अति महत्वपूर्ण है। व्यक्ति से लेकर परिवार और समाज से लेकर विश्व निर्माण तक, नारी ही संस्कृति, परंपरा और संस्कारों की संवाहक रही है। स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान के माध्यम से हम एक सशक्त राष्ट्र के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब महिलाएं और बालिकाएं स्वस्थ होंगी तो परिवार मजबूत बनेगा और मजबूत परिवार ही राष्ट्र की असली शक्ति होता है। उन्होंने सभी महिलाओं एवं बालिकाओं से इस अभियान में सक्रिय रूप से जुड़ने और सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया।जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे ने कहा कि स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का वास होता है। महिलाएं स्वस्थ रहेगी तो घर-परिवार में रौनक रहेगी और समाज समृद्ध बनेगा। साथ ही आने वाली पीढ़ी भी स्वस्थ रहेगी। इसी उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन द्वारा 17 सितंबर से शुरु होकर 2 अक्टूबर महात्मा गांधी जी की जयंती तक स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने सभी महिलाओं एवं बालिकाओं से इस अभियान से जुड़कर लाभ लेने की बात कही। सीएमएचओ डॉ मनोज कुमार हुरमाड़े ने बताया कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान 17 सितम्बर 2025 से 2 अक्टूबर 2025 तक पूरे जिले में संचालित किया जा रहा है। शिविर की जानकारी देते हुये बताया कि विकासखंड सेहरा के अंतर्गत 178 गांवों की बेटिया एवं महिलाओं का शिविर में चिकित्सीय परीक्षण एवं आवश्यक जाचं की गई। अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं में स्वास्थ्य एवं पोषण से जुड़ी चुनौती की पहचान कर उन्हें समय पर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना, किशोरियों में पोषण व एनीमिया के प्रति जागरूकता बढ़ाना, उक्त रक्तचाप, मधुमेह, कैंसर, मुख, स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की स्क्रीनिंग, एनीमिया, यकृत मिशन अंतर्गत जांच, क्षय रोग, कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग, स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता के साथ-साथ समुदाय की सक्रिय भागदारी सुनिश्चित कर जन आंदोलन के रूप में आयोजन किया जा रहा है।

राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि में नारी शक्ति की भूमिका अहम: केंद्रीय राज्य मंत्री श्री उइके

राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने राज्यमंत्री कृष्णा गौर को दी जन्म दिन की बधाई

भोपाल (नप्र)। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल से सौजन्य भेंट के लिए पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर शुक्रवार को राजभवन पहुंची। उनके जन्म दिवस अवसर पर राजभवन आगमन के प्रसंग में राज्यपाल श्री पटेल ने पुष्पगुच्छ भेंट कर श्रीमती गौर को जन्म दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल की शुभकामनाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, श्रीमती गौर ने भी उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री निवास स्थित समत्व भवन में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर को पुष्पगुच्छ देकर जन्मदिन की बधाई दी।

बड़े तालाब में मिला युवक का शव

बड़ा भाई बोला- हत्या का शक, सालों के साथ घूमने का बोलकर घर से निकला था

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बड़े तालाब में दो दिन से लापता युवक का शव शुक्रवार की दोपहर को मिला है। मृतक की पहचान कर ली गई है। बॉडी को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के मुताबिक चुन्नू खान पिता काले खान (30) हरी मजार के पास करोंद का रहने वाला था। वे कारपेंटरी का काम करता था। मृतक के बड़े भाई फरीद ने बताया कि बुधवार की दोपहर को एक बजे घर से निकला था। रिश्ते के साले मुजाहिद और शोएब के पास जाने का बोलकर गया था। चुन्नू की पत्नी रेहाना का कॉल मेरे पास आया। बताया कि पति कॉल नहीं उठा रहे हैं। उसे अनहोनी की आशंका थी। रेहाना ने फरीद से कहा कि शोएब और मुजाहिद इकबाल मैदान के पास हैं। भाई तलाश करता हुआ वहां पहुंचा तो शोएब मिल भी गया। चुन्नू के संबंध में शोएब ने किसी भी तरह की जानकारी देने से इनकार कर दिया और वहां से चला गया। फरीद का आरोप है कि मुजाहिद और शोएब आए दिन भाई पर अड़ीबाजी करते थे। मारपीट करते थे, उन्हें पूरा यकीन है कि दोनों ने सुनियोजित ढंग से हत्या के बाद बॉडी को तालाब में फेंका है।

पत्नी की शिकायत पर गुमशुदगी दर्ज हुई थी-पत्नी रेहाना की आखिरी बार पति चुन्नू से बात हुई तब उसने अपनी लोकेशन इकबाल मैदान के पास होना बताया। लिहाजा रेहान की शिकायत पर तलैया पुलिस ने चुन्नू की गुमशुदगी दर्ज कर ली थी।

सिपाही ने फांसी लगाकर सुसाइड किया

भोपाल (नप्र)। भोपाल के बंगरसिया के सीआरपीएफ कैम्प में रहने वाले एक सिपाही ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। उनका शव शुक्रवार तड़के पत्नी ने फंदे पर लटका देखा। गुरुवार की रात को पढ़ाई को लेकर उन्होंने बच्चों को फटकार लगाई थी। इस बात से उनकी पत्नी भी उनसे नाराज हो गई थी। सुसाइड नोट नहीं मिलने से खुदकुशी के सही कारणों का खुलासा नहीं हो सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एएसआई अमोल शर्मा ने बताया कि मूलत : गुणगांव हरियाणा निवासी महेश कुमार पुत्र बाबूलाल (43) सीआरपीएफ में आरक्षक (बिगुलर) थे और इन दिनों जालंधर में पदस्थ थे। बंगरसिया स्थित सीआरपीएफ कैम्प में अपनी पत्नी, बेटा और बेटी के साथ रहते थे। इन दिनों वह अपने परिवार के पास आए हुए थे। गुरुवार की रात उन्होंने शराब के नशे में 12वीं में पढ़ने वाले बेटे और कक्षा सातवीं में पढ़ाई करने वाले बेटी को पढ़ाई-लिखाई को लेकर जमकर डांट लगाई।

आज बच्चों का एग्जाम था -डांटने की बात को लेकर पत्नी ने आपत्ति जताते हुए विरोध किया, क्योंकि अगली सुबह शुक्रवार को बच्चों को पेपर था। इसके साथ ही पत्नी ने अपनी सास को कॉल कर पति द्वारा बच्चों की पिटाई की शिकायत की थी। इस पर मां ने भी कॉल पर महेश से नाराजगी जताई थी। रात करीब साढ़े दस बजे आरक्षक महेश अपने कमरे में चले गए। तड़के सुबह उठी पत्नी ने फंदे पर उनके शव को लटका देखा। शुक्रवार की दोपहर को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी गई है।

मंडला में ट्रक-ट्रॉला भिड़े, एक की मौत

मंडला (नप्र)। मंडला जिले के अंजनिया चौकी क्षेत्र में शुक्रवार को एक सड़क हादसा हो गया। नेशनल हाईवे 30 पर छुई घाटी के पास सरिया से भरे एक ट्रक ने आगे चल रहे ट्राले को

पीछे से टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में ट्रक के चालक और परिचालक सहित तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही अंजनिया पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को तत्काल जिला अस्पताल भेजा गया। अस्पताल पहुंचने के दौरान एक घायल व्यक्ति ने दम तोड़ दिया, जबकि दो अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। अंजनिया पुलिस के अनुसार, ट्रक और ट्रॉला दोनों रायपुर की ओर से आ रहे थे। छुई घाटी पर यह दुर्घटना अचानक हुई।

भोपाल के पास स्थित है अद्भुत और चमत्कारी शक्तिपीठ मां कंकाली का मंदिर

मूर्तियां उठाते ही चोरों की गई थीं आंखों की रोशनी, नवरात्रि में सीधी हो जाती है माता की झुकी गर्दन

भोपाल (नप्र)। भोपाल के पास रायसेन रोड पर गुदावल गांव स्थित मां कंकाली देवी मंदिर मध्यप्रदेश का एक अद्भुत और चमत्कारी शक्तिपीठ है। लगभग 300 साल पुराने इस मंदिर में विराजमान माता की प्रतिमा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि मूर्ति का सिर 45 डिग्री झुका हुआ रहता है और शारदीय नवरात्रि की रात्रियों में विशेष हवन के समय कुछ क्षणों के लिए यह अपने आप सीधा हो जाता है। भक्त मानते हैं कि जो इस अनोखे चमत्कार के साक्षी बनते हैं, उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

20 भुजाओं वाली मां काली की प्रतिमा

मां कंकाली देवी के मंदिर की स्थापना सन् 1731 में हरलाल मीणा ने कराई थी। मंदिर ट्रस्ट उपाध्यक्ष गुलाब सिंह पटेल बताते हैं कि हरलाल मीणा को माता ने स्वप्न में दर्शन दिए थे। स्वप्नादेश मिलने पर उन्होंने साथियों के साथ यहां खुदाई की, जिसमें ब्रह्मा, विष्णु, महेश, काल भैरव सहित कई प्राचीन मूर्तियां मिलीं।

खुदाई में निकली मूर्ति ने नरकंकालों की माला पहन रखी थी, इसलिए माता को कंकाली नाम दिया गया। मंदिर में विराजमान 20 भुजाओं वाली मां काली की प्रतिमा के बारे में मान्यता है कि जब भी कोई उनके हाथ गिनने की कोशिश करता है, संख्या कभी सही नहीं आती।

यहां माता की पूजा तांत्रिक विधि से की जाती है

मंदिर के आचार्य सनत पाठक बताते हैं कि यहां माता की पूजा तांत्रिक विधि से की जाती है। नवरात्रि के दौरान निशा कालीन विशेष हवन और पूजन होता है, जिसमें माता की गर्दन सीधी हो जाती है। आम दिनों में मंदिर सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक खुला रहता है (दोपहर 4 से 5 बजे तक बंद)। भक्त अपनी मन्नत पूरी करने के लिए माता को उल्टा स्वस्तिक या चुन्नी बांधते हैं। मुराद पूरी होने पर भक्त लौटकर चुन्नी खोलते और प्रसाद चढ़ाते हैं।

माता के आशीर्वाद से हर मनोकामना होती है पूरी

मां कंकाली देवी मंदिर से जुड़ी आस्था इतनी गहरी है कि यहां आने वाले हर भक्त की अपनी अलग कहानी और अनुभव है। लोग मानते हैं कि माता के दरबार में जो सच्चे मन से अरदास करता है, उसकी हर मनोकामना पूरी होती है।

रमेश चंद्र, जो पिछले 63 सालों से यहां दर्शन करने आ रहे हैं, बताते हैं कि उनकी मां ने संतान प्राप्ति की मनोकामना की थी, जो पूरी हुई। रमेश कहते हैं, मैं बहुत गरीब परिवार से था। माता जी की कृपा से मुझे शिक्षक की नौकरी मिली और मेरा छोटा भाई भी शिक्षक बना। आज जो भी सुख-सुविधा है, वह माता जी के आशीर्वाद से ही संभव हुआ।

नवरात्र पर देश-विदेश से पहुंचते हैं भक्त, घंटों लगते हैं लाइन में

स्थानीय ग्रामीण बताते हैं कि यहां हर साल हजारों भक्तों की इच्छाएं पूरी होने के प्रमाण मिलते हैं। कोई नौकरी लगने की खुशी में माता को भोग लगाता है, तो कोई बीमारी दूर होने के

बाद अखंड ज्योति के दर्शन करने आता है। नवरात्रि के समय तो देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु यहां पहुंचते हैं और माता के चमत्कार को देखने के लिए घंटों लाइन में खड़े रहते हैं। उनका मानना है कि इस पहाड़ी पर साधना करने वाला साधक पूर्ण फल प्राप्त करता है और माता के दरबार से खाली हाथ कोई नहीं लौटता।

चोरी की रहस्यमयी घटना

मां कंकाली देवी मंदिर से जुड़ा एक बेहद रोमांचक और चमत्कारी किस्सा सन् 1970 के दशक का है। मंदिर ट्रस्ट उपाध्यक्ष गुलाब सिंह पटेल बताते हैं कि उस समय कुछ चोर मंदिर परिसर से प्राचीन मूर्तियां चुराकर ले गए थे। चोरी की यह घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई थी। गुलाब सिंह के अनुसार, चोर मूर्तियों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में बेचने की योजना बना रहे थे और उन्होंने लगभग 1.25 लाख रुपए में उनका सौदा भी कर लिया था। लेकिन जब वे ब्रह्मा, विष्णु और महेश की भारी मूर्तियों को ले जाने की कोशिश कर रहे थे, तो मूर्तियां अचानक इतनी भारी हो गईं कि उन्हें उठाना असंभव हो गया। तभी चोरों की आंखों की रोशनी भी चली गई। भयभीत चोरों ने अपनी गलती स्वीकार करते हुए माता जी से क्षमा याचना की और मूर्तियों को वापस लौटा दिया। माता की कृपा से उनकी दृष्टि फिर से लौट आई। इसके बाद ग्रामीणों ने मूर्तियों की पहचान कर उन्हें दोबारा मंदिर में स्थापित किया। यह घटना आज भी भक्तों के बीच इस बात का जीवंत प्रमाण मानी जाती है कि माता जी के दरबार में कोई भी बुरी नीयत लेकर सफल नहीं हो सकता।

नवरात्र में स्वच्छता अभियान में शामिल हुए सीआरपीएफ कमांडेंट

इसी तरह, सीआरपीएफ कमांडेंट जगदीश प्रसाद बलई नवरात्रि के अवसर पर स्वच्छता अभियान में शामिल होने के लिए यहां पहुंचे। वे बताते हैं, हम यहां कई बार आ चुके हैं, भक्तों की मन्नतें पूरी होने की कई घटनाएं सुनने को मिलती हैं। यही कारण है कि यहां देशभर से लोग बार-बार खिंचे चले आते हैं।

हमें हमारी पराक्रमी सेना पर गर्व है : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने रेजांग-ला पवित्र रज कलश का किया पूजन, रेजांग-ला युद्ध के वीर योद्धाओं को दी गई श्रद्धांजलि

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यदुनंदन जिधर होते हैं, जीत भी उधर ही होती है। धर्म की रक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों का सारथी बनना स्वीकार किया। उन्होंने धर्म स्थापना के लिए अपना सर्वस्व दे दिया। हमारे सैनिकों ने रेजांग-ला युद्ध में जीत हासिल कर दुश्मनों से देश की रक्षा की। हमारे सैनिकों का शौर्य भारी पड़ा हमें हमारी पराक्रमी सेना पर बेहद गर्व है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेजांग-ला युद्ध में अपने प्राणों को बलिदान कर चीनी सैनिकों को मुंहतोड़ जवाब देने वाले अमर शहीदों को नमन किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को अटल पथ पर रेजांग-ला युद्ध में अमर बलिदानियों के श्रद्धांजलि कार्यक्रम को संबोधित कर रह थे। उन्होंने रेजांग-ला पवित्र रज कलश का पूजन किया और यात्रा के आयोजकों को सरकार की ओर से शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि सरकार हर ऐसे पुनीत कार्य में सहयोगी है, जिससे आमजनों में देश प्रेम की भावना का संचार हो। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारा 5 हजार साल पुराना गौरवशाली अतीत रहा है। उन्होंने कहा कि परमवीर चक्र से सम्मानित श्री योगेंद्र सिंह यादव ने मात्र 19 साल की उम्र में दर्जनों गोलियां लगने के बाद भी टाइगर हिल्स की लड़ाई में पाकिस्तानी घुसपैठियों के छक्के छुड़ाए थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यादव समाज के पराक्रम और शौर्य पर अगर कोई फिल्म बनाई जा रही है, तो राज्य सरकार फिल्म निर्माता को सब्सिडी देकर उसे प्रोत्साहित करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि एवरेस्ट फतह करने वाले पर्वतारोही श्री संतोष यादव और महिला लोको पायलट सुश्री सुलेखा यादव जैसी अनेक हस्तियों ने भी यादव समाज का मान बढ़ाया है। कार्यक्रम में कारगिल युद्ध के नायक परमवीर चक्र विजेता श्री योगेंद्र सिंह यादव ने कहा कि हमारे लिए यह यात्रा गौरव का विषय है। इस कलश यात्रा का उद्देश्य भारतीय समाज को एकजुट करना और युवाओं में शहीदों के शौर्य के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना है। यह समाज को ऊपर उठाने की यात्रा है। मुझे गर्व है कि भारत माता की सेवा का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि यादव समाज ने अनेक वीर सैनिक दिए, जिन्होंने मां भारती की रक्षा करते हुए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। हम उनकी संतानें हैं, जिन्होंने कभी झुकना नहीं सीखा। यादव कुल राष्ट्र पर मर मिटने के लिए सदैव तत्पर रहता है। उल्लेखनीय है कि रेजांग-ला के युद्ध में भारतीय सेना के 120 सैनिकों ने लगभग 3 हजार चीनी सैनिकों को मार गिराया था। ये सभी 120 सैनिक अहीर (यादव) समाज से थे।

कार्यक्रम में विधायक श्री भगवानदास सबनानी, विधायक श्री महेंद्र सिंह यादव, पूर्व मंत्री श्री अखंड प्रताप सिंह यादव, पूर्व मंत्री श्रीमती ललिता यादव, ओबीसी महासभा के श्री जगदीश यादव, अधिवक्ता श्री राजेंद्र यादव, भोपाल यात्रा प्रभारी श्री शेर सिंह यादव सहित बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक और शहीदों के परिजन उपस्थित थे। कलश यात्रा 14 राज्यों से होती हुई मध्यप्रदेश पहुंची है। यात्रा का 18 नवम्बर 2025 को दिल्ली में समापन होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कलश यात्रा में प्रमुख भूमिका निभाने वाले श्री किरण यादव, श्री राम सेन, श्री मनोज, श्री बलवीर यादव और श्री पुष्पेन्द्र यादव को सम्मानित किया।

तीन दोस्तों की नदी में डूबने से मौत, शव निकाले

सागर में नहाते हुए गहरे पानी में पहुंचे; तीनों एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे

सागर (नप्र)। सागर में तीन दोस्तों की नदी में डूबने से मौत हो गई। तीनों की उम्र 18 साल से कम हैं, तीनों के शव को निकाल लिया गया हे। मामला गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ग्राम गुंजोरा का है। तीन दोस्त कोपरा नदी में डूबे। सूचना पर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची।एसडीआरएफ की मदद से नदी में तीनों की तलाश कर शव निकाल लिए। एक ही गांव के तीन युवकों की मौत होने पर मातम पसर गया। मामले में पुलिस ने शवों का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्ट्म कराया है। गढ़ाकोटा क्षेत्र के ग्राम बांदीपुरा से निकली कोपरा नदी में शुक्रवार को ग्राम गुंजोरा निवासी शिवम पिता सेवा बुंदेला (17), रामराजा पिता वीरेंद्र बुंदेला (17) और शुवम पिता जगन्नाथ विश्वकर्मा (18) पहुंचे थे। तीन दोस्त थे जो गांव के एक ही मोहल्ले में रहते थे। कोपरा नदी पर पहुंचने के बाद वह नहाने के लिए पानी में उतरे। गहरे पानी में जाने के कारण एक के बाद एक तीनों डूब गए।

पहले पुलिस और गोताखारों ने ढूंढा-मामले की जानकारी लगने के बाद गढ़ाकोटा पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय गोताखोरों की मदद से सर्चिंग शुरू कराई गई लेकिन कुछ पता नहीं चल सका। इसके बाद एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया। टीम ने कुछ देर की सर्चिंग के बाद तीनों शवों को बरामद कर लिया।

मां के सामने 5 साल के बेटे का सिर काटा

हथियार लेकर घर में घुसे युवक ने किए दो टुकड़े, लोगों ने आरोपी को पीटा, मौत

कुक्षी (नप्र)। धार में घर में घुसकर 5 साल के बच्चे की हत्या कर दी गई। आरोपी ने धारदार हथियार से मासूम के दो टुकड़े कर दिए। बचाने आई मां पर भी हमला किया। आरोपी की पहचान महेश मायड़ा निवासी जोबट के रूप में हुई है। फिलहाल, वारदात की वजह का पता नहीं चल पाया है।

मामला कुक्षी थाना इलाके के आली गांव में सुबह करीब 10:30 बजे की है। यहां धूलबहेड़ी मोहल्ले में बच्चा अपनी मां के साथ घर में था। आरोपी बाइक से वहां पहुंचा। घर में घुसा और धारदार हथियार से बच्चे पर ताबड़तोड़ वार किए। आरोपी ने भागने की कोशिश की, तो परिजन और गांव वालों ने उसे पकड़ कर बांध दिया। उसकी जमकर पिटाई भी की। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे छुड़वाया। उसे मेडिकल के लिए ले जाया गया। यहां उसकी मौत हो गई।

पिता और मां घर के अंदर थे-पुलिस के मुताबिक, कुक्षी से करीब सात किलोमीटर दूर आली गांव में कालू सिंह परिवार के साथ रहते हैं। शुक्रवार सुबह घर में कालू सिंह, उनकी पत्नी सोना बाई और 5 साल का बेटा विकास था। सोना बाई घर में काम कर रही थी जबकि विकास आंगन में खेल रहा था। इसी दौरान बाइक सवार महेश वहां पहुंचा। आते ही उसने बच्चे के सिर और हाथ पर वार कर दिया। पलक झपकते ही विकास का सिर, धड़ से अलग हो गया। सोना बाई बचाने आई, तो महेश ने उसके कंधे और हाथ में हमला किया। शोर सुनकर गांव के लोग दौड़े।

राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज श्रीवास्तव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण-2025 की तैयारियों की समीक्षा की।

कांग्रेस जिलाध्यक्षों को दो दिन ट्रेनिंग देंगे राहुल गांधी

पचमढ़ी में होगा प्रशिक्षण, नवरात्रि-दशहरे के चलते एक महीने बढ़ी तारीख

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश में कांग्रेस के सभी 71 जिला अध्यक्षों को 10 दिनों तक ट्रेनिंग दी जाएगा। सभी जिला अध्यक्षों को हिल स्टेशन पचमढ़ी में आवासीय प्रशिक्षण दिया जाएगा। पहले यह ट्रेनिंग 2 से 12 अक्टूबर तक होनी थी लेकिन, नवरात्रि की अष्टमी, नवमी, दशहरा और दीवाली जैसे त्योहार करीब होने के चलते कई नेताओं ने तारीख आगे बढ़ाने का सुझाव दिया। इसके चलते कांग्रेस जिला अध्यक्षों की ट्रेनिंग एक महीने बढ़ाई गई है। अब यह प्रशिक्षण 2 नवंबर से 12 नवंबर के बीच होगा। खास बात यह है कि दस दिन के इस ट्रेनिंग कैम्प में दो दिन राहुल गांधी भी मौजूद रहेंगे।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खरगे भी आएंगे- इस प्रशिक्षण शिविर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भी शामिल होंगे। संभावित कार्यक्रम के मुताबिक, खरगे इस शिविर के उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस प्रशिक्षण शिविर में जयराम रमेश, पवन खेड़ा, सुप्रिया श्रीनेत, कांग्रेस ट्रेनिंग डिपार्टमेंट के नेशनल हेड सचिन राव, मप्र के प्रभारी हरीश चौधरी, पीसीसी चीफ जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी शामिल होंगे।

अध्यक्षों से खुद चर्चा करेंगे राहुल गांधी- सूत्रों की मानें तो राहुल गांधी ट्रेनिंग के दौरान जिला

अध्यक्षों को न केवल संबोधित करेंगे, बल्कि, जिला अध्यक्षों से वन टू वन बातचीत भी करेंगे। जिला अध्यक्षों से उनके जिले की सामाजिक, राजनीतिक परिस्थितियों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीति पर चर्चा कर सकते हैं।

जिले में कैडर मैनेजमेंट से लेकर 4 चुनावों तक के लिए तैयार होंगे-पचमढ़ी में होने वाली ट्रेनिंग में कांग्रेस के जिला अध्यक्षों को अपने जिले में ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, वार्ड, ग्राम पंचायत और बूथ लेवल तक संगठन बनाने के बारे में बताया जाएगा। आगामी समय में होने वाले नगरीय निकाय, पंचायत चुनाव और 2028 के विधानसभा और 2029 के लोकसभा चुनाव को लेकर कैसे रणनीति बनाना है, इसका पूरा रोडमैप बताया जाएगा।

दस दिन की ट्रेनिंग में क्या होगा-प्रशिक्षण शिविर में दस दिन की ट्रेनिंग में जिला अध्यक्षों के सुबह उठने से लेकर रात तक सोने का मिनट टू मिनट का प्रोग्राम तय किया गया है। प्रतिदिन सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 7-8 बजे तक चलेगा। इसमें सुबह की सैर, योग और ध्यान जैसी गतिविधियां कराई जाएंगी।जिले में कार्यकारिणी से लेकर, ब्लॉक, मंडलम, सेक्टर, वार्ड, ग्राम पंचायत और बूथ स्तर पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का चयन कैसे करना है। पार्टी के दिग्गज नेता बताएंगे।

पचमढ़ी को क्यों चुना?-शहरों की भागदौड़ से दूर एकांत में सतपुड़ा की वादियों के शांत माहौल में दस दिनों तक जिला अध्यक्षों और बाहर से आने वाले विषय विशेषज्ञों और दिग्गजों के रुकने के लिए फाइव स्टार रेटिंग वाले होटल मौजूद हैं। बड़े नेताओं के आने के लिए भोपाल नजदीकी एयरपोर्ट है। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे जैसे नेता हेलिकॉप्टर के जरिए सीधे पहुंच सकेंगे। वहीं जिला अध्यक्षों और प्रदेश के नेताओं को पचमढ़ी तक पहुंचने के लिए ट्रेन और आसान सड़क रूट है। ऐसे में नेताओं को पहुंचने और रुकने में आसानी होगी।

सीधी पुलिस ने पकड़ी 1.12 करोड़ की अवैध शराब

सीधी (नप्र)। सीधी जिले की बहरी थाना पुलिस ने एक कंटेनर से रू. 1.12 करोड़ रुपए की अवैध शराब जब्त की है। यह कंटेनर चंडीगढ़ से चला था और सिंगरौली होते हुए झारखंड की ओर जा रहा था। थाना प्रभारी राजेश पांडेय के मुताबिक, 25 सितंबर को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कंटेनर सीजी 04 पीजे 2105 भारी मात्रा में शराब लेकर एनएच-39 से गुजरने वाला है। पुलिस टीम ने तुरंत पाठक ढाबा के पास घेराबंदी की। पुलिस को देखकर कंटेनर चालक ने भागने की कोशिश की, लेकिन सतर्क पुलिस टीम ने उसे दबोच लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान ओम प्रकाश विश्नोई (निवासी कोटड़ा, जिला जालौर, राजस्थान) के रूप में हुई है।

जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी चालक को माल की अंतिम डेस्टिनेशन का सटीक पता नहीं था। उसे हर 200 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद लोकेशन बदलने की सूचना वॉट्सएप कॉलिंग के जरिए दी जाती थी।

ग्वालियर, रतलाम समेत 7 जिलों से भी मानसून लौटा

एमपी में अगले 2 दिन हल्की बारिश का दौर, अब तक 44.1 इंच बरसात

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश से मानसून की विदा ले रहा है। शुक्रवार को 7 जिले ग्वालियर, गुना, रतलाम, मंदसौर, शिवपुरी, दतिया और आगर-मालवा से भी मानसून की विदाई हुई। वहीं, उज्जैन, राजगढ़ और अशोकनगर जिले के कुछ क्षेत्रों से भी मानसून के लौटने की अधिकृत घोषणा मौसम विभाग ने कर दी।

इससे पहले नीमच, श्योपुर, भिंड और मुरैना से मानसून पूरी तरह से लौट चुका है। इन्हें मिलाकर एमपी से अब तक 11 जिलों में मानसून पूरी तरह से और 3 जिलों से आंशिक रूप से विदा हो गया है।

हालांकि, मध्यप्रदेश से विदाई ले रहा मानसून जाते-जाते भी जमकर बरसेगा। मौसम विभाग ने 28 और 29 सितंबर को इंदौर, नर्मदापुरम, जबलपुर और उज्जैन संभाग में तेज बारिश होने का अलर्ट जारी किया है। हालांकि, इससे पहले कहीं-कहीं हल्की बारिश हो सकती है। इससे पहले गुरुवार को मंडला-रीवा में पौने 2 इंच पानी गिरा। वहीं, उज्जैन, जबलपुर, सतना, सिवनी, सीधी, उमरिया और बालाघाट में हल्की बारिश दर्ज की गई। भोपाल में तेज धूप खिली। इससे गर्मी और उमस का असर रहा। इंदौर, ग्वालियर में भी मौसम साफ रहा।

लो प्रेशर एरिया की वजह से बारिश के आसार

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश के चार जिले- नीमच, श्योपुर, भिंड और मुरैना से मानसून लौट चुका है। अगले एक-दो दिन में ग्वालियर, दतिया और मंदसौर से भी मानसून के लौटने की संभावना है। मौसम विभाग ने शुक्रवार के लिए इन जिलों में बारिश की चेतावनी जारी

नहीं की। बाकी सभी जिलों में हल्की बारिश, गरज-चमक होने के आसार जताए हैं।

अगले 2 दिन तक कुछ जिलों में हल्की बारिश हो सकती है, लेकिन 28 और 29 सितंबर को तेज बारिश का अलर्ट है। इंदौर, देवास, खरगोन, हरदा, खंडवा, बुरहानपुर, बैतूल, उज्जैन, शाजापुर, सीहोर, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा में बारिश हो सकती है।